फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 178 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 30 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The resurrection of Jeevaka Chintamani

Dr. U.V. Swaminatha Iyer was only 32 when he published an edition of the great Tamil epic, Jeevaka Chintamani, on paper for the first time. This was the culmination of a seven-year quest that had taken him to the remotest corners of Tamil Nadu

Desperate U.S. Couldn't Do Away With Him

राजस्थान के वरिष्ठ नेतागण, खड़गे व राहुल गांधी से मिले दिल्ली में

मुलाकात का मुख्य ध्येय, ऐसा लगा है कि सचिन पायलट के खिलाफ वातावरण बनाना, जिससे डोटासरा अपने प्रदेशाध्यक्ष पद पर बने रहें व सचिन पायलट को प्रदेशाध्यक्ष बनने से रोका जा सके।

- इस बैठक में अशोक गहलोत की अनुपस्थिति काफी चर्चित रही, हालांकि, बैठक से ठीक पहले गहलोत ने ट्वीट करके यह उजागर किया था कि वे मुम्बई में हैं तथा उन्हें निमोनिया हो गया था। अतः डॉक्टरों ने उन्हें हिदायत दी है कि ठंड से बचें और ऐसी गरम जगह पर रहें, जहाँ तापमान ज्यादा ठंडा न हो, बल्कि थोड़ा गरम हो।
- गहलोत ने यही बात राहुल गांधी को दोहराई, जब राहुल ने उनसे उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा, खड़गे द्वारा गहलोत को फोन मिलाने पर।
- भंवर जितेन्द्र सिंह, प्रभारी रंधावा, कांग्रेस के संगठन महासचिव वेणुगोपाल आदि की पूरी कोशिश है कि डोटासरा, प्रदेशाध्यक्ष बने रहें तथा सचिन पायलट को किसी भी तरह प्रदेशाध्यक्ष की कुर्सी से दूर ही रखा जा सके।

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ एक बैठक हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत संदिग्ध रुप से अनुपस्थित रहे।

दिलचस्प बात यह है कि गहलोत एक महीने से अधिक समय से राजस्थान से गायब थे और लोगों द्वारा उनके ठिकाने को लेकर सवाल उठाए जाने के बावजूद, वे चुप्पी साधे हुए थे। हालांकि, दिल्ली में होने वाली बैठक से ठीक पहले आज सुबह अशोक गहलोत ने ट्वीट कर बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें ठंडे स्थानों से दूर रहने और गर्म जलवायु में रहने की सलाह दी है, क्योंकि वे स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं।

बैठक के दौरान राहुल गांधी ने पूछा कि अशोक गहलोत कहाँ हैं, जिस पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने गहलोत को फोन मिलाया और फोन राहुल गांधी को दे दिया। राहुल ने उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा, और उन्हें बताया गया कि गहलोत को निमोनिया हुआ था और वे मुंबई में स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। गहलोत की बेटी मुंबई में रहती हैं और राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि गहलोत की अधिकांश संपत्ति मुंबई में ही है।

इस बैठक में सचिन पायलट के ख़िलाफ़ एक तरह से घेराबंदी भी देखने को मिली, जहाँ वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा की जमकर तारीफ़ की, चाहे वह एसआईआर हो, बीएलए हो, मनरेगा हो या पार्टी संगठन व पार्टी को एकजुट रखने का मुद्दा हो।

डोटासरा और जूली की सराहना करने वालों में भंवर जितेन्द्र सिंह, एआईसीसी प्रभारी रंधावा और संगठन मामलों के एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल प्रमुख रुप से शामिल थे।

सूत्रों के अनुसार, डोटासरा को मजबूत करने, उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कुर्सी पर बनाए रखने और किसी भी तरह से यह सुनिश्चित करने की कोशिश हो रही है कि सचिन पायलट डोटासरा की जगह न ले सकें।

भंवर जितेन्द्र सिंह की गांधी परिवार तक सीधी पहुँच मानी जाती है और वे लगातार 'गुपचुप कैंपेन' चलाने के लिए जाने जाते हैं। रंधावा, डोटासरा के काफ़ी क़रीबी माने जाते हैं, जिसके पीछे जाट समुदाय की बॉन्डिंग को भी कारण बताया जा रहा है। वहीं, वेणुगोपाल भी काफी समय से डोटासरा की प्रशंसा करते आ रहे हैं, ताकि प्रदेश कांग्रेस की कमान उनके पसंदीदा व्यक्ति के हाथों में बनी रहे।

रंधावा ने आगामी राज्यसभा चुनावों का मुद्दा भी उठाया और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीरजा मोदी स्कूल सीधे हाई कोर्ट में याचिका नहीं लगा सकता- सीबीएसई

जयपुर, 29 जनवरी। कक्षा चार की बालिका अमायरा की मौत के मामले में नीरजा मोदी स्कूल की समबद्धता वापस लेने के मामले में सीबीएसई ने हाईकोर्ट में अपना जवाब पेश कर दिया है। हालांकि जवाब रिकॉर्ड पर नहीं आने के चलते, जस्टिस बिपिन गुप्ता की एकल पीठ ने नीरजा मोदी स्कूल की याचिका पर शुक्रवार के लिए सुनवाई टाल दी।

सीबीएसई की ओर से अधिवक्ता एमएस राघव ने कहा कि स्कूल प्रशासन को सीधे हाईकोर्ट में याचिका पेश करने का अधिकार नहीं है। इसके लिए सीबीएसई चेयरमैन के समक्ष अपील पेश करनी चाहिए थी। घटना के बाद दो

- सीबीएसई के अधिवक्ता ने हाई कोर्ट में कहा कि स्कूल को पहले सीबीएसई चेयरमैन के समक्ष अपील पेश करनी चाहिए।

सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। जिसकी रिपोर्ट में स्कूल में कई तरह की गंभीर खामियां होने की बात सामने आई है, जैसे स्कूल के बच्चे आइडी कार्ड नहीं लगाते, जिससे घटना के आधा घंटा बाद तक यह पता नहीं चला कि चौथी मंजिल से कूदने वाली छात्रा कौन थी। इसके अलावा, इमारत पर सेफ्टी नैट भी नहीं था। इसके होने से घटना रोकी जा सकती थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इकोनॉमिक सर्वे ने भी "डोमैस्टिक डिमांड" को ड्राइविंग इंजन माना

- वित्त मंत्रालय द्वारा जारी "इकोनॉमिक सर्वे" के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियां, विश्व की इकॉनमी में अनिश्चितता तो जरूर ला रही हैं, पर, देश की इकॉनमी पर इसका खास असर नहीं हुआ है।
- इसका मुख्य कारण है, देश की "डोमैस्टिक डिमांड" (आतंरिक खपत) के आंकड़े।
- सर्वे के अनुसार, देश की इकॉनमी के शानदार प्रदर्शन व महँगाई की दर पर नियंत्रण के कारण सरकार अब इस स्थिति में है कि नये-नये प्रोजेक्ट ला सके व महत्वाकांक्षी स्कीम्स ला सके।
- इससे, "डोमैस्टिक डिमांड" में उछाल आयेगा व नये रोज़गार की उपलब्धता बढ़ेगी।

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी इकोनॉमिक सर्वे ने भारतीय अर्थव्यवस्था के भविष्य के सम्बंध में "वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच स्थिर विकास" का नज़रिया पेश किया है, जिसमें "सावधानी बरतने, लेकिन निराशावादी न होने" की बात कही गई है।

इकोनॉमिक सर्वे (आर्थिक सर्वेक्षण) में वित्त वर्ष 2027 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया गया है, जिसमें घरेलू कारकों की प्रमुख भूमिका बताई गई है।

सर्वेक्षण के अनुसार, वैश्विक माहौल अभी भी नाजुक बना हुआ है, हालांकि यह उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसके बावजूद भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार में बंटवारा और वित्तीय कमजोरियां बढ़ रही हैं।

भारत के लिए राहत की बात यह है कि सर्वेक्षण मानता है कि वैश्विक हालात तत्काल बड़े आर्थिक दबाव की बजाय, बाहरी अनिश्चितताएं पैदा कर सकते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, "प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों में धीमी वृद्धि, शुल्कों के कारण व्यापार में रुकावट और पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव समय-समय पर निर्यात और निवेशकों की भावना पर असर डाल सकते हैं।"

घरेलू अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन पर आते हुए सर्वे ने कहा कि 2025-26 में घरेलू मांग ने आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाया। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अंतिम निजी उपभोग व्यय (पीएफसीई) की हिस्सेदारी बढ़कर 61.5 प्रतिशत हो गई।

सर्वे में इस बात पर जोर दिया गया है कि खपत में मजबूती एक अनुकूल व्यापक आर्थिक माहौल को दर्शाती है, जिसकी विशेषता, कम महंगाई, स्थिर रोजगार स्थिति और बढ़ती वास्तविक क्रय शक्ति है।

इसके अलावा, मजबूत कृषि प्रदर्शन से समर्थित स्थिर ग्रामीण खपत और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष करों के सरलीकरण से शहरी खपत में धीरे-धीरे सुधार के कारण उपभोग मांग की गति व्यापक आधार पर बनी रही।

इसी संदर्भ में आर्थिक सर्वेक्षण में एक विरोधाभास नजर आता है।

आर्थिक सर्वेक्षण की प्रस्तावना में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंतनागेश्वरन ने कठोपनिषद का हवाला देते हुए कहा है कि भविष्य की तृप्ति के लिए वर्तमान उपभोग पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शशि थरूर, राहुल गांधी व खड़गे से मिलने गए

लम्बी मुलाकात में शिकवे-शिकायतें दूर हुई तथा थरूर ने एक ही आग्रह किया, राहुल उन पर विश्वास करें

- यह बैठक कांग्रेस के केरल से निर्वाचित सांसदों के जोर देने पर आयोजित की गई थी। इन सांसदों ने दबाव बनाया था कि राहुल गांधी व शशि थरूर अपने मतभेद साफ करके, नेतृत्व प्रदान करें राज्य में, अन्यथा कांग्रेस केरल में चुनाव हार जाएगी।
- शशि थरूर ने राहुल से यह भी कहा कि उन्होंने केरल में एक आमसभा को संबोधित करते हुए, थरूर का नाम भी नहीं लिया था, हालांकि वे मंच पर बैठे थे। राहुल ने जवाब दिया, उनको एक चिट दी गई थी, जिसमें वे नाम लिखे हुए थे, जिन्हें राहुल को संबोधित करना था, अपना भाषण शुरु करने से पहले। यह आम धारणा है, यह चिट में नाम न होना, वेणुगोपाल की शरारत थी।
- राहुल गांधी ने उसी समय यह भी आदेश दिए कि प्रदेशाध्यक्ष को पाबंद किया जाए कि हर पीसीसी बैठक में थरूर को लाज़मी तौर पर आमंत्रित किया जाए।

- रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। लगातार सुर्ख़ियों में रहे शशि थरूर की अंततः राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ एक लंबी और विस्तृत बैठक हुई, जिसमें कई गलतफ़हमियों को दूर किया गया। इस बैठक के बाद थरूर और राहुल गांधी के बीच एक कार्यकारी (वर्किंग) संबंध स्थापित हुआ।

यह बैठक केरल के कुछ सक्रिय कांग्रेस सांसदों की पहल का नतीजा थी, जिन्होंने के.सी. वेणुगोपाल से मुलाक़ात कर ज़ोर दिया था कि राहुल गांधी और शशि थरूर को आपस में मिलकर अपने मतभेद सुलझाने चाहिए, अन्यथा कांग्रेस केरल खो सकती है।

एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने कहा कि अधिकांश गलतफ़हमियाँ के.सी. वेणुगोपाल ने अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के चलते पैदा की थीं। उनका कहना था कि यदि राहुल गांधी अब भी यह नहीं समझ पा रहे हैं कि वेणुगोपाल किस तरह अपनी महत्वाकांक्षा, केरल का मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जद (एस) प्रमुख देवेगौड़ा प्रधानमंत्री से मिले

नयी दिल्ली 29 जनवरी। पूर्व प्रधानमत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने गुरुवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने देश के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात के बारे में

- देवेगौड़ा राज्यसभा सदस्य हैं तथा उनका दल राजग का हिस्सा है।

जानकारी दी।

मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा ," एच.डी. देवेगौड़ा जी के साथ उत्कृष्ट बैठक हुई। उनके महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार सराहनीय हैं। भारत के विकास के प्रति उनका उत्साह भी समान रूप से प्रशंसनीय है।"

देवेगौड़ा जनता दल (एस) के प्रमुख हैं और अभी राज्यसभा के सदस्य हैं। जनता दल (एस) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में होने के नाते केन्द्र में सरकार में भी भागीदार है।

नफरती बयानबाजी कर भारी कानूनी विवाद में पड़ सकते हैं असम के मु.मंत्री

असम के मु.मंत्री हिमंत बिस्वा ने लोगों को मुस्लिमों को परेशान करने के लिए उकसाया

- मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बयान में लोगों से अपील की कि मुसलमानों को परेशान किया जाए ताकि वे कमज़ोर हो जाएं। उन्होंने तरीका भी बताया, जैसे मुस्लिम रिक्शा वाले को कम किराया दिया जाए।
- ऐसी टिप्पणियाँ गैर जमानती, संज्ञेय अपराधों की श्रेणी में आती हैं और अगर यह बयान संवैधानिक पद पर बैठे किसी नेता, जैसे मुख्यमंत्री, का हो तो बेहद गंभीर मामला बनता है।
- कांग्रेस की असम यूनिट ने इस संबंध में याचिका भी दायर की है।

-श्रीनंदन झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा अपने बयानों को लेकर विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लोगों से "मियां मुस्लिम" रिक्शा चालकों को कम पैसे देने के लिए कहा था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार "मियां" समुदाय को "काबू में रखने" के लिए उन्हें परेशान करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे स्थानीय समुदाय पर हावी न हो सकें।

इससे पहले वे यह भी दावा कर चुके हैं कि विशेष पुनरीक्षण (स्पेशल रिवीजन) अभियान के दौरान पांच लाख मियां मुसलमानों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे।

सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति विभिन्न राज्यों, खासकर असम चुनाव प्रचार का लगातार हिस्सा रही है। असम में 1980 के शुरुआती वर्षों में "जनसांख्यिकीय घुसपैठ" के खिलाफ बड़ा जन आंदोलन हुआ था। वर्ष 2014 में असम की एक रैली में नरेन्द्र मोदी, जो तब भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे, ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों से कहा था कि वे अपना सामान बांधकर लौट जाएं। बारह साल बाद, केन्द्र और राज्य दोनों में भाजपा की सरकार होने के बावजूद यह समस्या अब भी बनी हुई है।

जब असम में नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिज़न्स (एन.आर.सी.) तैयार किया गया, तब पाया गया कि 19 लाख अवैध प्रवासियों में से 11 लाख हिंदू थे। हैरानी की बात यह है कि भाजपा एनआरसी के इन निष्कर्षों को स्वीकार नहीं करती, लेकिन मौजूदा विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मियां समुदाय को निशाना बना रही है। इससे विपक्षी भड़क गए हैं और आरोप लगा रहे हैं कि यह अल्पसंख्यकों को मताधिकार से वंचित करने के लिए किया जा रही एक लक्षित और सांप्रदायिक कवायद है।

सभी सरकारों को अवैध प्रवासियों को हटाने का अधिकार है। लेकिन यह अलग बात है कि कोई मौजूदा मुख्यमंत्री किसी खास समुदाय को सजा देने की खुली बात करे और उन्हें वोट देने के अधिकार से वंचित करने की धमकी दे। इस तरह की बातें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन हैं। साथ ही, यह बात भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए के तहत भी आ सकती हैं, जो धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास या भाषा के आधार पर अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी, नफरत या वैमनस्य फैलाने को अपराध मानती है। यह अपराध संज्ञेय है, जमानत नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नालों की सफाई के दौरान मौत पर 30 लाख मुआवजा

नयी दिल्ली, 29 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि मैला ढोने और नालों की सफाई के दौरान होने वाली मौतों के लिए मुआवजे को बढ़ाकर 30 लाख रुपये करने का उसका आदेश पुराने मामलों पर भी लागू होगा, यदि उनमें अभी तक मुआवजा

- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह आदेश पुराने मामलों पर भी लागू होगा।

तय नहीं हुआ है या मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने अक्टूबर 2023 के बलराम मामले में ऐसी मौतों के लिए मुआवजे की राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी थी। यह स्पष्टीकरण राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा शीर्ष अदालत के समक्ष दायर एक आवेदन के बाद आया है।

नालसा ने कहा था कि अलग-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने नए यू.जी.सी. नियमों के क्रियान्वयन पर स्टे लगाया

सुप्रीम कोर्ट ने शिकायत निवारण व्यवस्था का गठन जातिगत आधार पर होने को गलत माना

- सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि इससे देश में जातिगत विभाजन और बढ़ेगा ही, घटेगा नहीं।
- 23 जनवरी को अधिसूचित इन नियमों का देश भर में सवर्णों द्वारा भारी विरोध किया जा रहा है।
- इन नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं में कहा गया है कि ये नियम अस्पष्ट हैं और संविधान व यूजीसी एक्ट, 1956 के खिलाफ हैं।
- सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि फिलहाल वर्ष 2012 के यूजीसी रैगुलेशन ही मान्य होंगे। बैंच ने रैगुलेशन 3 (सी) पर विशेष रूप से चिंता जताई और कहा कि इसका भारी दुरुपयोग हो सकता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। मोदी सरकार को झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) नियम, 2026 पर रोक लगा दी। देशभर में इन नियमों के खिलाफ विरोध और आलोचना हो रही थी।

ये नियम 23 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। कई याचिकाकर्ताओं ने इन्हें चुनौती दी थी। उनका कहना था कि ये नियम अस्पष्ट, भेदभावपूर्ण और पक्षपातपूर्ण हैं और संविधान तथा यूजीसी अधिनियम, 1956 का उल्लंघन करते हैं।

नए नियमों पर रोक लगाते हुए अदालत ने कहा कि फिलहाल 2012 के यूजीसी नियम ही लागू रहेंगे। कोर्ट ने नियम 3 (सी) को लेकर गंभीर चिंता जताई। यह नियम जाति आधारित भेदभाव से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि इसमें स्पष्टता नहीं है और इसका दुरुपयोग हो सकता है। कोर्ट के अनुसार, इस नियम की भाषा में बदलाव की जरूरत है।

2026 के नए नियम कॉलेज और विश्वविद्यालय परिसरों में जाति आधारित भेदभाव से निपटने के लिए बनाए गए थे। नियमों के तहत, संस्थानों को विशेष समितियां और हेल्पलाइन बनानी थीं, ताकि छात्र, खासकर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्र, अपनी शिकायत दर्ज करा सकें।

लेकिन इस कदम का कड़ा विरोध भी हुआ। सामान्य वर्ग के कई छात्रों का कहना है कि यह फ्रेमवर्क उन्हें हाशिये पर डाल सकता है। उनका तर्क है कि नियम कुछ वर्गों पर ही केन्द्रित हैं, जबकि दूसरों के लिए कोई स्पष्ट सुरक्षा या प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ये नियम सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए कोई अनिवार्य प्रतिनिधित्व या सुरक्षा का प्रावधान नहीं करते हैं।

बुधवार को, ज्यादातर सामान्य वर्ग के छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में प्रदर्शन किया और नए नियमों को वापस लेने की मांग की। इसी तरह के प्रदर्शन लखनऊ से भी सामने आए, जहां छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर इकट्ठा होकर यूजीसी नीतियों के खिलाफ नारे लगाए।

विरोध के बीच केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने छात्रों को आश्वासन देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इन नियमों का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं सभी को भरोसा दिलाता हूं कि कोई भेदभाव नहीं होगा और कोई भी कानून का गलत इस्तेमाल नहीं कर सकेगा।"

यह विवाद राजनीतिक हलकों तक भी पहुंच गया। रायबरेली के सलोन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर त्रिपाठी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने नए यूजीसी नियमों से असंतोष जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में उन्होंने इन नियमों को विभाजनकारी बताया और कहा कि वे ऐसे कानून का समर्थन नहीं कर सकते, जिसे वे अन्यायपूर्ण मानते हैं।

मोदी सरकार ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) नियम, 2026 को एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के वोटों को एकजुट करने के उद्देश्य से पेश किया था। लेकिन इन नियमों के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजित पवार के विमान का ब्लैक बॉक्स मिला

नयी दिल्ली, 29 जनवरी। महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैकबॉक्स बरामद हो गया है।

जांच में शामिल अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त

- एएआईबी का जाँच दल बुधवार को बारामती में।

लीयरजेट 45 विमान का ब्लैकबॉक्स दुर्घटनास्थल से बरामद किया गया है।

इस विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार, उनके एक निजी सुरक्षा अधिकारी तथा एक सहायक और चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गयी थी। एएआईबी के महानिदेशक के नेतृत्व में जांच दल बुधवार को ही बारामती पहुंच गया था। इसके साथ नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के तीन अधिकारियों की मुंबई की टीम भी जांच कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

पुरुषार्थ से दरिद्रता का नाश होता है, जप से पाप दूर होता है, मौन से कलह की उत्पत्ति नहीं होती और सजगता से भय नहीं होता। –चाणक्य

परंपरा और तकनीकी मिलकर गढ़ रहे हैं नया राजस्थान

राजस्थान, जो कभी रेगिस्तानों और किलों की भूमि के नाम से जाना जाता था, आज परंपरा और तकनीकी के अनोखे संगम से एक नया स्वरूप धारण कर रहा है। यहाँ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत आधुनिक विज्ञान के साथ जुड़कर न केवल आर्थिक प्रगति को गति दे रही है, बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपनी जड़ों से जोड़े हुए है।

यह संयोजन राजस्थान को वैश्विक पटल पर एक अनूठा राज्य बना रहा है, जहाँ ऊँटों के मेलों के साथ डिजिटल स्टार्टअप्स फल–फूल रहे हैं। परंपरागत हस्तशिल्प अब ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर बिक रहे हैं, और प्राचीन लोकगीत डिजिटल संगीत ऐप्स में गूँज रहे हैं।

राजस्थान की परंपराएँ सदियों पुरानी हैं, जो लोककला, संगीत, नृत्य और वास्तुकला में झलकती हैं। यहाँ के त्योहार जैसे पुष्कर मेला या जैसलमेर का डेजर्ट फेस्टिवल रंग–बिरंगे परिधानों, कठपुतली नृत्य और भोपा गायकों से सजते हैं। महिलाएँ पनिहारी गीत गाते हुए कुएँ से पानी भरती हैं, जो उनकी दैनिक जीवन की कविता है। किले जैसे आमेर, मेहरानगढ़ और जैसलमेर का स्वर्ण किला पीले बलुआ पत्थरों से चमकते हैं, जो राजपूत शौर्य की गाथा कहते हैं।

इन परंपराओं में हस्तशिल्प का विशेष स्थान है। टाई–डाई, मिरर वर्क, ब्लॉक प्रिंटिंग और ज़री कढ़ाई जैसी कला पीढ़ियों से चली आ रही है। बीकानेर की कठपुतलियाँ और जोधपुर की लकड़ी की नक्काशी पर्यटकों को लुभाती हैं। राजस्थानी व्यंजन जैसे दाल बाटी चूरमा कम पानी वाली जलवायु के अनुकूल हैं, जो स्थानीय कृषि पर आधारित हैं। ये परंपराएँ न केवल सांस्कृतिक पहचान हैं, बल्कि आजीविका का स्त्रोत भी। लेकिन बदलते समय में इन्हें तकनीकी से जोड़ना आवश्यक हो गया है।

तकनीकी क्रांति ने राजस्थान को तेजी से बदल दिया है। राज्य में सौर ऊर्जा संयंत्रों का जाल बिछा है, खासकर फलोदी और जैसलमेर जैसे क्षेत्रों में, जहाँ सूरज की प्रचुरता का लाभ उठाया जा रहा है।चंबल और माही नदियों पर बांधों से सिंचाई और बिजली मिल रही है, जो कृषि को आधुनिक बना रही है। जयपुर और जोधपुर में आईटी हब विकसित हो रहे हैं, जहाँ स्टार्टअप्स फल–फूल रहे हैं।

सीमेंट उद्योग में राजस्थान देश में प्रथम है। लाखेरी और बूंदी के अलावा वर्तमान में सभी सीमेंट कारखाने अब उन्नत तकनीक से चलते हैं। कांच उद्योग भी फलोदी, जयपुर और धौलपुर में पनप रहा है। डिजिटल इंडिया के तहत राजस्थान में ई–गवर्नेंस मजबूत हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएँ पहुँच रही हैं। मोबाइल ऐप्स से किसान फसल बेच रहे हैं, और ड्रोन से खेतों की निगरानी हो रही है।

यह संयोजन सबसे सुंदर रूप में पर्यटन में दिखता है। प्राचीन किले अब वर्चुअल रियलिटी से जुड़ गए हैं। जयपुर का हवा महल या आमेर किला पर्यटक ऐप्स पर 360 डिग्री टूर देते हैं। पुष्कर मेला लाइव स्ट्रीमिंग से वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रहा है। जैसलमेर के घरों में परंपरागत डिजाइन के साथ सोलर पैनल लगे हैं, जो बीकानेर के एक घर का उदाहरण है जहाँ पुरानी वास्तुकला और आधुनिक तकनीक का संगम है।

हस्तशिल्प को तकनीकी ने नई उड़ान दी है। राजस्थानी ब्लॉक प्रिंट अब ऑनलाइन मार्केट्स जैसे अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर बिकता है। डिजाइन सॉफ्टवेयर से आर्टिसन्स नए पैटर्न बना रहे हैं। जोधपुर की वुडन क्राफ्ट को 3डी प्रिंटिंग से मजबूती मिल रही है। ई–कॉमर्स ने स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ा है। उदाहरणस्वरूप, राजस्थानी साफा और जूतियाँ अब डिजिटल कैटलॉग्स में हैं, जो युवाओं को परंपरा से जोड़ते हैं।

> **परंपरा और तकनीकी का यह संगम राजस्थान को सशक्त बना रहा है। यह न केवल आर्थिक विकास ला रहा है, बल्कि सांस्कृतिक निरंतरता भी सुनिश्चित कर रहा है। भविष्य में एआई और वर्चुअल टूरिज्म से राज्य चमकेगा। राजस्थान अब रेत के टीलों से आगे, डिजिटल रेगिस्तान का राजा बन चुका है। यह प्रक्रिया समावेशी है। महिलाएँ ई-लर्निंग से सशक्त हो रही हैं। आदिवासी समुदाय डिजिटल मार्केटिंग से अपनी कला बेच रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में स्मार्ट सेंसर रेगिस्तान को हरा बना रहे हैं। राजस्थान का यह नया स्वरूप प्रेरणादायक है। वर्तमान समय में परंपरा तकनीकी की जड़ें हैं, और तकनीकी परंपरा के पंख। दोनों मिलकर राजस्थान को विश्व गुरु बना सकते हैं। युवाओं को इस संगम को अपनाना चाहिए।**

कृषि क्षेत्र में यह मेल चमत्कारिक है। राजस्थान सूखा प्रभावित होने के बावजूद डिजिटल कृषि से बदल रहा है। किसान ऐप्स से मौसम पूर्वानुमान पाते हैं, और ड्रोन से बीज बोया जा रहा है। इंदिरा गांधी नहर से सिंचाई बढ़ी है, जो परंपरागत खेती को आधुनिक बनाती है। जैसलमेर के रेगिस्तान में ड्रिप इरिगेशन से सब्जियाँ उग रही हैं। जैविक खेती को प्रमोट करने वाले ऐप्स किसानों को प्रीमियम दाम दिला रहे हैं। यह न केवल उत्पादन बढ़ा रहा है, बल्कि जल संरक्षण भी।

शिक्षा में भी परिवर्तन आया है। ग्रामीण स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम हैं, जहाँ बच्चे टैबलेट पर राजस्थानी लोककथाएँ सीख रहे हैं। जयपुर के विश्वविद्यालयों में एआई कोर्सेस राजस्थानी इतिहास पर आधारित हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से युवा कठपुतली कला या लोकनृत्य सीख रहे हैं। यह परंपरा को जीवंत रखते हुए भविष्य की तैयारी करा रहा है। उदाहरण के लिए, भोपा गीतकार अब यूट्यूब पर अपनी प्रस्तुतियाँ अपलोड कर रहे हैं, जो लाखों व्यूज पा रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीकी ने क्रांति ला दी। टेलीमेडिसिन से दूरदराज के गाँवों में डॉक्टर पहुँच रहे हैं। जोधपुर के एम्स में एआई से डायग्नोसिस हो रहा है। आयुर्वेद को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रमोट किया जा रहा है, जहाँ प्राचीन जड़ी–बूटियाँ आधुनिक रिसर्च से सिद्ध हो रही हैं। कोविड काल में राजस्थान ने डिजिटल हेल्थ ऐप्स से लाखों को बचाया।

सांस्कृतिक संरक्षण में डिजिटल अभिलेखागार महत्वपूर्ण हैं। राजस्थान सरकार ने विरासत को डिजिटाइज किया है। किलों की स्कैनिंग से 3डी मॉडल बने हैं, जो भूकंप जैसी आपदाओं से बचाव करेंगे। लोक संगीत को डिजिटल स्वरूप में संग्रहीत किया जा रहा है। एनजीओ और स्टार्टअप्स मिलकर राजस्थानी बोलियों को ऐप्स में ला रहे हैं। इससे युवा अपनी भाषा नहीं भूलेंगे।

आर्थिक प्रभाव गहरा है। तकनीकी ने रोजगार सृजित किए हैं। आईटी क्षेत्र में हजारों युवा कार्यरत हैं। ई–कॉमर्स से हस्तशिल्प निर्यात बढ़ा है। सौर ऊर्जा से ग्रामीण क्षेत्र आत्मनिर्भर बने हैं। स्टार्टअप इंडिया के तहत राजस्थानी उद्यमी उभर रहे हैं, जो परंपरागत उत्पादों को ब्रांड बना रहे हैं। उदाहरणस्वरूप, मोहब्बत मरजानी जैसी ब्रांड्स बैलेंस गाउन को ग्लोबल बना रही हैं।

चुनौतियाँ भी हैं। डिजिटल डिवाइड ग्रामीण क्षेत्रों में है, जहाँ इंटरनेट कमजोर है। परंपराओं का व्यावसायिकीकरण उनकी शुद्धता को प्रभावित कर सकता है। युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। लेकिन सरकार की योजनाएँ जैसे राज–ई–मित्र और डिजिटल गांव इनसे निपट रही हैं।

परंपरा और तकनीकी का यह संगम राजस्थान को सशक्त बना रहा है। यह न केवल आर्थिक विकास ला रहा है, बल्कि सांस्कृतिक निरंतरता भी सुनिश्चित कर रहा है। भविष्य में एआई और वर्चुअल टूरिज्म से राज्य चमकेगा। राजस्थान अब रेत के टीलों से आगे, डिजिटल रेगिस्तान का राजा बन चुका है।

यह प्रक्रिया समावेशी है। महिलाएँ ई–लर्निंग से सशक्त हो रही हैं। आदिवासी समुदाय डिजिटल मार्केटिंग से अपनी कला बेच रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण में स्मार्ट सेंसर रेगिस्तान को हरा बना रहे हैं। राजस्थान का यह नया स्वरूप प्रेरणादायक है।

वर्तमान समय में परंपरा तकनीकी की जड़ें हैं, और तकनीकी परंपरा के पंख। दोनों मिलकर राजस्थान को विश्व गुरु बना सकते हैं। युवाओं को इस संगम को अपनाना चाहिए। यह नया राजस्थान सिर्फ राज्य नहीं, एक विचार है जहाँ अतीत और भविष्य एक साथ चलते हैं।

–अविनाश जोशी,
अतिथि संपादक
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राज्यपाल का अभिभाषण: विकसित राजस्थान की दिशा में सशक्त और सुनियोजित पहल

अभिभाषण में इस बात पर विशेष बल दिया है कि शासन की सफलता का वास्तविक पैमाना अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है

डॉ. अरुण चतुर्वेदी

सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र में राज्यपाल द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण राज्य के विकास, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतिबिंब है। यह अभिभाषण प्रदेश की वर्तमान उपलब्धियों, नीतिगत प्राथमिकताओं और भावी दृष्टि का समग्र, तथ्यपरक और परिणामोन्मुख दस्तावेज है। इसमें स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार सेवा, सुशासन और समावेशी विकास के मूल मंत्र को धरातल पर उतार रही है।

अभिभाषण में लोकतांत्रिक मूल्यों की गरिमा को रेखांकित करते हुए इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि शासन की सफलता का वास्तविक पैमाना अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। इसी दृष्टि के अनुरूप राज्य सरकार ने विगत दो वर्षों में प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और निर्णयों की गति को सुदृढ़ किया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए एसआईटी के माध्यम से सख्त कार्रवाई की गई। परिणामस्वरूप पिछले दो वर्षों में पेपर लीक की एक भी घटना सामने नहीं आई। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं पर कठोर रुख अपनाते हुए 140 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कर 420 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई, जिससे युवाओं के मन में विश्वास की पुनर्स्थापना हुई।

युवाओं के भविष्य को सुरक्षित और सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहा है। इसी संकल्प के साथ अब तक लगभग एक लाख युवाओं को सरकारी नियुक्तियाँ प्रदान की जा चुकी हैं, जबकि 1 लाख 54 हजार 547 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। वर्ष 2026 के लिए एक लाख सरकारी पदों का भर्ती कैलेंडर जारी किया जाना इस बात का प्रमाण है कि सरकार अवसरों को योजनाबद्ध ढंग से सृजित कर रही है।

खेलों के क्षेत्र में भी राजस्थान ने नई पहचान बनाई है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स–2025 का सात शहरों में सफल आयोजन हुआ, जिसमें देशभर के 222 विश्वविद्यालयों के लगभग 7 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 49 खिलाड़ियों को 2 करोड़ 95 लाख रुपये की सहायता प्रदान कर राज्य ने प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को केंद्र में रखते हुए व्यापक सुधार किए हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत 2 लाख 37 हजार से अधिक विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश दिलाया गया, जिसके लिए लगभग 996 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति की गई। वहीं, सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत 66 लाख से अधिक विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म एवं स्कूल बैग उपलब्ध कराने हेतु 482 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

विगत दो वर्षों में 185 नए महाविद्यालय भवनों का लोकार्पण, 71 नए महाविद्यालयों की स्थापना और 17 महाविद्यालयों का स्नातकोत्तर स्तर पर उन्नयन किया जाना राज्य की उच्च शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। तकनीकी शिक्षा को भविष्य की आवश्यकताओं से जोड़ते हुए 21 नए पॉलिटेक्निक महाविद्यालय प्रारंभ किए गए तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग नीति लागू कर राजस्थान को तकनीकी नवाचार के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण को राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानते हुए सरकार ने वित्तीय, संरचनात्मक और तकनीकी सहयोग को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 71 लाख 79 हजार किसानों को लगभग 718 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। समर्थन मूल्य पर 21 लाख 37 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीद कर किसानों को 320 करोड़ रुपये का बोनस दिया गया। इसके साथ ही, अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण के रूप में 78 लाख से अधिक लाभार्थियों को 44 हजार 355 करोड़ रुपये वितरित किए गए, जिससे किसानों की तात्कालिक जरूरतों की पूर्ति के साथ उनकी आय में स्थायित्व आया है।

महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी राज्य सरकार की पहलें प्रभावी सिद्ध हो रही हैं। 15 लाख 95 हजार महिलाओं को 'लखपति दीदी' श्रेणी में लाकर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया गया है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 91 लाख 73 हजार लाभार्थियों को 12 हजार 700 करोड़ रुपये का भुगतान सुनिश्चित किया गया। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 103 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना राज्य की पहचान बनकर उभरी है। इसके अंतर्गत 1 करोड़ 36 लाख परिवारों को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विगत दो वर्षों में लगभग 37 लाख रोगियों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक का निःशुल्क उपचार प्रदान किया गया। राजस्थान ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई है। फरवरी 2025 में 19 हजार 165 मेगावाट की अधिकतम बिजली मांग बिना कटौती के पूरी की गई, वहीं किसानों को 46 हजार 500 करोड़ रुपये की बिजली सब्सिडी प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाया गया है।

समग्र रूप से अभिभाषण इस तथ्य को रेखांकित करता है कि राजस्थान सरकार ने विकास को ठोस क्रियान्वयन, मापनीय परिणामों और जन विश्वास से जोड़ा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश विकसित भारत–विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर तेज़ी से अग्रसर है। सुशासन, समावेशी विकास और दीर्घकालिक ओदृष्टि के साथ राजस्थान आज एक सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की ठोस आधारशिला रख चुका है।

–डॉ. अरुण चतुर्वेदी,
अध्यक्ष, राजस्थान वित्त आयोग

ऐसे तो "विकसित भारत" नहीं बनेगा

विकसित भारत यदि केवल बातों और नारों से हो जाता तो शायद भारत कभी का विकसित हो चुका होता

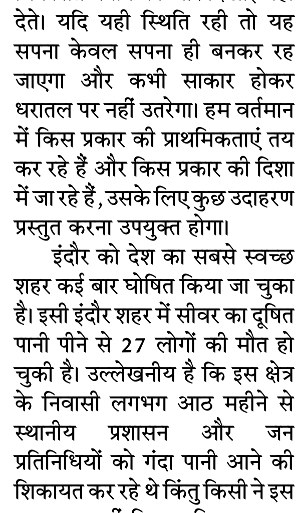

राजेन्द्र भाणावत

जब से प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और 'विकसित भारत' बनाने की बात कही है, सत्ता धारी दल के सभी नेताओं के भाषणों एवं सरकार की सभी योजनाओं में 'विकसित भारत' शब्द सम्मिलित हो गया है। इसका सबसे ताजा उदाहरण तो हाल ही में घोषित "विकसित भारत–जी राम जी" योजना है, जिसे नरेगा के स्थान पर लाया गया है।

विकसित भारत यदि केवल बातों और नारों से हो जाता तो शायद भारत कभी का विकसित हो चुका होता। इसी प्रकार का एक नारा 'गरीबी हटाओ' तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा दिया गया था, किंतु गरीबी आज भी ज्यों की त्यों है तथा गरीब और अमीर के बीच खाई तो पहले से भी कहीं अधिक चौड़ी हो गई है।

सरकार के प्रयास भी भारत को विकसित बनाने की ओर दिखाई नहीं देते। यदि यही स्थिति रही तो यह सपना केवल सपना ही बनकर रह जाएगा और कभी साकार होकर धरातल पर नहीं उतरेगा। हम वर्तमान में किस प्रकार की प्राथमिकताएं तय कर रहे हैं और किस प्रकार की दिशा में जा रहे हैं, उसके लिए कुछ उदाहरण प्रस्तुत करना उपयुक्त होगा।

इंदौर को देश का सबसे स्वच्छ शहर कई बार घोषित किया जा चुका है। इसी इंदौर शहर में सीवर का दूषित पानी पीने से 27 लोगों की मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र के निवासी लगभग आठ महीने से स्थानीय प्रशासन और जन प्रतिनिधियों को गंदा पानी आने की शिकायत कर रहे थे किंतु किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। परिणामस्वरूप इसी मलमूत्र युक्त पानी को नागरिक पीते रहे और सैंकड़ों की संख्या में लोग बीमार हो कर अस्पतालों के आई सी यू में पहुंच गए। जब मामला मीडिया में बहुत चर्चित हुआ तब जाकर प्रशासन की आंख खुली और इस दिशा में कुछ कार्रवाई की गई। जो शहर लगातार देश में सबसे स्वच्छ शहर का इनाम प्राप्त कर रहा हो, वहां के मासूम नागरिकों को यदि गंदा पानी पीने के कारण काल कवलित होना पड़े तो यह विकसित भारत की दिशा में बढ़ता कदम तो कतई नहीं कहा जा सकता।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में हाल ही में एक कार ऐसे खड्डे में गिर गई जहां 35 फीट पानी भरा हुआ था। यह खड्डा किसी भवन के बेसमेंट के निर्माण के लिए बनाया गया था और लगभग दो वर्षों से इस स्थिति में था। कोहरे के कारण दिखाई कम दे रहा था और कार चालक इस पानी में चला गया। यह 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता था जिसने हिम्मत रखकर डूबने से पहले कार के ऊपर खड़े होकर दो घंटे तक मोबाइल की रोशनी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। उसने अपने पिता को अपनी लोकेशन भेज दी जिन्होंने फोन नंबर 112 पर सूचित भी कर दिया। जिला प्रशासन, पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ के सैंकड़ों लोगों के आने के बावजूद किसी ने उसे बचाने का प्रयास तक नहीं किया और मूक दर्शक बने रहे।

इसका कोई उत्तर प्रशासन के पास नहीं है कि केवल 15–20 किलोमीटर दूर हिंडन एयर बेस पर उपलब्ध हेलीकॉप्टर की मदद से उस युवक को बचाने की कोशिश क्यों नहीं की गई? जब किसी डूबते हुए युवक को आधुनिकतम तकनीक के सहारे सुशासन देने का दावा करने वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2 घंटे तक नहीं बचाया जा सकता, तो विकसित भारत की बात करना बेमानी होगा। यही वह राज्य है जहां नोएडा के पास जेवर में विश्व स्तरीय हवाई अड्डा बनने की बात हो रही है। सरकार ने शायद यह समझ लिया है कि विश्वस्तरीय एयरपोर्ट बनाने, बुलेट ट्रेन चलाने से,आधुनिकतम भवन बनाने से, महंगी गाड़ियों में चलने से या बड़े–बड़े स्टेडियम बना देने से भारत विकसित हो जाएगा। सरकार को यह समझना होगा कि भारत विकसित तब होगा जब लोगों को शुद्ध वायु और पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा और योग्यता अनुसार रोजगार उपलब्ध हो।

जहां तक वायु प्रदूषण का सवाल है, स्थिति इतनी खराब है कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी नेसल स्ट्रिप लगाकर बाहर निकल रहे हैं, ताकि कहीं बीमार ना पड़ जाएं। जिस देश की राजधानी का ए क्यू आई 800 तक हो जाए, वह देश कैसे विकसित कहला सकता है। निवेश लाने के लिए सरकार बड़े–बड़े दावे कर रही है और निवेशकों को लुभाने के लिए करोड़ों, अरबों रुपए खर्च भी करती है, किंतु यह भूल जाती है की मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कोई भी विदेशी निवेशक यहां आकर निवेश करना उचित नहीं समझेगा। बाहर के लोग जब यहां आकर सांस तक न ले पाएं, पीने का साफ पानी तक ठीक से न मिल पाए, तो वहां आएंगे ही क्यों?

भारतीय मूल की गीता गोपीनाथ, जो इंटरनेशनल अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की उप प्रबंध निदेशक रह चुकी हैं और वर्तमान में हार्वर्ड में प्रोफेसर हैं, ने दावोस में आयोजित होने वाले वर्ल्ड इकनोमिक फोरम में बातचीत करते हुए यह स्पष्ट रूप से कहा कि भारत में निवेश तब ही आएगा जब भारत सरकार प्रदूषण की गंभीर स्थिति के संबंध में प्रभावी कार्रवाई करे।

गीता गोपीनाथ ने इंडिया टुडे ग्रुप की मालकिन कली पूरी से यह बात कही जब उनसे भारत में अच्छे होते ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस के संबंध में पूछा गया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग 18 लाख लोग केवल प्रदूषण के कारण मरते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है। उनके अनुसार "इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस" का कोई अर्थ नहीं है यदि देश में शुद्ध वायु तक उपलब्ध नहीं है। आप कितने ही लाल कालीन विदेशियों के लिए भारत आने पर क्यों न बिछा दें, हवा में इतनी गंदगी है कि कोई भी व्यक्ति भारत आने से पहले 10 बार सोचेगा। जो बातें भारतीय मूल की गीता गोपीनाथ ने कही हैं उनको सरकार को बड़ी गंभीरता से लेना चाहिए और उन पर रक्षात्मक रूप अपनाने के बजाय उस दिशा में कार्रवाई करनी चाहिए। समय आ गया है जब नेता गणों को केवल अपने और अपने परिवार की सुख सुविधा पर ध्यान देने की बजाय उन्हें साधारण जनता की सुविधा को बेहतर करने और उनके जीवन को सरल बनाने की दिशा में प्रयास करने होंगे। यदि यहां के जन प्रतिनिधि और अधिकारी गण स्वयं को जनता का मालिक मानते रहे तो कभी भी देश न तो आत्मनिर्भर हो पाएगा और ना ही वह विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर हो पाएगा। अतः यदि भारत सरकार चाहती है कि देश में प्रगति हो, औद्योगीकरण बढे और बाहर से निवेश आए तो उसे पहले वायु और जल प्रदूषण को नियंत्रित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय मूल की एक प्रख्यात प्रोफेसर का दावोस में विदेशी समुदाय के समक्ष इस प्रकार की बात कहना भारत सरकार को आईना दिखाने के समान है।

नगरीय प्रशासन व्यवस्था लगभग ठप्प है। महानगरों में रहने वाली आबादी का लगभग 40 प्रतिशत नारकीय जीवन जी रहा है। दिल्ली में संसद भवन से केवल 40–50 किलोमीटर दूर किराड़ी जैसी अनेक बस्तियां हैं जहां लोगों को प्रतिदिन एक फुट सीवर के पानी के कीचड़ में पांव रखकर अपने घरों में जाना पड़ता है। इस क्षेत्र के वीडियो सोशल मीडिया में प्रतिदिन देखने को मिलते हैं जिन्हें देखकर स्वयं को भारतीय कहने पर शर्म आने लगती है। विकसित होने की बात करने से पहले हमें यहां के नागरिकों को कम से कम मनुष्य के लिए जीने लायक व्यवस्था तो उपलब्ध करानी होगी।

सरकार भले ही सोमनाथ में स्वाभिमान पर्व और अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ मनाने में लोगों को लगा दे, किंतु इससे लोगों का जीवन बेहतर नहीं होता। आप किसी भी शहर में चले जाइए, कूड़े के ढेर, गंदे पानी से अटी सड़कें, जर्जर स्कूल और बिना चिकित्सक के अस्पताल मिल जाएंगे। रोजगार का हाल यह है कि स्नातक और तकनीकी शिक्षा प्राप्त लोग भी डिलीवरी बॉयज़ की तरह काम करने के लिए मजबूर हैं।

विकसित भारत का नमूना हाल ही में हमें देखने को मिला जब प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात के प्रमुख शहर सूरत में 21 करोड़ की लागत से बनी नई पानी की टंकी, जिसकी क्षमता 11 लाख लीटर की थी, 9 लाख लीटर के पानी का वजन भी नहीं सह सकी और पहली बार में ही ढह कर जमीन पर गिर गई। क्या इस पर व्यय हुए 21 करोड़ किसी अधिकारी से वसूल होंगे ?

विकसित भारत तभी बनेगा जब लोगों को धर्म, जाति के प्रपंचों में उलझाए रखने और उन्हें तथाकथित इतिहास की गौरव गाथा का गुणगान करने में व्यस्त रखने के बजाय उनकी वर्तमान ज्वलंत समस्याओं की ओर ध्यान दिया जाए। शिक्षित और वैज्ञानिक सोच वाले समाज के अभाव में विकसित भारत की कल्पना करना संभव नहीं है। सरकार ने विकास का अर्थ उत्कृष्टता के टापू बनाना ही मान लिया है । यह विकसित भारत की दिशा में बढ़ता हुआ कदम नहीं कहा जा सकता।

जहां शहरों के फुटपाथ अनुपयोगी वाहनों से भरे पड़े हों, सड़कों पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करना जैसे लोगों का जन्म सिद्ध अधिकार हो, वह भारत विकसित कैसे बनेगा? जहां अंधविश्वास, लोगों को कदम कदम पर परोसा जाता हो, बाबाओं को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा दी जाती हो और आम जनता को वाहनों के नीचे कुचले जाने के लिए छोड़ दिया जाता हो, उसे हम विकसित भारत कैसे कहेंगे?

अशिक्षित, बीमार, बेरोजगार और असुरक्षित नागरिकों के भारत को कभी भी विकसित भारत नहीं कहा जाएगा, न ही उस भारत को विकसित कहा जाएगा, जहां शुद्ध पेयजल उपलब्ध न हो, शहरों में गंदगी के ढेर लगे हों और जहां कानून का राज नहीं हो। विकसित भारत बनाने के लिए सरकार को अपनी प्राथमिकताओं का उपरोक्तानुसार पुनर्निर्धारण करना होगा ताकि सही दिशा में तेजी से अग्रसर हो सके।

-राजेन्द्र भाणावत, (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 30 जनवरी, 2026

माघ मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 3:27 तक, वैधृति योग सायं 4:58 तक, बालव करण दिन 11:10 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–मकर, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–मकर, बुध–मकर, गुरू–मिथुन, शुक्र–मकर, शनि–कुम्भ, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:27 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 3:27 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, वैधृति पुण्यं, कल्पादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:38 तक, लाभ–अमृत 8:38 से 11:19 तक, शुभ 12:40 से 2:01 तक, चर 4:42 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:18, सूर्यास्त 6:03

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। प्रतिष्ठित व्यक्ति से संपर्क बन सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव–प्रभुत्व बढ़ेगा। उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग–समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। घर–परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

बीफ निर्यातक कंपनियों से चंदा लेने के कांग्रेस विधायक के आरोप पर सदन में हंगामा मचा

सत्ता पक्ष ने विधायक हरिमोहन शर्मा के आरोपों पर गहरी आपत्ति जताते हुए कहा कि, ''या तो प्रमाण पेश करें, अन्यथा माफी मांगे, नहीं तो सदन में बोलने नहीं देंगे''

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र के दूसरे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा के विवादास्पद बयान पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। बूंदी से कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि भाजपा गौभक्त बनती है, लेकिन बीफ निर्यात करने वाली कंपनियों से चंदा लेकर चुनाव लड़ती है। उनके इस बयान पर सत्तापक्ष ने तत्काल गहरी नाराजगी और आपत्ति जताई। भाजपा विधायकों ने कहा कि यदि उनके पास इसका कोई प्रमाण है तो वे सदन में पेश करे, इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित कई भाजपा विधायक खड़े हो गए और कहा कि जब तक प्रमाण नहीं दिया जाता, तब तक उन्हें बोलने नहीं दिया जाएगा और उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

इस पर हरिमोहन शर्मा ने कहा कि गौकशी करने वाली कंपनियों से चंदा लेना एक रिकॉर्डेड फैक्ट है। भाजपा सदस्यों के लगातार हंगामे के बाद सभापति संदीप शर्मा ने कांग्रेस विधायक के इस वक्तव्य को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया। हंगामे के बीच हरिमोहन शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 1671 पंजीकृत गौशालाएं हैं, जिनमें 7 लाख 63 हजार गोवंश हैं और गौशालाओं का सरकार पर करोड़ों रुपए बकाया है। गौवंश भूखे मर रहे हैं और सड़कों पर आ रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें पैसा नहीं दे रही।

- हालांकि सभापति संदीप शर्मा ने इस आरोप को सदन की कार्यवाही से बाहर निकालकर मामले को शांत कराया

यूडीएच मंत्री से भी हुई तीखी नोंकझोंक

इससे पहले कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के बीच भी तीखी नोंकझोंक हुई। दरअसल हरिमोहन शर्मा ने कहा कि, भाजपा दावा कर रही है कि उसने अपने घोषणापत्र के 70 फीसदी वादे पूरे कर दिए हैं और बाकी 30 फीसदी अगले साल पूरे हो जाएंगे, लेकिन जनता ने भाजपा को अंता उपचुनाव में आईना दिखाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हार के डर से निकाय व पंचायत चुनाव नहीं करा रही है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। विधायक शर्मा ने नगर पालिका सभापति को 8 बार हटाए जाने का मामला उठाया, जिस पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने जवाबी हमला बोलते हुए कहा कि, क्या कांग्रेस चाहती है कि भ्रष्ट सभापति पर कार्रवाई न हो? जब तक ओबीसी आयोग की रिपोर्ट नहीं आती, तब तक चुनाव नहीं हो सकते।

इससे पहले हरिमोहन शर्मा ने मनरेगा का मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि राज्यपाल से सरकार ने असत्य बुलवाया। महात्मा गांधी विश्वभर में पूजे जाते हैं, लेकिन वैचारिक दृष्टि से भाजपा का शीर्ष नेतृत्व नाथूराम गोडसे की विचारधारा से प्रभावित है, इसलिए महात्मा गांधी का नाम हटाकर राम का नाम लिया गया। इस पर भाजपा सदस्यों ने कहा कि महात्मा गांधी का जितना सम्मान भाजपा ने किया, उतना कांग्रेस ने नहीं किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने किया अच्छे वक्ताओं का सम्मान

विधानसभा में भाजपा विधायकों की हौसला-अफजाई की, लड्डू खिलाए

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को दिनभर चली कार्यवाही के बाद देर शाम एक अलग ही दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं विधानसभा परिसर पहुंचे और सक्रिय व प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने वाले भाजपा विधायकों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने अच्छा बोलने वाले विधायकों को लड्डू खिलाकर न सिर्फ उनका सम्मान किया, बल्कि सकारात्मक संसदीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, पंचायतीराज राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई सहित कई मंत्री और विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री से मिलने वालों में विधायक चंद्रभान सिंह, बाबूसिंह राठौड़, छगन सिंह राजपुरोहित, गुरवीर सिंह बराड़, सुभाष मील, कुलदीप धनकड़, अतुल भंसाली, उदयलाल भडाणा सहित अन्य भाजपा विधायक शामिल रहे। सभी ने विधानसभा की कार्यवाही, जनहित के मुद्दों और सरकार की नीतियों को प्रभावी रूप से सदन में रखने पर चर्चा की।

दिलचस्प बात यह रही कि इस दौरान कांग्रेस के विधायक ललित यादव, जाकिर हुसैन और डूंगरराम गेदर ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इसे सदन के भीतर सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक राजनीतिक माहौल के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधायकों से संवाद करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सदन में सार्थक, तथ्यपरक और जनहित से जुड़ी चर्चा बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो विधायक जनता की आवाज को मजबूती से सदन में रखते हैं, उनका प्रोत्साहन किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री की इस पहल को भाजपा विधायकों के मनोबल को बढ़ाने और विधानसभा की कार्यवाही को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

अशोक गहलोत पर 25 करोड़ के घोटाले का आरोप

जयपुर (विसं)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान भाजपा विधायक अतुल भंसाली ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर 25 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में खूब भ्रष्टाचार हुआ, इनके मंत्री तक जेल गए।

भंसाली ने कहा कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के घोटाले अब खुल रहे हैं, इनके मंत्री तक जेल गए। मेरे खुद के जोधपुर शहर में आरयूआईडीपी के काम में 25 करोड़ रुपए का घोटाला पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने विधानसभा क्षेत्र में कर लिया। इससे बड़ी शर्मनाक बात नहीं हो सकती।

उन्होंने कहा कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में जमकर भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक हुए। जबकि हमारी भाजपा सरकार ने बीते 2 सालों में पेपरलीक करने वाले और नकल करके नौकरियां पाने वालों को जेल भेजा। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का वादा किया था, जिसे पूरा किया।

इससे पहले कांग्रेस विधायक एवं उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने भाजपा पर एस.आई.आर. (विशेष पुनर्रीक्षण अभियान) की आड़ में फर्जीवाडा करने का आरोप लगाया। रामकेश मीणा ने कहा कि एस.आई.आर. में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फर्जीवाड़ा किया है। एक-एक कार्यकर्ता ने फर्जी हस्ताक्षर करके 500-500 फॉर्म जमा करवा दिए हैं। जिसने भी फर्जी हस्ताक्षर किए हैं, उसमें एक फॉर्म पर एक साल की सजा है। आप लोगों को 500 साल की जेल होगी। 500 साल तक जेल में रहना चाहते हो क्या। इसकी जांच होगी और हम जांच करवाएंगे।

राहुल गांधी को ''पप्पू'' कहने पर कांग्रेस का हंगामा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान ब्यावर से भाजपा विधायक शंकर सिंह रावत ने राहुल गांधी के लिए पप्पू शब्द का इस्तेमाल किया। इस पर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा और नारेबाजी की।शंकर सिंह रावत ने कहा कि, राहुल गांधी विदेश में जाकर देश की बुराई करते हैं। कांग्रेस नेता ध्यान दें वो अब पप्पू नहीं रहे। आपको उसकी सगाई करनी चाहिए,उसके हाथ पीले करने हैं। हमारा समय खराब नहीं करें। इस पर सभापति ने रावत को उचित शब्दों का प्रयोग करने की सलाह दी।मंत्री अविनाश गहलोत ने भी विधायक रावत का पक्ष लेते हुए कहा कि हमारे शंकर सिंह गलत कहां बोल रहे हैं, आप गूगल सर्च करोगे तो वही बात आएगी जो शंकर सिंह बता रहे हैं। इसके थोड़ी देर बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

घोघरा ने कमीशनखोरी का आरोप लगाया तो जनजाति मंत्री ने जताई कड़ी नाराजगी

जयपुर (विसं)। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा के आरोपों पर हंगामा हो गया।

गणेश घोघरा ने जनजाति विकास मंत्री पर कमीशनखोरी के आरोप लगाए। इस पर सभी मंत्रियों ने कड़ी आपत्ति की और बिना सबूत आरोपों को सदन की कार्यवाही से निकलने की मांग की। इसके बाद सभापति ने आरोपों को कार्यवाही से हटाने का आश्वासन दिया। जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने गणेश घोघरा पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि, ''एक पैसे का आरोप साबित कर दे तो राजनीति छोड़ दूंगा।''

- मंत्री खराड़ी ने कहा ''एक पैसे का आरोप साबित कर दें तो राजनीति छोड़ दूंगा''

इससे पूर्व गोघरा ने आरोप लगाते हुए कहा था कि, ''मां-बाड़ी केंद्र शुरू करने के लिए मंत्री के पास कितना कमीशन आया? मैं जनजाति मंत्री से पूछना चाहता हूं, आपके पास कितना कमीशन आया? यह जनजाति का पैसा है, लेकिन समन्वयक गैर जनजाति के लोग लगाए, कौन से कानून के अंतर्गत लगाए?

घोघरा ने कहा कि सरकार झूठे दावे कर रही है। पेंशन नहीं मिल रही। पीएम आवास देने के दावे कर रहे हैं, लेकिन पीएम आवास की किश्त समय पर नहीं मिल रही है। लोगों के मकान अधूरे पड़े हैं। साल भर से पैसा नहीं मिल रहा।

मेट और कारीगर का भुगतान नहीं हुआ है। डबल इंजन की सरकार कच्चे काम भी नहीं निकल रही है।

धर्मस्थलों पर लाउडस्पीकर का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा ''ध्वनि प्रदूषण से लोग परेशान, विद्यार्थियों की पढ़ाई हो रही बाधित''

विधायक बालमुकंदाचार्य

जयपुर (विसं)। हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने गुरूवार को विधानसभा में धर्मस्थलों पर लाउड स्पीकर का मुद्दा उठाया। शून्यकाल में बोलते हुए विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि कई धर्म स्थलों, विशेषकर मीनारों की ऊंचाई पर लगे लाउड स्पीकरों से अत्यधिक तेज आवाज में प्रसारण किया जाता है। सुबह करीब 4 बजे से ही लाउड स्पीकर बजने लगते हैं, जिससे आमजन की नींद में खलल पड़ता है। यह न केवल लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है, बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का भी हनन है।

उन्होंने कहा कि कि स्थानीय लोगों द्वारा मस्जिदों में लाउड स्पीकर की आवाज कम करने का आग्रह करने पर कई बार विवाद की स्थिति बन जाती है और धर्म विशेष के कुछ लोग झगड़े पर उतर आते हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा हो जाता है।

रमजान के दौरान अतिरिक्त लाउड स्पीकर लगाए जाते हैं और आवाज और अधिक तेज कर दी जाती है, जिससे बीमार लोगों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों में शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। तेज आवाज के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है, जो बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। उन्होंने सरकार से मांग की कि लाउड स्पीकरों के उपयोग को लेकर स्पष्ट नियम बनाए जाएं और उनकी आवाज की तीव्रता तय की जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके और साथ ही सांप्रदायिक सौहार्द भी बना रहे।

विधानसभा में गूंजा जयपुर में लेपर्ड के बढ़ते मूवमेंट का मुद्दा

जयपुर (विसं)। राजधानी जयपुर के आबादी इलाकों में लेपर्ड के मूवमेंट का मामला गुरूवार को विधानसभा में गूंजा। मालवीय नगर से भाजपा विधायक कालीचरण सराफ के सवाल के जवाब में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि आबादी इलाकों में लेपर्ड सहित वन्यजीवों के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए एक हैल्पलाइन बनेगी। एक महीने में यह 1926 हेल्पलाइन शुरू हो जाएगी। इस हेल्पलाइन पर आबादी इलाकों में लेपर्ड सहित वन्यजीवों के मूवमेंट की जानकारी दी जा सकेगी।

कालीचरण सराफ ने पूरक सवाल पूछते हुए महाराष्ट्र की तर्ज पर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू करने का सुझाव दिया, जिस पर वन मंत्री ने पूरा करने का आश्वासन दिया। वन मंत्री से अपने सवालों के बीच एक और पूरक प्रश्न में विधायक कालीचरण सराफ ने पूछा कि क्या सरकारी यह मानती है कि जयपुर के झालाना, आमागढ़ और बीड पीपाड़ इलाकों में बढ़ रही लेपर्ड की संख्या के बीच वनों का क्षेत्र काम हो रहा है।

- राज्य सरकार अगले एक माह में हैल्पलाइन नंबर 1926 शुरू करेगी

महाराष्ट्र की तर्ज पर सिक्योरिटी प्रोटोकॉल लागू करने का सुझाव देते हुए कहा कि, इस व्यवस्था के तहत सूचना मिलने के तत्काल बाद 5 किलोमीटर का क्षेत्र सील कर दिया जाता है, ताकि लोगों के साथ-साथ वन्य जीव को भी सुरक्षा दी जा सके। जिस पर वन मंत्री ने भरोसा दिलाया कि अन्य राज्यों में इस तरह की हालत सामने आने पर की जाने वाली व्यवस्था का राज्य सरकार परीक्षण करवाएगी और इसी वित्तीय वर्ष में प्रयास होगा कि इसे राजस्थान में भी लागू किया जा सके।

मासूम से दुष्कर्म के मुद्दे पर गर्माया सदन

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शून्यकाल समाप्त होने से ठीक पहले सीकर से विधायक राजेंद्र पारीक द्वारा जिले में 8 वर्षीय मासूम के साथ हुए दुष्कर्म के मामले को उठाए जाने पर सदन का माहौल गरमा गया। मुद्दा उठते ही विपक्ष के विधायकों ने सरकार के खिलाफ विरोध जताते हुए पोस्टर दिखाने शुरू कर दिए, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बन गई।

विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि प्रदेश में आए दिन मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं।

सरकार ने इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कई व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन अब उन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता का परीक्षण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक व्यवस्था की जमीनी हकीकत नहीं परखी जाएगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल होगा।

कांग्रेस के 5 साल से ज्यादा सड़कें हमने 2 साल में बनाईं : दिया कुमारी

विधानसभा में उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस विधायकों को उनके सवालों पर घेरा

जयपुर (विसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गुरूवार को विधानसभा में कहा कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने पिछले 5 सालों में जितनी दूरी में सड़कें बनाई, हमने उससे ज्यादा तो बीते 2 सालों में बना दी है। इस दौरान हंगामे की कोशिश करने वाले कांग्रेस विधायकों को भी उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जमकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि, सवाल का जवाब देने से पहले ही अग्रेसिव क्यों हो रहे हो? सवाल पूछा है तो उसका जवाब सुनो।

कांग्रेस विधायक चेतन पटेल के सवाल के जवाब में डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा कि ''पिछली सरकार में 5 साल में 13 हजार किलोमीटर नई सड़कें बनाई गईं। जबकि हमने दो साल में ही 16 हजार 864 किलोमीटर की नई सड़कें बना दीं।

- 'कांग्रेस ने 13 हजार किमी.बनाई थी, हमने 16864 किमी सड़के मात्र 2 साल में बना दी'

दीया कुमारी ने कांग्रेस विधायकों पर पलटवार करते हुए कहा कि पांच साल आपके, दो साल हमारे काम की तुलना सुन लीजिए। पिछली सरकार में 1104 गांव सड़कों से जुड़े। हमने दो साल में 1700 गांव सड़कों से जोड़ दिए हैं। सड़कों के नवीनीकरण पर कांग्रेस के 5 साल में 12300 करोड़ खर्च किए जबकि हम दो साल में नवीनीकरण पर 8450 करोड़ खर्च कर चुके हैं।

दीया कुमारी ने कहा कि आपकी सरकार में 2022-23 में सड़कों के चयन में हमारे विधायकों की सिफारिश पर कोई स्वीकृति जारी नहीं की। परंतु हमारी सरकार ने बिना भेदभाव सभी विधायकों से उनके क्षेत्रों से अनुशंसा लेने के प्रयास किए। जिन विधायकों की सिफारिश मिली, उनकी मंजूरियां जारी हो चुकी हैं।

इससे पहले कांग्रेस विधायक चेतन पटेल ने प्रश्न करते हुए कहा कि, उनके क्षेत्र में मंजूर सड़कों में सीएम की बजट घोषणा की पालना नहीं हो रही।

डीआरआई ने 17.6 किलो हाइड्रोपोनिक वीड पकड़ा

जयपुर (कासं)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने 17.6 किलो हाइड्रोपोनिक वीड (गाँजा) के साथ जयपुर एयरपोर्ट पर एक यात्री को गिरफ्तार किया। डीआरआई अधिकारियों ने यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की। बताया जा रहा है कि 29 जनवरी को आबू धाबी से जयपुर पहुंची फ्लाइट में एक यात्री के पास यह हाइड्रोपोनिक वीड (गाँजा) मिला। हैदराबाद निवासी यह यात्री बैंकॉक से आबू धाबी होते हुए जयपुर आया था। अधिकारियों को यात्री के ट्रॉली बैग से 17.6 किलो हाइड्रोपोनिक वीड मिला, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 6.5 करोड़ रुपये है। यह जयपुर एयरपोर्ट पर डीआरआई की सबसे बड़ी कार्यवाही है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) जयपुर ने नशे की तस्करी सिंडिकेट से जुड़े हैदराबाद निवासी एक युवक को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

- जयपुर एयरपोर्ट पर आबू धाबी से आया यात्री गिरफ्तार
- आरोपी के कब्जे से जब्त गांजे की कीमत 6.5 करोड़ रु. है

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अग्रणी बन रहा राजस्थान : लालाराम बैरवा

भीलवाड़ा/शाहपुरा (कासं)। सोलहवीं विधानसभा के पंचम सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को शाहपुरा (भीलवाड़ा) से विधायक लालाराम बैरवा ने प्रश्नकाल के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं और प्रदेश को अग्रणी राजस्थान बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

विधायक बैरवा ने कहा कि पिछले दो वर्षों में एक भी पेपर लीक नहीं होने से युवाओं का भरोसा व्यवस्था पर बढ़ा है। राज्य सरकार ने महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया है। किसानों को उनकी फसल का पूरा भुगतान समय पर मिल रहा है तथा प्राकृतिक आपदा या खराबे की स्थिति में पूर्ण मुआवजा दिया जा रहा है।

आदिवासी क्षेत्र में ''ग्लोबल गुरूकुलम'' के लिए भूमि पूजन

जयपुर (कासं)। भारतीय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष एवं रिटायर्ड आईएएस एन. पी. सिंह तथा अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष जी. आर. राणा की उपस्थिति में बालोद जिले के गुरूर विकासखंड अंतर्गत सुदूर आदिवासी ग्राम भेजा जंगली में तथागत ''ग्लोबल गुरुकुलम'' का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। यह आयोजन जनजातीय विकास के उद्देश्य से जकवार फाउंडेशन और तथागत ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों आदिवासी ग्रामीण शामिल हुए।

भूमि पूजन से पूर्व राजा राव बाबा और कंकालीन माता की पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात शहीद वीर नारायण सिंह के तैलीय चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एन. पी. सिंह ने कहा कि इस गुरुकुलम की स्थापना का उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े आदिवासी और ग्रामीण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़कर उनका भविष्य सुरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि जब तक सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शहरों जैसी शिक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा ही रहेगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि भेजा जंगली में स्थापित होने वाला यह विद्यालय शिक्षा के स्तर पर दिल्ली और अन्य बड़े शहरों के प्रतिष्ठित स्कूलों के समान होगा। यहां बच्चों को केवल अकादमिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और संस्कारों की भी शिक्षा दी जाएगी।

रिटायर्ड आईएएस एन. पी. सिंह तथा अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष जी. आर. राणा ने ''ग्लोबल गुरुकुलम'' का भूमि पूजन किया।

इस विद्यालय का निर्माण कार्य फरवरी माह से प्रारंभ किया जाएगा। इस गुरुकुलम से भेजा जंगली सहित आसपास के 10 से 12 गांवों के आदिवासी और ग्रामीण बालक-बालिकाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। भूमि पूजन की इस ऐतिहासिक पहल से पूरे वनांचल क्षेत्र में खुशी की लहर देखने को मिली।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच शीला यादव, पंच नागेश्वर सलाम, दिनेश यादव, बलराम गोटी स हित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुनील शर्मा बने कांग्रेस के जयपुर शहर जिलाध्यक्ष

जयपुर । कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के 4 जिलाध्यक्ष गुरूवार देर रात घोषित कर दिए। इनमें सुनील शर्मा को जयपुर शहर जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इसी प्रकार प्रतापगढ़ से दिग्विजय सिंह, झालावाड़ से वीरेन्द्र सिंह गुर्जर और बारां से हंसराज मीणा को पार्टी जिला अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है।

इस संबंध में के.सी. वेणुगोपाल ने नियुक्ति आदेश जारी किए। बीते लंबे समय से कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां लंबित चल रही थी, परंतु पिछले दिनों कांग्रेस ने इन चार जिलों को छोड़कर अन्य जगहों की नियुक्तियां कर दी थीं।

जोधपुर ने रचा पर्यटन क्षेत्र में नया इतिहास

वर्ष 2025 में आए 38 लाख से अधिक पर्यटक

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर में वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 38 लाख से अधिक पर्यटकों के आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व उपलब्धि जोधपुर की वैश्विक स्तर पर एक 'कम्प्लीट टूरिस्ट डेस्टिनेशन' के रूप में नई पहचान का सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कीर्तिमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार के ''विकास भी-विरासत भी'' के संकल्प का सुपरिणाम है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से पर्यटन अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छता, सुरक्षा तथा पर्यटक-सुविधाओं के विस्तार से जोधपुर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित हुआ है। शर्मा ने कहा कि जोधपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरें, लोककला और पारंपरिक हस्तशिल्पदेश-विदेश के पर्यटकों को निरंतर आकर्षित कर रही हैं,जिसके परिणामस्वरूप पर्यटन क्षेत्र में सतत वृद्धि दर्ज की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर गत वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन जोधपुर में किया गया, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर शहर की पहचान और अधिक सुदृढ़ हुई तथा पर्यटन को नई दिशा मिली।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रसन्नता जताते हुए कहा ''जोधपुर बना कम्प्लीट टूरिस्ट डेस्टिनेशन''

साहित्याकार व कवियित्री को तथागत सम्मान

नई दिल्ली (कासं)। नई दिल्ली के साहित्य आकादमी सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह में केरल के वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार ए. अरविंदाक्षन और अरुणाचल प्रदेश की युवा कवयित्री जमुना बीनी को 'तथागत साहित्य सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाकवि निराला की सरस्वती वंदना पर आधारित कथक प्रस्तुति से हुआ। तथागत ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. एन. पी. सिंह (पूर्व आईएएस) ने ट्रस्ट की परिकल्पना, सामाजिक-शैक्षिणक कार्यों और उत्तर-दक्षिण भारत के बीच भाषा-संस्कृति संवाद के लक्ष्य को रेखांकित किया। यह सम्मान प्रख्यात साहित्यकार रामदरश मिश्र की स्मृति में प्रदान किया गया। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकारों अनामिका, ओम निश्चल, अशोक वाजपेयी, चंद्रकांता सहित अनेक विद्वानों ने दोनों रचनाकारों के साहित्यिक योगदान पर विचार साझा किए। ए. अरविंदाक्षन की कृति 'धड़कनों के भीतर जाकर' और जमुना बीनी के संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' के माध्यम से भाषाई संवेदनाओं, आदिवासी चेतना और मानवीय मूल्यों की सशक्त अभिव्यक्ति सामने आई। यह आयोजन न केवल हिन्दी साहित्य, बल्कि समूचे भारतीय साहित्य में संवाद, संवेदना और मानवीयता को सुदृढ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार ए. अरविंदाक्षन और अरुणाचल की युवा कवयित्री जमुना बीनी को 'तथागत साहित्य सम्मान' से नवाजा गया।

कथा वाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के मामले में कम्पाउण्डर हिरासत में

पुलिस ने इंजेक्शन के खोल सहित संबंधित मेडिकल सामग्री को कब्जे में लिया

- जोधपुर में बुधवार रात कथा वाचक साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी, तीन डॉक्टरों की मेडिकल टीम ने शव का पोस्टमार्टम किया
- पिता ने बताया कि साध्वी के कहने पर ही किसी साथी गुरु महाराज द्वारा उनके मोबाइल से मैसेज डाला गया, बताया गया है कि साध्वी ने अंतिम समय में न्याय दिलाने की बात कही थी

जोधपुर, (कासं)। शहर में बुधवार की रात कथा वाचक साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। साध्वी प्रेम बाईसा की मौत की खबर से शहर में सनसनी फ़ैल गई। गुरुवार को तीन डॉक्टरों की मेडिकल टीम द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मृत्यु के कारण पता लग पाएगा। पोस्टमॉर्टम के दौरान अस्पताल में तनाव के हालत बन गए। इस दौरान मोर्चरी में कई साधु-संत मौजूद थे। पुलिस का पहरा भी मोर्चरी के बाहर देखा गया। वहीं समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद शव को रवाना किया गया। इससे पहले बुधवार रात को उनकी मौत की जानकारी सामने आने के बाद से सैकड़ों की संख्या में भक्त अस्पताल पहुंच गए थे। कई भक्तों ने उनके पिता और आश्रम पर भी साध्वी की मौत को लेकर सवाल उठाए। वहीं, उनके पिता ने मौत का कारण गलत इंजेक्शन को बताया है।

मामले में पुलिस प्रशासन ने जांच तेज कर दी है। पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश के निर्देशन में मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए साध्वी को इंजेक्शन लगाने वाले कंपाउंडर को दस्तयाब कर लिया है। पुलिस द्वारा आवश्यक पूछताछ के साथ-साथ इंजेक्शन के खोल सहित संबंधित मेडिकल सामग्री को कब्जे में लिया गया है। इसके अलावा आश्रम को सील कर दिया गया है और मोबाइल फोन समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में एसीपी छवी शर्मा के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। इस दौरान पुलिस इंस्पेक्टर जुल्फिकार अली और राजीव भादू भी जाब्ते के साथ मौके पर मौजूद रहे। मोर्चरी में मीडिया से बातचीत करते हुए साध्वी के पिता ब्रह्मनाथ ने कई अहम तथ्य सामने रखे। उन्होंने बताया कि खांसी-जुकाम की शिकायत के चलते आश्रम में कंपाउंडर को बुलाया गया था। इंजेक्शन लगाए जाने के महज पांच मिनट बाद ही साध्वी प्रेम बाईसा ने दम तोड़ दिया। पिता ने यह भी स्वीकार किया कि साध्वी के मोबाइल फोन से संदेश भेजा गया था। उन्होंने बताया कि साध्वी के कहने पर ही किसी साथी गुरु महाराज द्वारा उनके मोबाइल से मैसेज डाला गया। बताया गया है कि साध्वी ने अंतिम समय में न्याय दिलाने की बात कही थी। पिता ब्रह्मनाथ ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि कंपाउंडर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच जारी है।

एसीपी (वेस्ट) छवि शर्मा ने बताया कि परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, साध्वी की तबीयत पिछले दो दिनों से नासाज थी। बुधवार को उन्होंने किसी से एक इंजेक्शन लगवाया था। इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद उनकी तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई। परिजन उन्हें लेकर पाल रोड स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल (प्रेक्षा हॉस्पिटल) पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को एमजीएच मोर्चरी में लाया गया।

वहीं 13 जुलाई 2025 को सोशल मीडिया पर साध्वी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में वे एक व्यक्ति के गले मिलते नजर आ रही थी। इसे अश्लील बताकर प्रचारित किया गया था। साध्वी ने 16 जुलाई को बोरानाडा थाने में इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी एफआईआर में बताया था कि वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति उनके पिता वीरमनाथ (गुरुजी) हैं। यह वीडियो 2021 का था, जब वे अवसाद में थी और पिता ने उन्हें ढांढस बंधाया था।

पुलिस जांच और साध्वी की शिकायत के अनुसार, इस साजिश के पीछे उनके ही पूर्व स्टाफ सदस्य थे। इनमें साउंड सिस्टम लगाने का काम करने वाला जोगेंद्र उर्फ जोगाराम (29), पूर्व ड्राइवर रमेश, कृष्णा (जोगेंद्र की पत्नी) और दो अन्य लोग शामिल थे। साध्वी ने आरोप लगाया था कि जोगेंद्र ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे से इसे निकाला था। इसके बाद उसने और उसके साथियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 20 लाख रुपये की मांग की। जब साध्वी ने पैसे देने से इनकार किया, तो उन्होंने 13 जुलाई 2025 को वीडियो को एडिट करके सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। वह वीडियो भी उन दिनों काफी चर्चा में रहा था।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में विषाक्त वस्तु सेवन कर युवक ने आत्महत्या कर ली।

जानकारी के अनुसार गांव गुडा मंदारियों की भागल खमनोर राजसमंद हाल सुखेर निवासी अमरसिंह (34) पुत्र डालूसिंह चदाणा की विषाक्त वस्तु सेवन करने से मौत हो गई। कैलाशपुरी पोटिया मगरी पर अचेत अवस्था में अज्ञात युवक के होने की सूचना मिली। सुखेर थाना एएसआई हिम्मतनाथ ने मौके पर पहुंच मृत हालत में मिले युवक को एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवा आधार कार्ड के आधार पर परिजनों को सूचना दी। गुरूवार को आए परिजनों को मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। अमरसिंह दो वर्ष से अपने गांव नहीं गया था जो इधर-उधर घूमता रहता था।

जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (निसं)। गोवर्धन विलास थाना क्षैत्र में सूने मकान का ताला तोड़ कर चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पीड़ित दिनेश गमेती निवासी धोली मगरी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 27 जनवरी को मैं व मेरा भाई जगदीश गमेती दोनों परिचित के वहां पर जागरण में गए थे। वापस लौटते तो मेरा व भाई के कमरे का ताला टूटा हुआ एवं सामान बिखरा पड़ा था। इस पर पडताल की तो मेरे कमरे से सोने के एक जोड़ी टॉप्स, आधा किलो चांदी के जेवर, दो लाख रूपये नकदी एवं भाई जगदीश के कमरे से 50 हजार नकदी व आधा किलो चांदी के जेवर गायब थे।

कार्यालय जिला रसद अधिकारी, धौलपुर

क्रमांक:- रसद/लेखा/2026/38 दिनांक:- 08.01.2026

Notice Inviting Bid 01/2026-27

e-Bids for selection of Handing and Transportation of Food grains under PDS from FCI Depots to fair price shops in District Dholpur are invited from interested bidders up to date from 13.01.2026 to 02.02.2026 Other particulars of the bid may be visited & viewed on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.rajasthan.gov.in/ www.food.rajasthan.gov.in) of the state, The approximate value of the procurement is 2.80 cr for one year.

UBN NO-FCC2526SLRC00194
NIB NO-FCC2526A0160 DIPR/C/1541/2026
जिला रसद अधिकारी धौलपुर

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ERCC/RCC 01)/2026/ई-14128

ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या (ERCC/RCC 01)/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञप्ति से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारीं लाईसेंसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 88 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।

DIPR/C/1615/2026
(महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग जालोर

क्रमांक: एफ ()/ निविदा/2025-26/4153-4179 दिनांक: 21.01.2026

NOTCE INVITING BID
NIT NO 50-59/2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Jaswantpura, Sanchore, Ahore and Chitalwana, estimated Value INR 283.08 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 30-01-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://Sppp. rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-50/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF GOATRY UNIT AS PER DETAILED SPECIFICATION BLOCK JASWANTPURA	WSC2526A1402	WSC2526GLO B02441
NIT-51/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY AND INSTALLATION OF EQUIPMENTA FOR MINI SPRINKLER SET UNDER PMKSY BLOCK JASWANTPURA	WSC2526A1403	WSC2526GLO B02442
NIT-52/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF BATTERY OPERATED KNAPSACK SPRAYERS (CAPACITY 16 LITRE) BLOCK JASWANTPURA	WSC2526A1404	WSC2526GSO B02443
NIT-53/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF BATTERY OPERATED KNAPSACK SPRAYERS (CAPACITY 16 LITRE) BLOCK SANCHORE	WSC2526A1433	WSC2526GSO B02486
NIT-54/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY AND INSTALLATION OF EQUIPMENTS FOR MINI SPRINKLER SET UNDER PMKSY BLCOK SANCHORE	WSC2526A1434	WSC2526GLO B02487
NIT-55/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF GOATRY UNIT AS PER DETAILED SPECIFICATION BLOCK SANCHORE	WSC2526A1435	WSC2526GLO B02488
NIT-56/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF BATTERY OPERATED KNAPSACK SPRAYERS (CAPACITY 16 LITRE) BLOCK AHORE	WSC2526A1405	WSC2526GLO B02444
NIT-57/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF GOATRY UNIT AS PER DETAILED SPECIFICATION BLOCK AHORE	WSC2526A1406	WSC2526GLO B02445
NIT-58/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY AND INSTALLATION OF EQUIPMENTS FOR MINI SPRINKLER SET UNDER PMKSY BLOCK CHITALWANA	WSC2526A1436	WSC2526GLO B02489
NIT-59/2025-26 PMKSY 2.0	SUPPLY OF GOATRY UNIT AS PER DETAILED SPECIFICATION BLOCK CHITALWANA	WSC2526A1437	WSC2526GLO B02490

Laxman Singh Sandu)
SE & PM WD & SC, JALORE
DIPR/C/1645/2026 DDO CODE NO. 28606

सर्दी से कांपी लेकसिटी, तापमान में गिरावट जारी

उदयपुर, (निसं)। लेकसिटी में तापमान में फिर गिरावट के साथ बढ़ी ठंड से कंपकंपी छूट रही है। गुरूवार को दिनभर चली सर्द हवाओं के थपेड़ों ने लोगों को दिन में भी ऊनी वस्त्रों ने ढके रखा। आगामी दिनों में बारिश की संभावना भी जताई जा रही है।

लेकसिटी में बीते दो दिनों में दिन व रात के तापमान में बात की जाएं तो इसमें करीब 13 डिग्री की गिरावट हुई है जिसमें दिन का तापमान 8 डिग्री तो रात के तापमान में करीब पांच डिग्री की गिरावट हुई है। सर्द हवाओं ने दिन के तापमान को अधिक गिराया है। नश्तर सी चुभती हवाओं के सामने धूप भी राहत नहीं दे पा रही है। मंगलवार को शहर का तापमान 27 डिग्री व 12.9 डिग्री था जो दो दिन में गिरकर 19 डिग्री व 8 डिग्री पर जा पहुंचा। इधर, इस सप्ताह सर्दी से राहत की उम्मीद कम है वहीं बारिश की संभावना भी बन रही है। इस बार की सर्दी कुछ अलग रूप में दिखाई दे रही है। तापमान में आर्द्रता (नमी) अधिक होने से कई बार तापमान अधिक होने पर भी तेज सर्दी का अहसास होते हुए ऐसा लग रहा है जैसे तापमान 3 से 4 डिग्री के करीब पहुंच गया हो।

जोधपुर : कहासुनी में पति ने पत्नी की हत्या की, बेटी पर भी वार किया

- आरोपी घटना के बाद भाग गया था, पुलिस ने डेढ़ घंटे में गिरफ्तार कर लिया

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती विवेक विहार स्थित बालाजी नगर में गुरूवार की तड़के पति ने अपनी पत्नी की लोहे की एंगल से वार कर हत्या कर दी। बीच-बचाव में आई बेटी पर भी वार किए। बेटी भी बुरी तरह घायल हो गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शव का एम्स चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

विवेक विहार थानाधिकारी दिलीप खदाव ने बताया कि घटना गुढ़ा विश्नोइयान के निकटवर्ती मोगा की ढाणी बालाजी नगर की है। यहां गुरुवार अलसुबह करीब तीन बजे बीरबल मोगा ने अपनी पत्नी गुड्डी धत्तरवाल (35) पर जानलेवा हमला किया। घटना के वक्त पति-पत्नी अपने कमरे में थे और तीनों बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। मां की चीख सुनकर सबसे बड़ी बेटी निकिता (15) जागी और दौड़ते हुए माता-पिता के कमरे में पहुंची। वहां पिता बीरबल अपनी पत्नी पर लाठी और लोहे की एंगल से वार कर रहा था। उसकी मां जमीन पर निढाल पड़ी नजर आई। निकिता ने बीच-बचाव की कोशिश की तो आरोपी पिता ने उस पर भी हमला कर दिया। हमले में निकिता का एक हाथ फ्रैक्चर हो गया और सिर व शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटें आईं। घायल होने के बावजूद निकिता हिम्मत दिखाकर वहां से भागी और करीब 150 मीटर दूर रहने वाले अपने चाचा और दादा-दादी के पास पहुंची। उसने उन्हें पूरी बात बताई। जानकारी मिलते ही दोनों चाचा दौड़कर मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि गुड्डी सिर पर चोट लगने से निढाल पड़ी थी और पूरे कमरे में खून फैला हुआ था। वे उसे तुरंत कार से एम्स लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, निकिता के घायल होने का पता चलने पर पड़ोसियों ने उसे एम्स में भर्ती करवाया।

थानाधिकारी खदाव ने बताया कि एफएसएल, एमओबी और डॉग स्क्वायड की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। मौके पर डीसीपी पश्चिम विनीत कुमार बंसल भी पहुंचे। आरोपी बीरबल घटना के बाद भाग गया था, लेकिन पुलिस ने उसे डेढ़ घंटे के भीतर घटनास्थल से 3-4 किलोमीटर दूर ढाणियों से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति खेती बाड़ी का ही काम करता है।

कार्यालय नगर निगम जोधपुर
पोलोटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड,जोधपुर
ceo_nnj@rediffmail.com"tel 02912651464 fax 2651466

Sr.No- 4894 Date- 21.01.2026

Notice Inviting Tender
(UBN No. DLB2526WLOB32176)

Nagar Nigam Jodhpur invites proposals from the interested parties/bidders for development of Electric Vehicle Charging station on DBFOT basis at various sites in accordance with terms and conditions set forth in the Request For Proposal and Draft Concession Agreement (RFP).Detailed information about the works related to RFP, Concession Agreement, e-tender, tender details etc. can be seen on http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs.

Raj.Samwad/C/25/18701 Commissioner

कार्यालय नगर परिषद टोंक

क्रमांक :-न.प.टोंक / निर्माण / 2025-26 / 13458 दिनांक :- 23.01.2026

NOTICE INVITING TENDERS THROUGH NIT No. 81/ 2025-26

Bids are invited from interested bidders from 26.01.2026 (10.00AM) to 16.02.2026 (6.00PM) as per following details. Other particulars of he bid may be visited on procurement portal (www.Sppp.Rajasthan.gov.in) of the state

NIB No. DLB2526B 0752

NIT No.	Name of work	UBN No.
81/2025-26	वार्ड नं. 23 मे एनएच 52 से भरत भवन तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (अनुमानित राशि 33.45 लाख)	DLB2526WSOB31891

Date & time of opening of tender 17.02.26 at 3.00PM

अति0 जिला कलक्टर एवं प्राधिकारी /प्रशासक न0प0टोंक
आयुक्त नगर परिषद, टोंक
राज.संवाद / सी / 25 / 18687

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग, करौली
वीणा मेमोरियल पीजी कॉलेज के पास, धनलक्ष्मी केन्द्र KARAULI,WE@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-2279 दिनांक-15.01.2026

ई-निविदा 01/2025-26

केन्द्र प्रवर्तित सखी वन स्टॉप सेन्टर योजना के लिए जिला मुख्यालय करौली में संचालित सखी केन्द्र के संचालन हेतु मानव संसाधन की सेवाऐं लिए जाने हेतु इच्छुक एवं पंजीकृत सेवाप्रदाताओं/संवेदको से दिनांक 02.02.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अनुमानित लागत 22.80 लाख रूपये है। बोली फार्म दिनांक 15.01.2026 से डाउनलोड किये जा सकते हैं। शर्ते एवं निविदा संबंधित विवरण व दस्तावेज www.sppp.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in तथा www.wcd.rajasthan.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

NIB NO- WMP2526A0207, UBN NO.-WMP2526SLOB00240

(अनिरूद्ध शर्मा) सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग, करौली
DIPR/C/1077/2026

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग, करौली
वीणा मेमोरियल पीजी कॉलेज के पास, धनलक्ष्मी केन्द्र KARAULI,WE@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक-2271 दिनांक-15.01.2026

ई-निविदा 02/2025-26

इस कार्यालय के अधिन संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र करौली के संचालन हेतु मानव संसाधन की सेवाऐं लिए जाने हेतु इच्छुक एवं पंजीकृत सेवाप्रदाताओं/संवेदको से दिनांक 02.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अनुमानित लागत 17.64 लाख रूपये है। बोली फार्म दिनांक 15.01.2026 से डाउनलोड किये जा सकते हैं। शर्ते एवं निविदा संबंधित विवरण व दस्तावेज www.sppp.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in तथा www.wcd.rajasthan.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

NIB NO- WMP2526A0206, UBN NO.-WMP2526SLOB00239

(अनिरूद्ध शर्मा) सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग, करौली
DIPR/C/1076/2026

कार्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेरणा
ब्लॉक-भीनमाल जिला-जालौर
क्रमांक-2344 दिनांक-19.01.2026

नीलामी सूचना-01/2025-26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्थानीय कार्यालय के अनुपयोगी/अप्रचलित/नकारा निस्तारण योग्य भंडार (स्टोर) एवं रद्दी सामग्री जिसका अनुमानित पुस्तक मूल्य चार लाख पच्चीस हजार रूपये है की सार्वजनिक निलामी दिनांक 04.02.2026 वक्त 12 पीएम पर स्थानीय विद्यालय में रखी गई है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म जो सार्वजनिक नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक है वे व्यक्ति या फर्म 4000/- रूपयेधरोहर राशि के रूप में जमा करवाकर सार्वजनिक नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है। नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति या फर्म कार्यालय समय के दौरान उपस्थित होकर निस्तारण योग्य सामग्री का अवलोकन कर सकते है। उच्चतम बोली स्वीकार होने के 05 दिवस के भीतर शेष राशि रोकड जमा करवाने के पश्चात नीलामी सामान सुपुर्द किया जायेगा। सफल बोलीदाता द्वारा शेष राशि जमा नहीं करवाने की स्थिति में धरोहर राशि जब्त कर ली जायेगी। नीलामी की अन्य शर्ते नीलामी प्रारंभ होने से पूर्व बता दी जायेगी। बोली स्वीकार करना या निरस्त करने का अधिकार संस्था प्रधान/निलामी कमेटी के पास सुरक्षित रहेगा।

प्रधानाचार्य राजकीय उ.मा.वि.सेरणा सेरणा (जालौर)
DIPR/C/1254/2026

अनूपगढ़ में स्टोर कीपर और अकाउंटेंट 48 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- टेंडर का बिल पास करवाने के लिए रिश्वत मांग रहे थे

अनूपगढ़, (निसं)। नगर पालिका में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए स्टोरकीपर और अकाउंटेंट को 48 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई श्रीगंगानगर और बीकानेर की एसीबी टीमों ने की।

जानकारी के अनुसार एक फर्म को अनूपगढ़ शहर से कचरा संग्रहण करने का 9 लाख 75 हजार रुपए का टेंडर पास हुआ था। संबंधित फर्म ने अक्टूबर महीने में कचरा संग्रहण का 4 लाख 9 हजार रुपए का बिल भुगतान के लिए नगर पालिका में दिया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 4 लाख 9 हजार रुपए का बिल पास करने की एवज में स्टोर कीपर सुरेश कुमार और अकाउंटेंट सुनील कुमार के द्वारा 80 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने कहा कि वह इतने रुपए नहीं दे सकता तो 60 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की गई, मगर अंत में सौदा 48 हजार रुपए में तय हुआ। फर्म के मालिक ने इसकी शिकायत एसीबी को कर दी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद गुरुवार को 48 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए स्टोर कीपर और अकाउंटेंट और कम्प्यूटर ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया है। परिवादी ने बताया कि गुरुवार को वह सबसे पहले अकाउंटेंट सुनील कुमार के पास रुपए लेकर गया था। सुनील कुमार ने ओके कहकर यह रुपए स्टोर की पर सुरेश कुमार को देने के लिए कह दिया। जब परिवादी रिश्वत की राशि को स्टोर कीपर सुरेश कुमार को देने गया तो स्टोर कीपर ने भी परिवादी को ओके कहा और परिवादी से यह रुपए कंप्यूटर ऑपरेटर भरत सोनी को देने के लिए कहा। जब भरत सोनी को रिश्वत के रुपए दे रहा था, उसी समय एसीबी की टीम में उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। फिलहाल एसीबी की टीम सुरेश कुमार के प्रेम नगर स्थित घर पर और अकाउंटेंट सुनील कुमार के शॉर्टकट में स्थित घर पर सर्च अभियान चला रही है एसीबी की टीम के द्वारा तीनों आरोपियों से पूछताछ करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) सं.-09 / 2025

7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 1 में विभिन्न पद के लिए भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका के अनुसार विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 02.03.2026 है। पूर्ण रूप से भरे हुए सभी आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से (**https://www.rrbapply.gov.in**) ही जमा किए जाने चाहिए।

आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 31.01.2026
आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 02.03.2026 (23:59 बजे)

पद	प्रारंभिक वेतन (रु.)	पदानुसार शैक्षणिक योग्यता एवं चिकित्सा मानक	आयु (01.01.2026 को)	संभावित रिक्तियां (सभी आरआरबी)
7वें सीपीसी वेतन मैट्रिक्स के लेवल 1 में विभिन्न पद	18000	विस्तृत सीईएन के अनुसार	18 - 33 वर्ष	22000 (लगभग)

नोट:- 1. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय अपनी मूल जानकारी को 'आधार' से सत्यापित करें। यदि आवेदन 'आधार' से सत्यापित नहीं होगा, तो भर्ती की प्रक्रिया में हर चरण पर अतिरिक्त जांच के कारण ज्यादा समय लगेगा और असुविधा होगी।
2. 'आधार' के माध्यम से सफल सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु, 'आधार' में अंकित नाम एवं जन्मतिथि को 10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रमाणपत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम एवं जन्मतिथि से शत-प्रतिशत मेल खाना आवश्यक है। इसी प्रकार, ऑनलाइन आवेदन भरने से पूर्व 'आधार' में नवीनतम फोटो तथा नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट एवं आइरिस) अद्यतन होना चाहिए।
3. यह सूचना केवल सांकेतिक स्वरूप में जारी की गई है, जिसका उद्देश्य संभावित उम्मीदवारों को आगामी केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना के संबंध में अवगत कराना तथा आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाणपत्रों / दस्तावेजों के साथ तैयार रहने के लिए है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियम, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएँ एवं अन्य आवश्यकताएँ विस्तृत केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या 09 / 2025 (साथ ही समय-समय पर जारी किए जाने वाले किसी भी परिशिष्ट) के अनुसार ही होंगी, जो केवल नीचे सूचीबद्ध रेलवे भर्ती बोर्डों की आधिकारिक वेबसाइटों पर प्रकाशित की जाएंगी।

आरआरबी और रेलवे का नाम	वेबसाइट	आरआरबी और रेलवे का नाम	वेबसाइट
अहमदाबाद (डब्लू.आर.)	www.rrbahmedabad.gov.in	गोरखपुर (एन.ई.आर.)	www.rrbgkp.gov.in
अजमेर (एन.डब्ल्यू.आर.)	www.rrbajmer.gov.in	गुवाहाटी (एन.एफ.आर.)	www.rrbguwahati.gov.in
बेंगलुरु (एस.डब्ल्यू.आर)	www.rrbbnc.gov.in	कोलकाता (ई.आर.)	www.rrbkolkata.gov.in
भोपाल (डब्ल्यू.सी.आर.)	www.rrbbhopal.gov.in	मुंबई (सी.आर.)	www.rrbmumbai.gov.in
भुवनेश्वर (ई.सी.ओ.आर.)	www.rrbbbs.gov.in	पटना (ई.सी.आर)	www.rrbpatna.gov.in
बिलासपुर (एस.ई.सी.आर.)	www.rrbbilaspur.gov.in	प्रयागराज (एन.सी.आर.)	www.rrbpryj.gov.in
चंडीगढ़ (एन.आर.)	www.rrbcdg.gov.in	रांची (एस.ई.आर.)	www.rrbranchi.gov.in
चेन्नई (एस.आर.)	www.rrbchennai.gov.in	सिकंदराबाद (एस.सी.आर.)	www.rrbsecunderabad.gov.in

सं०- आरआरबी / अज / विज्ञापन / सीईएन-09 / 2025.
दिनांक: 30.01.2026
अध्यक्ष रेलवे भर्ती बोर्ड

सावधान का दलाल, दलालों और नौकरी रैकेटियर"दलालों, नौकरी दिनाने वालों और ठगों से सावधान रहें"

खाद्य सुरक्षा टीम ने सैम्पल लिये

खैरथल, (निसं)। मुख्यमंत्री पोर्टल पर मिली शिकायत के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग टीम ने गुरुवार को जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद के निर्देशन में देशी घी विक्रेता की दुकान से देशी घी का नमूना लिया और मिलावट का संदेह होने पर 75 किलो घी जब्त कर दुकान से लिए घी के नमूने को जांच के लिए खाद्य सुरक्षा मानक प्रयोगशाला भेजा गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अरविंद गेट के निर्देशन में गुरुवार को खैरथल तिजारा जिले की फर्म मैसर्स तोताराम राजीव कुमार, मालिक राजीव कुमार गुप्ता पुत्र तोताराम के यहां से देसी घी का नमूना लिया गया। नमूना लेने के पश्चात घी में मिलावट का संदेह होने पर मौके पर ही लगभग 75 किलोग्राम घी जब्त किया गया। इसके अलावा जिले के अंतर्गत किराणा एवं मिष्ठान भंडारों पर निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए।

उदयपुर में अवैध डोडा-चूरा से भरी कार जब्त

उदयपुर, (निसं)। खेरोदा थाना पुलिस ने अवैध डोडा-चूरा से भरी कार जब्त की है। खेरोदा थाना अधिकारी सुरेश विश्नोई के नेतृत्व में गठित दल ने राष्ट्रीय राजमार्ग 48पर वाना चौराहे पर नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान उदयपुर की तरफ से आ रही कार नाकाबंदी देख कर चालक गलत दिशा मंगलवाड़ की तरफ ले गया। इस पर थानाधिकारी के नेतृत्व में हेड कांस्टैबल कुलदीप ने पिछा कर स्टॉप स्टीक से कार को टायर ब्रस्ट किया। इसके बावजूद चालक कार एकांत में ले जाकर छोड़ कर फरार हो गया। तलाशी ली तो उसमें प्लास्टीक के 22 कट्टों में 468.270 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा, अलग अलग नंबर की पांच प्लेटें मिली।

कोहरे से कार-बस में टक्कर, पांच जने गंभीर घायल

वाहनों की स्पीड कम होने से बची जान, घायलों को ट्रोमा सेंटर रैफर किया

- कार सवार सभी रामदेवरा से वापस पंजाब की ओर जा रहे थे

बीकानेर, (निसं)। यहां नेशनल हाइवे संख्या 62 पर घने कोहरे के कारण सुबह एक सड़क हादसा हुआ। बीकानेर से पंजाब जा रही कार और बीकानेर की ओर आ रही लोकल बस आमने-सामने टकरा गई। हादसे में कार में सवार पांच लोग घायल हो गये, जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं। ये सभी रामदेवरा से वापस पंजाब की ओर जा रहे थे। सभी को पीबीएम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

लूणकरनसर थाने के एसआई अनूप कुमार ने बताया कि कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम थी। कार और बस की स्पीड कम होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। कार में सवार गंगाराम (63), मंजीत (60), उषा देवी (50), महेंद्रपाल (55) और तुलछा देवी (65) घायल हुए हैं। घायलों के सिर और छाती पर चोटें नहीं आई, केवल हाथ और पैर में चोटें लगी हैं। सभी पंजाब के अमरकोट निवासी है। सभी को एंबुलेंस से पीबीएम हॉस्पिटल लाया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत सामान्य बताई है। हादसे में कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने बताया कि कार में प्रसाद रखा हुआ था, जिससे लगता है कि लोग किसी मंदिर से लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि ये रामदेवरा की यात्रा करके लौट रहे थे और इस दौरान लूणकरनसर से पहले हादसे का शिकार हो गये। पुलिस ने कार और बस दोनों को कब्जे में ले लिया है। कोहरे की वजह से हुई दुर्घटना की जांच जारी है। फिलहाल सभी घायलों की हालत स्थिर है।

Abridged NIB
Office of the Executive Engineer WD&SC P.S. Rajsamand Distt. Rajsamand

File no. () पसरा / MJSA2.0 Phase-II& PMKSY 2.0 WDC 01/21-22, RAJSAMAND, BLOCK AMET / निविदा-लेखा/2025-26/639-643 Date 21/01/2026

NOTICE INVITING BID
NIB No.-(5-9)/2025-26

Bids for the execution of, mentioned as below, under MJSA 2.0, Phase-II & PMKSY 2.0 WDC 01/21-22, RAJSAMAND, BLOCK AMET projects of estimated value as mentioned below are invited from interested bidders, from 22-01-2026, 10:00 AM to 31-01-2026 upto 06:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state and department website (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).

Sr. NO.	Name of work	SCHEME	Block	Extimated Cost (Rs. In Lakhs)	No of works in One packege	NIT No./ Year	NIB Code	UBN No.
1	Pacca Chekdam Work (01 work),	PMKSY 2.0 WDC 01/ 21-22, RAJSAMAND, BLOCK AMET	AMET	48.15	01	05/2025-26	WSC2526A 1409	WSC2526 WSOB02450
2	Amrit Sarowar Karya (02 work)	PMKSY 2.0 WDC 01 /21-22, RAJSAMAND, BLOCK AMET	AMET	29.48	02	06/2025-26	WSC2526A 1410	WSC2526 WSOB02451
3	MPT,CCT,ECD, SANKAN POND, FARM POND (31 WORKS)	MJSA 2.0, Phase-II (STATE FUND)	AMET	45.02	31	07/2025-26	WSC2526A 1411	WSC2526 WSOB02452
4	PCD, MPT, Sunken Pond, CCT Works (17 Work),	MJSA 2.0, Phase-II (STATE FUND)	RAJSA MAND	22.10	17	08/2025-26	WSC2526A 1412	WSC2526 WSOB02453
5	Constration of CCT (19 work)	MJSA 2.0, Phase-II (STATE FUND)	RAILMA NGRA	18.56	19	09/2025-26	WSC2526A 1413	WSC2526 WSOB02454

Vijay Bahadur Pal)
Executive Engineer
DIPR/C/1544/2026 Watershed Development & Soil Conservation P.S. Rajsamand

ई-रिक्शा के बकाया रुपए के लिए दोस्त की गला रेतकर हत्या करने वाले गिरफ्तार

■ सांगानेर सदर पुलिस ने किया ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

जयपुर (कासं)। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने रिंग रोड के पास हुए सनसनीखेज हत्याकांड का मात्र 4 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है और वारदात में शामिल एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि ई-रिक्शा के बकाया रुपये को लेकर इस वारदात को अंजाम दिया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि सांगानेर सदर थाना इलाके में स्थित सीतारामपुरा टोल प्लाजा के पास रिंग रोड पर 27 जनवरी को एक व्यक्ति का गला कटने की सूचना मिली। जहां मृतक की पहचान सत्तार खां (40) निवासी सांगानेर के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि आरोपी इनायत हुसैन ने सत्तार को विश्वास में लेकर पहले उसे शराब पिलाई और फिर एक सुनसान स्थान पर ले जाकर अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर धारदार हथियार से हमला किया। सत्तार को अस्पताल ले जाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक ने आरोपी से एक पुराना (सेकंड हैंड) ई-रिक्शा खरीदा था। कुछ पैसे चुका दिए गए थे,लेकिन कुछ राशि बकाया थी। इसी बकाया भुगतान को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते आरोपी ने हत्या की योजना बनाई। इस पर घटना की गंभीरता को देखते हुए सांगानेर सदर थानाधिकारी अनिल जैमिनी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साधनों और साइबर सेल की मदद से संदिग्धों का पीछा कर महज 4 घंटे में आरोपी को इनायत हुसैन (24) निवासी टोंक हाल सांगानेर को गिरफ्तार किया गया। वहीं इस हत्या में सहयोगी एक बाल अपचारी (नाबालिग) निरुद्ध किया गया। पुलिस ने इस संबंध में सांगानेर सदर थाने में हत्या की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

'अस्थाई तौर पर दी गई सेवा अवधि को भी शामिल करें'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि कोई अस्थाई कर्मचारी स्वीकृत पद पर वर्षो तक नियमित कर्मचारी की तरह निरंतर सेवा देता है और उसे बाद में नियमित करने पर वरिष्ठता, पदोन्नित और पेंशन परिलाभ के लिए पूर्व में की गई सेवा अवधि की गणना की जानी चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा में मानते हुए उस आधार पर पदोन्नित, वेतन परिलाभ सहित पेंशन देने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश बाबूलाल मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अक्टूबर, 1986 में परिवहन विभाग में दैनिक वेतन भोगी के तौर पर धौलपुर में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी लगा था। राज्य सरकार ने स्वीकृत पद पर उसकी नियुक्ति की थी। इसके बाद वह लगातार विभाग में सेवारत रहा और उसका कई जगहों पर नियमित कर्मचारी की तरह तबादला भी किया गया।

इसके बाद साल 1992 में उसे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के तौर पर नियमित कर दिया गया। याचिका में कहा गया कि सेवा परिलाभों के लिए याचिकाकर्ता की सेवा अवधि की गणना साल 1992 से की गई। जिसके चलते उसे तय समय पर पदोन्नित और चयनित वेतनमान सहित अन्य परिलाभ नहीं मिली। इसके बाद वह सेवा से रिटायर भी हो गया।

पांच गाड़ियों को टक्कर मारते हुए मॉल की दीवार में घुसी कार

राजधानी में फिर नजर आया तेज रफ्तार कार का कहर

बजाज नगर इलाके में तेज रफ्तार कार की टक्कर से क्षतिग्रस्त दीवार। फोटो-राष्ट्रदूत

■ पुलिस के मुताबिक ने कार चालक शराब के नशे में था

जयपुर। बजाज नगर इलाके में गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पांच वाहनों को टक्कर मारते हुए मॉल की दीवार से जा टकराई। हादसे में दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। गुस्साए लोगों ने मौके पर ही कार चालक को पकडकर उसकी पिटाई कर दी, जिसे बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार घटना गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे टोंक रोड स्थित किसान मार्ग की रेड लाइट पर हुई। बजाज नगर की ओर से सांगानेर की तरफ जा रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और मॉल के सामने खडी तीन बाइकों और दो कारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार महिमा मगनेस मॉल की रेलिंग और दीवार से जा टकराई। हादसे में दो लोगों को मामूली चोटें आईं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। बजाज नगर थाना प्रभारी पूनम चौधरी ने बताया कि कार चालक राजेश खंडेलवाल (30), निवासी बापू नगर शराब के नशे में मिला है। उसे राउंडअप कर मेडिकल जांच करवाई गई है।

एक्सीडेंट थाना (ईस्ट) के एएसआई ईश्वर सिंह ने बताया कि चालक किसी वाहन को बचाने के प्रयास में ओवर स्पीड में कार से नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने कार चालक से मारपीट की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और क्षितग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू कराया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

खाद्य टीम ने 43 हजार लीटर घी सीज किया

फर्म निर्धारित पते के स्थान पर अन्य जगह कर रही थी कारोबार

■ पूर्व में भी इस फर्म के घी का नमूना अनसेफ पाया गया था

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 43 हजार लीटर से अधिक घी मिलावट के संदेह पर जब्त किया गया।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि जयपुर में श्याम विहार कॉलोनी, माचेड़ा स्थित फर्म गिरधर मिल्क फूड प्रोडक्ट भोग विनायक ब्राण्ड से घी का उत्पादन करती है। प्रतापगढ़ जिले में भोग विनायक ब्राण्ड घी के नमूने जांच रिपोर्ट में अनसेफ पाये गये थे। इस पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह एवं अभिहित अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने मैसर्स गिरधर मिल्क फूड प्रोडक्ट, माचेडा, जयपुर पर पहुंचकर जांच की तो पाया की फर्म का जो पता खाद्य अनुज्ञा पत्र एवं कार्यालय रिकॉर्ड में है, वहां पर नहीं होकर चोरी-छिपे अन्य स्थान से घी का कारोबार कर रही थी, जो खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की पूर्ण अवहेलना है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने मौके पर पाया कि इस संस्थान पर एक अन्य फर्म जिसका नाम श्री श्याम मिल्क फूड प्रोडक्ट है भी संचालित हो रही है। दोनों फर्मों के तीन गोदामों में भोग विनायक ब्राण्ड का 9065 लीटर घी विभिन्न पैकिंग साइज में, हरियाणा क्रीम ब्राण्ड का 17741 लीटर एवं नक्ष डेयरी ब्राण्ड का 16617 लीटर घी विभिन्न पैकिंग साइज में पाया गया। सभी ब्राण्ड के नमूने लेने के बाद इस 43 हजार 421 लीटर घी को मौके पर सीज किया गया। नमूनों की जांच बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अतिरिक्त आयुक्त ने बताया कि पूर्व में केंद्रीय प्रयोगशाला जयपुर की रिपोर्ट में भोग विनायक ब्राण्ड घी का नमूना जांच में अनसेफ पाया गया था। इस पर प्रदेशभर में बाजार से इस घी को तत्काल वापस लिए जाने के लिए आदेश जारी किए गए थे। फर्म के खिलाफ मिली अनियमितताओं के दृष्टिगत खाद्य अनुज्ञा पत्र निरस्त किये जाने की कार्रवाई भी की जा रही है।

केबल से भरा ट्रेलर पलटा

जयपुर। हरमाड़ा इलाके के नींदड़ मोड़ पर बुधवार देर रात केबल से भरा एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। पुलिस के अनुसार सीकर की ओर से केबल के बड़े बंडल लेकर जयपुर आ रहा ट्रेलर रात नींदड़ मोड़ पर हाईवे से निकलते समय अचानक सामने मुड़ रही एक कार को बचाने के प्रयास में बेकाबू हो गया। चालक ने जैसे ही तेज ब्रेक लगाए, ट्रेलर संतुलन खो बैठा और सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेलर के पलटने से केबिन में चालक फंस गया।

सार-समाचार

जलदाय कर्मचारियों की विशाल सभा

जयपुर। प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन इंटक के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत के नेतृत्व में गुरूवार को तिलक नगर स्थित जलदाय विभाग परिसर में कर्मचारियों की विशाल आम सभा हुई। जिसमें जयपुर शहर से हजारों जलदायकर्मी उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए इंटक के वरिष्ठ नेता बाबूलाल शर्मा, जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत, विधि सलाहकार मुकेश कुमार माथुर एवं बनवारी लाल सैनी ने संयुक्त रूप से बताया कि जलदाय विभाग में लंबे समय से कर्मचारियों की भारी कमी बनी हुई है, जिससे आम जनता को भी पेयजल आपूर्ति में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सभा में नई भर्ती शीघ्र करने, स्टोर मुंशियों के सवलीकरण, वर्कचार्ज कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित अनेक लंबित मांगों को लेकर सरकार से शीघ्र समाधान की पुरजोर मांग की गई। वक्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो जलदाय इंटक को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस अवसर पर यूथ इंटक के तत्वावधान में प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जलदाय कर्मचारियों ने 21 यूनिट रक्तदान भी किया।

यूजीसी विनियम पर पुनर्विचार की मांग

जयपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में लागू किए जा रहे समानता संवर्धन विनियम 2026 को लेकर ब्राह्मण समाज राजस्थान ने पुनर्विचार की मांग की है। ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष पंडित अंबिका प्रकाश पाठक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी द्वारा यह विनियम सामाजिक समरसता, समान अवसर और भेदभाव-रहित वातावरण की मंशा से लागू किया गया होगा, लेकिन इसके लागू होने के बाद इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया और समाज में अविश्वास का वातावरण बन रहा है तथा फर्जी शिकायतों के माध्यम से निर्दोष व्यक्तियों को प्रताड़ित किए जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। पंडित पाठक ने कहा कि विधि और पदों के दुरुपयोग तथा फर्जी शिकायतों के मामलों से समाज पहले ही अवगत है। ऐसे में इस विनियम के सभी पक्षों पर एक बार पुनः गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है, ताकि इसकी आड़ में सामाजिक सौहार्द को नुकसान न पहुंचाया जा सके। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि इस विषय में सतर्कता बरती जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी वर्ग या व्यक्ति के साथ अन्याय न हो। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष शशिकांत शर्मा, जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, महेश शर्मा, सदस्य नेता रमेश चंद्र शर्मा, अनीश शर्मा, डॉ. शारदा शर्मा तथा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

12 साल पुराने मामले में रीडर को सजा

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर द्वितीय ने 12 साल पहले रिश्वत लेने से जुड़े मामले में झुंझुनूं जिले के मलसीसर तहसीलदार के कार्यालय के तत्कालीन रीडर मनीष कुमार को चार साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता बजरंग लाल ने 21 जुलाई 2014 को एसीबी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि राजनीतिक रंजिश के चलते पंचायत समिति प्रधान ने उसके खिलाफ भू राजस्व अधिनियम के तहत तहसील में झूठा मामला दर्ज कराया है। केस में लंबी तारीख देने और उसे हल्का करने की एवज में रीडर उससे पांच हजार रुपए रिश्वत के रूप में मांग रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने सत्यापन के बाद कार्रवाई कर 23 जुलाई को अभियुक्त को चार हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। वहीं बाद में जांच के बाद मार्च, 2015 में एसीबी ने अभियुक्त के खिलाफ विशेष न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था। इसके बचाव में अभियुक्त की ओर से कहा गया कि वह घटना के समय रीडर के पद पर काम ही नहीं कर रहा था। इसके अलावा परिवादी की पत्रावली की लिखावट उसकी हस्तलेख से भी नहीं मिलती है।

शिवोहम् कार्यक्रम का पोस्टर जारी

जयपुर (कासं)। आज मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एमएनआईटी में शिवोहम् कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक और प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे नंदकुमार, राजस्थान सोलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील बंसल, आर्या कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर ऑफ़ फाइनेंस रामचरण शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक धनंजय दिवाकर, मनु काम्बोज, श्रीकांत मूंदड़ा के द्वारा किया गया।

बीते 15 साल में 26 लाख खेजड़ी काटी : रविन्द्र भाटी

'यही हाल रहा तो आने वाले समय में इनकी संख्या 50 लाख होगी'

■ बाड़मेर के शिव विधायक ने सदन में उठाया खेजड़ी संरक्षण का मुद्दा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बाड़मेर के शिव क्षेत्र विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खेजड़ी, ओरण और गौचर भूमि के संरक्षण का मुद्दा पुरज़ोर तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि मरुस्थलीय जीवन का आधार है और इससे क्षेत्र की पर्यावरणीय व आर्थिक व्यवस्था जुड़ी हुई है।

विधायक भाटी ने सदन को बताया कि खेजड़ी हमारे लिए जीवन के समान है। मां अमृता देवी ने सैकड़ों लोगों के साथ खेजड़ी की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था, लेकिन आज उसी खेजड़ी का अंधाधुंध कटान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीते 15 वर्षों में करीब 26 लाख खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं और यदि यही स्थिति रही तो आने वाले समय में यह संख्या 50 लाख तक पहुंच सकती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि खेजड़ी के लगातार कटान से क्षेत्र की पर्यावरणीय संतुलन और आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रहा है। इसके चलते राज्य वृक्ष खेजड़ी, राज्य पशु और राज्य पक्षी अस्तित्व के संकट में पहुंच गए हैं। हमारे पूर्वजों ने जिनके संरक्षण के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए, आज हम स्वयं उसी विरासत को नष्ट करने में लगे हैं। विधायक ने कहा कि राजस्थान का प्रत्येक जिला खेजड़ी, ओरण और गोचर भूमि के संरक्षण के लिए खड़ा है, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कानूनों का अभाव है। उन्होंने सरकार से खेजड़ी संरक्षण के लिए कठोर और स्पष्ट कानून बनाने की मांग की। सदन में अपनी बात समाप्त करते हुए विधायक भाटी ने कहा कि यूजीसी से जुड़े कानूनों को लेकर जनता में रोष है, ऐसे में सरकार को ऐसे फैसलों से बचना चाहिए जिनसे जनभावनाएं आहत हों और सामाजिक असंतोष बढ़े।

गेहूँ खरीद के लिए पंजीकरण 1 से

जयपुर (कासं)। भारत सरकार द्वारा रबी विपणन सीजन 2026-27 हेतु गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। राज्य के किसान अपनी उपज (गेहूँ) विक्रय हेतु पंजीयन 1 फरवरी 25 जून तक स्वयं अथवा ई-मित्र के माध्यम से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध गेहूँ खरीद हेतु किसान रजिस्ट्रेशन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकेंगे। पंजीयन हेतु किसान के पास अद्यतन जन आधार कार्ड अनिवार्य है। किसान को उसके द्वारा विक्रय की गई उपज का भुगतान उसके जन आधार से जुड़े हुए बैंक खाते में किया जाएगा। इसलिए किसान को जिस बैंक खाते में भुगतान प्राप्त करना है उस बैंक खाते को अपने जन आधार में जुड़वाना आवश्यक होगा।

पंजीकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। किसान पंजीकरण व अन्य खरीद सम्बन्धी जानकारी एवं समस्याओं के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14435 पर राजकीय कार्य दिवसों में प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं। किसान को खरीद संबंधी विभिन्न जानकारियों को एसएमएस के माध्यम से रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर पर समय-समय पर अवगत कराया जायेगा।

मनरेगा पर कांग्रेस फैला रही भ्रम, अब 125 दिन रोजगार मिलेगा : पुष्पेन्द्र सिंह

"यदि किसी को 7 दिन में रोजगार नहीं मिलता है तो आठवें दिन से उसे बेरोजगारी भत्ता मिलेगा"

जयपुर (विसं)। भाजपा विधायक पुष्पेन्द्र सिंह ने गुरूवार को सदन में कहा कि कांग्रेस 'मनरेगा' को लेकर आमजन में भ्रम फैला रही है। अब 100 के बजाय 125 दिन का रोजगार आमजन को मिलेगा।

राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस की शुरुआत करते हुए भाजपा विधायक पुष्पेंद्र सिंह बाली ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने मनरेगा में संशोधन करके उसे और बेहतर किया। हमारी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, इसके बावजूद भी कांग्रेस भ्रम फैला रही है। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि राजस्थान एक मजबूत प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। सरकार के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान में देश-विदेश से 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए।

साल 2023-24 में राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय 1 लाख 66 हजार रुपए थी, जो 2025-26 में बढ़कर 2 लाख 37 हजार रुपए हो गई है। भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार की किसी योजना को बंद नहीं किया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन जारी है और बीपीएल परिवारों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर मिल रहा है।

पुष्पेन्द्र सिंह ने कहा कि, कांग्रेस सरकार ने भामाशाह योजना बंद कर दी थी और तीन साल बाद चिरंजीवी योजना लाई, लेकिन उससे भी लोगों को खास लाभ नहीं मिला।

कांग्रेस सरकार ने राजश्री योजना भी बंद कर दी थी। भाजपा सरकार ने राज्य राजमार्गों पर टोल बंद कर दिए, जबकि कांग्रेस सरकार ने उन्हें फिर से शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा को बंद नहीं कर रही, बल्कि "जी-राम-जी" रोजगार योजना शुरू की है, जिसके तहत यदि किसी को 7 दिन में रोजगार नहीं मिलता तो आठवें दिन से उसे बेरोजगारी भत्ता मिलेगा।

विद्यार्थियों ने पेश किए नवाचारपूर्ण मॉडल

जयपुर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर की ओर से गुरुवार को विश्वविद्यालय वाणिज्य महाविद्यालय परिसर में व्यावसायिक शिक्षा योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय स्किल एग्जीबिशन कम कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। इसमें व्यावसायिक शिक्षा के 16 सेक्टर्स में जिला स्तर पर प्रथम चयनित विद्यार्थियों ने अपने-अपने नवाचारपूर्ण मॉडल प्रस्तुत किए। प्रस्तुत मॉडलों में सिक्योरिटी, ब्यूटी एंड वेलनेस, फाइनेंस, आईटी, टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी, एग्रीकल्चर सहित कुल 16 सेक्टर्स के मॉडल शामिल रहे। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने किया। राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल किताबी ज्ञान पर नहीं, बल्कि कौशल विकास पर भी विशेष जोर देती है।

दिव्यांग अभ्यर्थी को पटवारी परीक्षा-2025 में अयोग्य मानने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

-यादवेन्द्र शर्मा-

■ अदालत ने कहा कि, "जब तक इस प्रकरण में निर्णय नहीं हो जाता, तब तक एक पद रिक्त रखा जाए।"

■ जस्टिस समीर जैन ने मामले की सुनवाई के बाद राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड तथा रेवेन्यू बोर्ड के अफसरों से जवाब-तलब किया

■ याचिकाकर्ता देवांश की ओर से अधिवक्ता कृष्णवीर सिंह और अनुरूद्ध माथुर हाईकोर्ट में पैरवी के लिए पेश हुए थे

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट में दिव्यांग श्रेणी के एक अभ्यर्थी, जिसने 2025 में पटवारी के पद के लिए आयोजित परीक्षा में भाग लिया था, की उम्मीदवारी कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा यह कहकर रद्द की गई कि अभ्यर्थी शारीरिक रूप से अयोग्य है, के खिलाफ याचिका दायर की गई है। इस मामले में याचिकाकर्ता देवांश सांघवान द्वारा याचिका पेश करी गई है, जिसमें राज्य सरकार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड तथा रेवेन्यू बोर्ड के अध्यक्ष और उप रजिस्ट्रार को पार्टी बनाया गया है।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता कृष्णवीर सिंह और अनुरूद्ध माथुर पैरवी के लिए पेश हुए थे, और न्यायाधीश समीर जैन ने सुनवाई के बाद राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड तथा रेवेन्यू बोर्ड के अधिकारियों को जवाब-तलब किया है। और साथ ही आदेश दिए है कि याचिकाकर्ता की श्रेणी की एक सीट चयन प्रक्रिया के दौरान रिक्त रखी जाये जब तक अदालत का फैसला नहीं आ जाता। इस मामले की अगली तारीख 24 फरवरी तय की गई है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में याचिकाकर्ता एक दिव्यांगजन श्रेणी का व्यक्ति है जिसके पास उपर्युक्त मेडिकल बोर्ड से चालीस प्रतिशत दिव्यांगता होने का मेडिकल सर्टिफिकेट है, और साथ ही भारत सरकार द्वारा जारी "यूनिक डिसेबिलिटी" आई.डी. कार्ड भी है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2025 की पटवारी भर्ती परीक्षा में भी 4 प्रतिशत आरक्षित कोटा दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित है जिनके शरीर के निचले भाग में या पैरों में मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित दिव्यांगता पाई जाए।

यहां यह भी मामलो के तथ्यों के अनुसार इस परीक्षा के बाद राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने दिव्यांगजनों के लिए कटऑफ 162.4 तय करी थी और याचिकाकर्ता को 219.4 अंक प्राप्त हुए थे यानि वह दिव्यांगजनों के लिए दी गई कटऑफ से बेहतर अंक लेकर आया था। इसके बाद याचिकाकर्ता के दस्तावेजों के सत्यापन के लिए बुलाया गया और उसकी मेडिकल जांच भी करवाई गई। इस मेडिकल जांच में पाया गया कि याचिकाकर्ता की दिव्यांगता प्रतिशत 52 प्रतिशत है जो 40 प्रतिशत की न्यूनतम मानक से अधिक था। परन्तु इस मेडिकल जांच में एस.एम.एस. अस्पताल स्थित मेडिकल बोर्ड ने एक अतिरिक्त टिप्पणी जोड़ी कि याचिकाकर्ता को "मानप्लीजीअ" (एकांगघात)।

याचिकाकर्ता ने अदालत को कहा है कि इस टिप्पणी को आधार बताते हुए, संभवतय, कर्मचारी चयन बोर्ड उसकी उम्मीदवारी खारिज कर दी है। परन्तु उसे यह मेडिकल रिपोर्ट एस.एम.एस. के मेडिकल बोर्ड ने नहीं सौंपी है। याचिकाकर्ता ने गुहार की है कि कर्मचारी चयन बोर्ड इस मेडिकल बोर्ड की कॉपी उपलब्ध कराए।

याचिकाकर्ता का कहना है कि 20 फरवरी 2025 को जारी किया गया विज्ञापन जिसके तहत पटवारी परीक्षा आयोजित करी गई थी में कहीं पर यह वर्णित नहीं है कि "मानप्लीजीअ" (एकांगघात) से ग्रसित अभ्यर्थियों को दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित कोटे का लाभ नहीं दिया जाएगा।

याचिकाकर्ता का कहना है कि देश-प्रदेश में ऐसा कोई कानून या नियम भी नहीं है जिसे उद्रित करते हुए उसे दिव्यांगजनों के लिए बनाए गए आरक्षण से वंचित किया जा सकता है। सभी तथ्यों को सुनने के बाद अदालत ने राज्य सरकार और अन्य पक्षकारों को जवाब-तलब किया है।

मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का माध्यम

मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मत्स्य पालन से जुड़े कृषकों और मछुआरों की बैठक लेकर समस्याओं पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। मत्स्य पालन से जुड़े कृषकों तथा मछुआरों की समस्याओं के समाधान तथा मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के उद्देश्य से आज मत्स्य कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन टोंक रोड स्थित आरएलडीबी के सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जवाहर सिंह बेढम, राज्य मंत्री, मत्स्य ने की। कार्यक्रम में शासन सचिव, डॉ. समित शर्मा तथा निदेशक संचिता विश्नोई समेत वरिष्ठ अधिकारी, मत्स्य कृषक और मछुआरे उपस्थित थे।

मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मत्स्य पालन आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। कृषक संवाद कार्यक्रम सरकार और मत्स्य कृषकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करते हैं, जिससे जमीनी स्तर की वास्तविक समस्याओं को समझकर प्रभावी नीतियां बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने मत्स्य कृषकों से नई तकनीकों को अपनाने और विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, मत्स्य आहार की उपलब्धता तथा तालाब निर्माण जैसी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य मंत्री ने मत्स्य बीमा योजना, ऋण सुविधा एवं विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मत्स्य कृषकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने कहा कि मत्स्य पालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। मत्स्य बीमा, ऋण सुविधा तथा विपणन व्यवस्था को मजबूत करना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है।

Celebrating National Croissant Day: A Delightful Pastry Tribute

National Croissant Day, celebrated on January 30, honours the iconic flaky, buttery pastry that has captured hearts worldwide. Originating in France, croissants are now a beloved breakfast and snack item, enjoyed with coffee, chocolate, or jam. Bakeries often mark the day with special offers, limited-edition flavours, and fresh batches straight from the oven. Beyond indulgence, the croissant represents craftsmanship and culinary tradition, with each layer a testament to patience and skill. Whether savoured at a cozy café or homemade, National Croissant Day invites everyone to celebrate simple pleasures and the joy of freshly baked delights.

#SOTHEBY'S NEW YORK

Rembrandt's Young Lion Resting

Young Lion Resting stands apart even among Rembrandt's rare animal studies. The lion is not roaring, hunting, or asserting dominance. Instead, it reclines

One of only six surviving drawings of lions by Rembrandt van Rijn, Young Lion Resting has traveled across continents to arrive at Sotheby's New York, where it will be on view from 31 January as part of the prestigious Masters Week exhibition. Though small in scale, the drawing carries an emotional and artistic gravity that far exceeds its size, an intimate encounter with the mind of one of history's greatest artists.

Set to be offered in the Old Masters auction on 4 February in New York, the work holds significance beyond the art world. Proceeds from the sale will benefit Panthera, the world's leading conservation organization dedicated to the protection of wild cats, an echo of the subject's enduring symbolic power.

Why Lions? Rembrandt's Fascination with Strength and Humanity

Rembrandt's choice of lions was neither decorative nor accidental. In 17th-century Europe, lions symbolized power, nobility, divine authority, and inner strength. They appeared in biblical narratives, royal emblems, and moral allegories, subjects that deeply interested Rembrandt throughout his career.

Unlike artists who depicted lions as fearsome emblems of dominance, Rembrandt approached them as living beings. He was fascinated by the tension between strength and vulnerability, grandeur and introspection. Lions, with their commanding presence and expressive faces, offered him the perfect subject through which to explore these contrasts.

Rembrandt is believed to have drawn lions from life, likely studying them in menageries that were emerging across Europe at the time. These encounters allowed him to observe not just anatomy, but temperament, how power rests when it is not performing.

'Young Lion Resting': A Study in Stillness and Soul

Young Lion Resting stands apart even among Rembrandt's rare animal studies. The lion is not roaring, hunting, or asserting dominance. Instead, it reclines, alert yet calm, powerful yet unguarded. This quiet moment transforms the animal from a symbol into a presence. What distinguishes the drawing is Rembrandt's extraordinary linework. With minimal strokes, he captures weight, musculature, and breath. The lines are confident but sensitive, creating form without rigidity. The lion's face, in particular, reveals a soulful introspection-eyes heavy with awareness, as though the animal exists in contemplation rather than display.

Jeremy Irons, the voice of Scar in *The Lion King* films, explores this lineage of the lion in art history, highlighting how Rembrandt's depiction diverges from theatrical villainy or heroic exaggeration. Here, the lion is neither tyrant nor myth, it is real, grounded, and deeply felt.

A Masterpiece of Observation and Empathy

Rembrandt's genius lay in his ability to reveal inner life, whether in portraits, biblical figures, or animals. Young Lion Resting exemplifies this gift. The drawing feels less like a study and more like a conversation between artist and subject. The lion is observed with empathy, not dominance, a quality that gives the work its timeless resonance.

The drawing's small scale enhances its intimacy. It invites the viewer to lean in, to notice the pauses between lines, the economy of gesture, and the emotional restraint that defines Rembrandt's maturity as an artist.

Legacy, Conservation, and Continuing Relevance

That this drawing now supports wild cat conservation adds a poignant contemporary layer to its story. Centuries after Rembrandt captured the quiet dignity of a resting lion, real lions face unprecedented threats in the wild. The artwork thus bridges past and present, art history and ecological responsibility.

In Young Lion Resting, Rembrandt reminds us that true power does not always roar. Sometimes, it rests, watches, and endures.

This tiny masterpiece stands not only as a testament to Rembrandt's unparalleled observational skill, but also as a meditation on strength, vulnerability, and the soulful presence shared by humans and animals alike.

The resurrection of Jeevaka Chintamani

Today, there are less than 1,00,000 Tamil Jains. But a millennium ago, they were a prosperous community who made outstanding contributions to art and literature. Even in UVeSa's era, there were many people who practised Jain traditions. He decided to meet some of them to learn about Jain customs. How could he write a commentary on a Jain text if he did not understand the social, cultural and religious context? UVeSa trained under Chandranatha Chettiar, a pious Tamil Jain, for several months. After exhausting everything he knew, Chandranatha introduced him to Gunabala Chettiar, another expert in Jain tradition. Mrs. Gunabala was a greater expert in Jain tradition and eager to help.

● Rajesh Chettiar

Jeevaka Chintamani, considered to be one of the five greatest ever Tamil epics, is a 10th-century classic composed by the Jain monk Thiruthakka Thevar. It was a forgotten treasure till Dr. U.V. Swaminatha Iyer (also called UVeSa) rediscovered and assembled the complete manuscript after a statewide hunt that lasted many years. He then breathed life into many other literary classics, reviving the lost glory of ancient Tamil literature. Here is how it happened.

The challenge

Swaminatha Iyer was a Tamil professor at the Kumbakonam Government College, who had studied at a Hindu monastery (Thiruvaduthurai) which also nurtured Tamil literature. Salem Ramaswami Mudaliar was a munsif (junior judge) in the British Raj, and a great connoisseur of Tamil literature. It was a conversation between these two that sparked UVeSa's quest.

One day, Judge Ramaswami taunted UVeSa saying, 'What do you know of the ancient classics? Can you even annotate the Jeevaka Chinatamani?'

This was in the 1880s, when Tamil scholarship had fallen to a new low. Macaulay-inspired English institutions had begun dominating India, and vernacular studies languished. Tamil pundits taught literature that was, at the most, 250 years old. Classical Tamil literature, with a 2000-year-old legacy, shaped by highly sophisticated grammar and subtle poetry, was almost unknown. Printing technology had come to India by the 16th century, but very few Tamil classics were in print.

Stung by Ramaswami's challenge, UVeSa was determined to produce a complete research paper on the subject. In order to help him kick-start the project, Ramaswami gave him a transcript with a commentary on the epic by a 14th-century scholar named Nachinarkiniyar.

Dr. U.V. Swaminatha Iyer.

#ENDEAVOUR

Palm leaf manuscripts.

The 'fake' manuscript

Intuitively, Uvesa rushed to his alma mater, the Thiruvaduthurai monastery, to find references to Jeevaka Chintamani. He scoured its vast library and found another manuscript of the commentary by Nachinarkiniyar. Oddly, the two versions did not match. How could two commentaries by the same author on the same subject be different? Before we go further into the story, we need to go back in time to understand ancient manuscripts. How did 2000-year-old literature get passed down from generation to generation before printing technology evolved? Through olai chuvadis or treated palm-leaf strips that were inscribed with a metal stylus called ezhuthani. The writer had to 'scratch' the words with great care and precision, too much pressure would destroy the leaf, too little would make it unreadable! Depending on the environment and the preservation process, it could last even 500 years, but the typical shelf life was about 100 years. How could a 100-year-old medium store 2000-year-old information?

Palm leaf manuscripts

Well, the ancient Tamil kings were great patrons of art. Apart from encouraging authors, they also employed skilled copyists to copy literary pieces from decaying palm leaves to fresh palm leaves. The new copies were then distributed to nobles and the rich patrons. These patrons (or their descendants) made fresh copies when the current palm leaves faded.

This co-operative chain was disrupted when the Europeans colonised India. Society changed, and fewer people were interested in 'reprinting' these manuscripts. Old manuscripts lay hidden in the attics of families who had forgotten their value. With fewer manuscripts in the public domain, even professors taught only 'recent' writings, not the classics. This was the crux of the Ramaswami-Uvesa conversation. Searching for a copy of a 1000-year-old epic was pretty much an impossible task. Obviously, the 'original' had vanished centuries ago. Different parts of the epic lay in different households, and not in any particular sequence. The merit of even those was dependent on the copyist. One different stroke on the palm leaf could convey a meaning very different from the intention of the original author. And then, there was the problem of fakes.

The Jain Culture

Today, there are less than 1,00,000 Tamil Jains. But a millennium ago, they were a prosperous community who made outstanding contributions to art and literature. Even in UVeSa's era, there were many people who practised Jain traditions. He decided to meet some of them to learn about Jain customs. How could he write a commentary on a Jain text if he did not understand the social, cultural and religious context?

UVeSa trained under Chandranatha Chettiar, a pious Tamil Jain, for several months. After exhausting everything he knew, Chandranatha introduced him to Gunabala Chettiar, another expert in Jain tradition. Mrs. Gunabala was a greater expert in Jain tradition and eager to help.

That's when UVeSa discovered a startling fact. Nachinarkiniyar, the 14th-century commentator, had indeed written two commentaries. The second commentary was written after he had enrolled in a Jain monastery and studied Jain tradition closely. This proved that the two versions UVeSa had were both genuine. It also validated Uvesa's approach: you cannot annotate any literary piece without knowing the context!

The Hunt

UVeSa was now confident that his preparation was good. He had two versions of the commentary. Now, he had to assemble all the 'authentic' palm-leaf manuscripts of the entire Jeevaka Chintamani, all 13 volumes comprising 3,147 verses. The only way was to round up all the known versions and compare every line in every version. Thus began his long journey, which lasted around seven years. It was a house-to-house campaign which touched even the smallest villages in Tamil Nadu. Sometimes, the inquiries in one village would give a clue about scripts in another village, and off he went to that village. In many private collections, he had to wade through hundreds of un-indexed palm leaves, only to return empty-handed. In some cases, he found that the owner had very recently burnt the palm leaves or thrown them away into a river as a ritual cleaning! Sometimes, the owners even refused to cooperate.

Some days were fruitful, many days were depressingly disappointing, and all days were exhausting. Ultimately, UVeSa had 23 'clean' manuscripts that had been tallied and validated. He was now ready to compile and publish!

Publishing Perils

Now publishing had to be done from the provincial capital, Madras. It needed big money and patronage; academic brilliance alone was insufficient. Was Uvesa, who was barely in his 30s, equal to the task? This was the poser of Thamotharam Pillai, a Sri Lankan patron who pressured Uvesa to sell the copyright to him. For a moment, Uvesa was tempted; but he did not yield. Uvesa wanted to be in full control of the complete process. With promises of funding by Judge Ramaswami and other patrons, Uvesa prepared to publish on his own.

There were discouragements galore. The news that a Tamil scholar from Jaffna was already about to publish a treatise on the same epic created a scare, such competition could ruin Uvesa financially; mercifully, it turned out to be a baseless rumour. Another 'well-wisher' warned him not to take up Jeevaka Chintamani, many veterans had failed at this project, so, why should a smart young man stake his reputation on this? Midway through the project, Uvesa exhausted his personal funds and had no money even to buy paper. In a divine twist of fate, Thamotharam Pillai (the man who had earlier pressured him to sell his copyright) intervened and got him supplies on credit; he turned out to be the Good Samaritan!

Recognition at Last

In 1887, Uvesa released the first edition of a few hundred copies. It was a near-perfect translation of the forgotten masterpiece; his annotation wonderfully established its social-cultural-historical-religious context. UVeSa had beaten the odds, and he was just 32!

His troubles were far from being over, though. At his alma mater, one priest protested: 'How could the student of a Hindu monastery publish a patently religious Jain text?' The head monk silenced him by saying that UVeSa had brought great honour to the monastery by publishing an ancient work of art. Some ultra-conservatives condemned the erotic passages in the work. UVeSa calmly replied that the epic covered a range of human emotions; a true connoisseur would notice the artistic merit of the lines instead of carping on their sexuality! Those were puritanical times, yet, UVeSa had won the overwhelming support of the liberals.

Thus encouraged, he published his research on two other epics, Silappadikaram and Manimekalai, and the Sangam-era Puranaanuru, which reflected the culture of ancient Tamils. Ultimately, he published nearly 100 books, a remarkable achievement for any researcher. The ultimate appreciation was the epithet he earned, 'Thamizh Thatha' or the 'grand old man of Tamil.'

The 5 great Tamil ancient epics are Silappadikaram, Manimekalai, Jeevaka Chintamani, Kundalakesi and Valayapathi.

Thiruvaduthurai Adheenam (monastery) was established around the 16th century to spread Saiva philosophy. It manages many Siva temples and has a large library of ancient religious literature.

rajeshsharma1049@gmail.com

Statue of UVeSa at Presidency College, Chennai.

#FIDEL CASTRO

Desperate U.S. Couldn't Do Away With Him

The Man Who Outlasted 11 U.S. Presidents and Survived Over 600 Assassination Attempts

Fidel Castro, the revolutionary leader of Cuba, remains one of the most controversial and enduring figures of the 20th century. Known for his defiance of U.S. imperialism, his communist revolution, and his survival against countless assassination attempts, Castro's life was shaped by a relentless struggle against external forces, particularly the United States.

For nearly five decades, he led Cuba with an iron fist, surviving numerous covert U.S. operations aimed at his removal and facing pressure from 11 U.S. presidents. He would die in 2016 at the age of 90, not by assassination, but from natural causes.

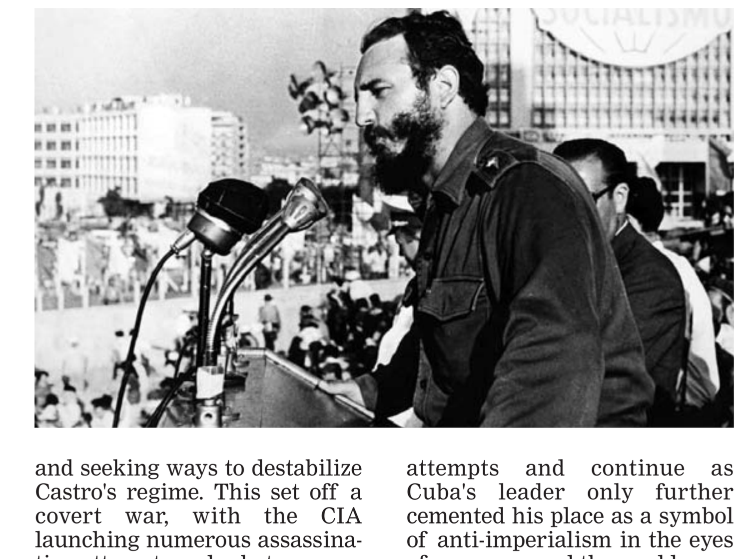

Early Life and Rise to Power

Born in 1926 in Birán, Cuba, to a wealthy family, Fidel Castro initially pursued a law degree at the University of Havana. It was during his time at university that he became politically active, joining movements aimed at fighting against the corrupt and oppressive Batista dictatorship that ruled Cuba in the 1950s. After an unsuccessful attack on the Moncada Barracks in 1953, Castro was imprisoned, only to be released in 1955. He went into exile in Mexico, where he organized the 26th of July Movement to overthrow Batista.

In 1959, after guerrilla warfare and popular support, Castro's forces overthrew the Batista regime. His victory marked the beginning of a new socialist state in Cuba. Castro nationalized industries, redistributed land, and implemented reforms that aimed to reduce inequality and improve healthcare and education. However, his ties to communism quickly antagonized the United States, setting the stage for decades of conflict.

The U.S.-Cuba Conflict

Castro's alignment with the Soviet Union and his embrace of Marxist-Leninist ideology alienated him from the U.S., which viewed the spread of communism in its hemisphere as a direct threat. The United States responded by imposing a trade embargo on Cuba in 1960 and seeking ways to destabilize Castro's regime. This set off a covert war, with the CIA launching numerous assassination attempts and sabotage campaigns aimed at removing Castro from power.

One of the most infamous operations was Operation Mongoose, launched by President John F. Kennedy in 1961. Its objective was to destabilize Cuba through a variety of means, including assassination, economic sabotage, and psychological warfare. Over 600 attempts on Castro's life were made, including some of the most bizarre and audacious plots.

The CIA's Assassination Plots

The CIA, under both Eisenhower and Kennedy, orchestrated a range of assassination attempts, from poison-laced cigars to exploding seashells. Other plans involved contaminating Castro's food and drink with toxins or deploying poisonous chemicals through his diving equipment while he was snorkeling. One of the most curious attempts was a poisoned milkshake, designed to kill him during a meeting. These bizarre plots were not just failures, they also highlighted the desperation with which the U.S. sought to remove Castro.

Despite these efforts, Castro's survival became a symbol of defiance. For years, he outwitted and outlasted the U.S.'s covert operations, continuing to lead his country through periods of economic hardship and political isolation. His ability to survive these repeated assassination attempts and continue as Cuba's leader only further cemented his place as a symbol of anti-imperialism in the eyes of many around the world.

Surviving 11 U.S. Presidents

Throughout his time in power, Fidel Castro would outlast 11 U.S. Presidents, from Dwight D. Eisenhower to Barack Obama. Every U.S. administration, from Eisenhower's early efforts to support anti-Castro insurgents to Obama's eventual attempt at detente, grappled with the Cuban leader's resilience.

- Dwight D. Eisenhower initiated the trade embargo and the first CIA-backed operations against Castro.
- John F. Kennedy, who famously ordered the Bay of Pigs invasion, was also the leader during the Cuban Missile Crisis, which became a critical moment in Cold War history.
- Lyndon B. Johnson, Richard Nixon, and Gerald Ford all continued U.S. efforts to destabilize Castro's regime, often relying on covert operations and economic pressure.
- Ronald Reagan intensified U.S. hostility with stronger sanctions, and George H.W. Bush maintained the tough stance.
- Bill Clinton, George W. Bush, and Barack Obama all adjusted U.S. policy, with Obama making the most notable shift by restoring diplomatic relations in 2015, though the broader embargo remained in place.

Despite the changing faces in the White House, Castro remained a thorn in the side of U.S. foreign policy, leading Cuba for almost five decades.

Legacy and Death

In 2006, due to health problems, Fidel Castro handed over power to his younger brother, Raul Castro. He officially stepped down from the presidency in 2008 but remained a figure of immense influence in Cuba. Even as his health declined, his image as a revolutionary leader who stood up to U.S. imperialism remained iconic.

Fidel Castro died on November 25, 2016, at the age of 90, not by assassination, but due to natural causes. His passing marked the end of an era in Cuban history.

THE WALL

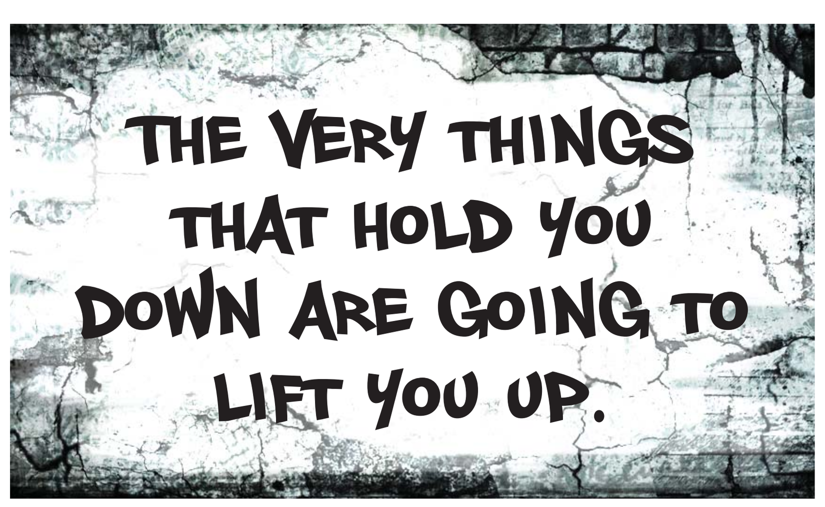

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

भिवाड़ी की फैक्टरियों से निकलने वाले गंदे पानी से मटीला गांव में जमीन धंसी

सड़क किनारे बह रहे दूषित पानी से दो भूमिगत गैस पाइपलाइन सड़क की सतह पर आ गई

- ग्रामीणों ने बताया कि भिवाड़ी की औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक युक्त औद्योगिक अपशिष्ट जल इस रास्ते पर बह रहा है
- ग्रामीणों ने तत्काल प्रभावित क्षेत्र को बैरिकेडिंग कर बंद करने, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित पानी पर रोक लगाने की मांग की

अलवर, (निसं)। प्रदेश के औद्योगिक केंद्र भिवाड़ी की फैक्टरियों से निकलने वाले अनट्रीटेड गंदे पानी के कारण मटीला गांव में जमीन धंस गई। सड़क किनारे लगातार बह रहे इस दूषित पानी से दो भूमिगत गैस पाइपलाइन सतह पर आ गई। इससे क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं।

पार्षद सब्बीर खान ने बताया कि जमीन धंसने के कारण सड़क के पास लगा एक बिजली का खंभा भी झुक गया है। उन्होंने आशंका जताई कि खंभा गिरने से उसके नीचे से गुजर रही गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो सकती है, जिससे आग लगने या विस्फोट का खतरा पैदा हो सकता है। सड़क धंसने के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों का कहना है कि शुक्र है अभी बिजली का खंभा नहीं गिरा गैस पाइपलाइन में विस्फोट हो सकता था।

ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। भिवाड़ी की औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला रासायनिक युक्त औद्योगिक अपशिष्ट जल (इंडस्ट्रियल इफ्लुएंट) बिना किसी उपचार के इस रास्ते पर बह रहा है। ग्रामीणों ने कई बार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, रीको और अन्य संबंधित विभागों से शिकायतें कीं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार पानी के बहाव से मिट्टी कमजोर हुई, जिसके परिणामस्वरूप सड़क पटरी के पास जमीन धंस गई। चाय के खोके के बिल्कुल साथ ही ये सड़क धंसी है, जिससे टीनशेड आधा गिर गया। गनिमत रही कि उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, वरना किसी को चोट भी पहुंच सकती थी।

जानकारी के अनुसार यह रास्ता अलवर-भिवाड़ी मेगा हाईवे का हिस्सा है, जहां सुबह-शाम पैदल यात्री, दुपहिया वाहन और भारी ट्रक बड़ी संख्या में आवागमन करते हैं। ग्रामीणों ने तत्काल प्रभावित क्षेत्र को बैरिकेडिंग कर बंद करने की मांग की है। उन्होंने यह भी मांग की है कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले दूषित पानी पर सख्त रोक लगाई जाए। साथ ही, गैस पाइपलाइन और बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर आपातकालीन सुरक्षा उपाय करें और मरम्मत कार्य तत्काल शुरू करें।

इस बीच, हरियाणा सिटी गैस के डिप्टी मैनेजर रोहित नैन भी मौके पर पहुंचे। उनकी टीम गैस पाइपलाइन को किसी भी संभावित नुकसान से बचाने के लिए सुरक्षा उपाय कर रही है। एहतियात के तौर पर ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन को कटवा दिया गया है ताकि खंभा गिरने की स्थिति में गैस लाइन पर कोई विस्फोट जैसी घटना न हो। रिको अधिकारियों को भी सूचना दी गई है लेकिन अभी तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं।

मटीला गांव में जमीन धंसने से दो भूमिगत गैस पाइपलाइन सतह पर आ गई।

भीलवाड़ा में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

- 26 जनवरी को जंगल में युवक का शव मिला था, जिसकी पिटाई कर हत्या की थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की फूलियाकलां पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 26 जनवरी को जंगल में एक युवक का शव मिला था, जिसकी बेरहमी से पिटाई कर हत्या की गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज कुछ ही दिनों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला फूलियाकलां थाना क्षेत्र के कल्याणपुरा खामोर का है। बीती 26 जनवरी की सुबह करीब नौ बजे मुरली बावरी ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके भाई राधेश्याम का शव जंगल में बबूलों के बीच पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने जब जांच की, तो सामने आया कि मृतक की गंभीर चोटों के कारण मौत हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना वाली सुबह आरोपी रामपाल बावरी ने ही मृतक के भाई को फोन कर शव पड़े होने की जानकारी दी थी। शक के आधार पर पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़ी।

जांच में पता चला कि रामपाल, उसके मामा और परिवार वालों ने मिलकर राधेश्याम के साथ गंभीर मारपीट की थी, जिससे उसकी जान चली गई। एसपी धर्मेंद्र सिंह के आदेश और एएसपी राजेश आर्य के निर्देशन में थानाधिकारी राजेंद्र सिंह की टीम ने दबिश देकर मुख्य आरोपी रामपाल (33) और नरेश बावरी (22) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर घटना की पूरी कड़ियां जोड़ रही है।

दुष्कर्म से परेशान नाबालिग ने जहर खाया, मौत

पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया, दूसरे की तलाश जारी

बीकानेर, (निसं)। जिले में 9वीं क्लास में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की घटना हो गई, जिसके बाद लड़की ने जहर पीकर अपनी जान दे दी।

जानकारी के अनुसार दुष्कर्म 22 जनवरी को हुआ था, जिसके बाद लड़की ने पेस्टीसाइड्स पी लिया, जिससे उसकी बुधवार शाम इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक युवक को हिरासत में लिया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। दो युवकों ने 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा को कार में अगवा किया और सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इससे आहत छात्रा ने जहर पीकर जान दे दी। छात्रा का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया है। उसके भाई की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट दी है। मामले की जांच कर रहे सीओ अमरजीत चावला ने बताया कि पुलिस को मामले की जानकारी मिलने पर छात्रा का मेडिकल मुआयना कराया गया था। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया और इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। आरोपी को डिटेन कर उससे पूछताछ की जा रही है। उसका साथी के बारे में पता लगाया जा रहा है।

अलवर के आलमपुर गांव में अवैध खनन और ब्लास्टिंग से ग्रामीण परेशान

- लगातार हो रही तेज़ ब्लास्टिंग से गांव के कई मकानों में गहरी दरारें पड़ गई हैं, कुछ घर तो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं
- ग्रामीणों ने बताया कि ब्लास्टिंग से इतनी धूल उड़ती है कि सांस लेना मुश्किल हो गया है और लोगों का जीना दूभर हो गया है

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के नौगांवा थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में हो रहे अवैध खनन और बेकाबू ब्लास्टिंग ने ग्रामीणों का जीवन संकट में डाल दिया है। लगातार हो रही तेज़ ब्लास्टिंग से गांव के कई मकानों में गहरी दरारें पड़ गई हैं, कुछ घर तो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। हालात से नाराज़ सैकड़ों ग्रामीणों ने गुरुवार को अलवर जिला कलेक्टर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और अवैध खनन व ब्लास्टिंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आबादी क्षेत्र के खसरा नंबर 77 को गलत तरीके से 92 दिखाया गया है, जो पूरी तरह गैरकानूनी है। उनका कहना है कि अधिकारियों ने अवैध खननकर्ताओं से मिलकर नक्शे में हेरफेर की है। ग्रामीण सरदार सुरजन सिंह ने बताया कि आलमपुर गांव में जबरदस्त तरीके से अवैध खनन किया जा रहा है। ब्लास्टिंग खसरा नंबर एक में हो रही है, जबकि गांव की आबादी खसरा नंबर दो में है। इससे ग्रामीणों की जान को हमेशा खतरा बना रहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नाहरपुर खुर्द के नाम पर खनन की लीज दी गई है, लेकिन अधिकारियों ने लीज का नक्शा ही बदल दिया, जिससे पूरी ब्लास्टिंग आलमपुर गांव में की जा रही है। इसका असर यह है कि गांव के मकानों में दरारें आ गई हैं और कई मकान गिरने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। दिन-रात ब्लास्टिंग की जा रही है। सरदार सुरजन सिंह ने खनन करने वालों के नाम गिनाते हुए सुमन मति, वेदपाल, विजय, सुरेंद्र और इकबाल सहित कई लोगों पर अवैध ब्लास्टिंग करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि ब्लास्टिंग से इतनी धूल उड़ती है कि सांस लेना मुश्किल हो गया है और लोगों का जीना दूभर हो गया है।

ग्रामीण नरेंद्र सिंह ने बताया कि पहाड़ खसरा नंबर एक में है और आबादी खसरा नंबर दो में, जबकि नाहरपुर में खसरा नंबर तीन में लीज दी गई है, लेकिन उसका नक्शा भी बदल दिया गया है। नाहरपुर क्षेत्र अरावली पर्वतमाला में आता है, जहां ब्लास्टिंग पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद आबादी क्षेत्र से महज 125 मीटर दूर ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे भारी प्रदूषण फैल रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे इस मामले की शिकायत लेकर नौगांवा पुलिस थाने जाते हैं, तो उन्हें भगा दिया जाता है और धमकी दी जाती है कि अगर खनन माफिया के खिलाफ आवाज उठाई तो जेल में डाल दिया जाएगा। अब ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को इस पूरे मामले की शिकायत की है।

स्लीपर बस हाइवे पर खड़े ट्रेलर में घुसी, चार की मौत, पांच गंभीर घायल

आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लुधावई पुलिया के पास हुआ हादसा

- घना कोहरा हादसे की वजह माना जा रहा है, टक्कर के बाद बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई

भरतपुर, (निसं)। आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार अलसुबह एक सड़क हादसा हो गया। सेवर थाना क्षेत्र में लुधावई पुलिया के पास कासगंज से जयपुर जा रही एक स्लीपर बस बीच हाइवे पर खड़े ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ट्रेलर खराब था जो बीच हाइवे पर खड़ा था। ट्रेलर चालक ने कोई खराब का संकेत नहीं लगा रखा था। बस चालक को लगा ट्रेलर चल रहा है, इसी के चलते हादसा हुआ। मौके पर जिला कलैक्टर कमर चौधरी, एसपी दिगंत आनन्द मौके पर पहुंचे। वहीं एसडीएम भारती गुप्ता आरबीएम अस्पताल पहुंची जहां घायलों से बीतचीत की।

सेवर थाना प्रभारी सतीश शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल जिला आरबीएम अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, चारों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है, उनके पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई जाएगी। हादसा गुरुवार तड़के करीब 2.30 से 3 बजे के बीच हुआ। घना कोहरा हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। टक्कर के बाद बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया और अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। इस हादसे में कान्हा (8) पुत्र रामवीर, निवासी सतोवा, मथुरा (उत्तर प्रदेश), गीता (38) पत्नी रामवीर, निवासी सतोवा, मथुरा (उत्तर प्रदेश), मुक्खन सिंह (28) पुत्र खेम सिंह निवासी कठूमर अलवर और मुस्लिम (40) पुत्र इस्माइल निवासी कासगंज (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है।

रामवीर अपनी पत्नी गीता और 8 वर्षीय बेटे कान्हा के साथ खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जा रहे थे। रामवीर भगवान की मूर्तियों के लिए कागज की पगड़ियां बनाते हैं और हर महीने माल सप्लाई करने खाटूश्याम जी जाते थे। इस बार वो पत्नी और बेटे को भी साथ लेकर गए थे। हादसे में रामवीर की पत्नी और बेटे की मौत हो गई, जबकि रामवीर खुद गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की।

बीकानेर जिले में सर्दी का असर बरकरार

बीकानेर, (निसं)। जिले में सर्दी का असर फिलहाल बरकरार है। गुरुवार की सुबह बीकानेर शहर में तो धूप खिल गई लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में घना कोहरा रहा। नौ बजे बाद कोहरा कुछ कम हुआ लेकिन तेज हवाओं ने सर्दी का एहसास बढ़ा दिया। न्यूनतम तापमान में भी बीकानेर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अंतर देखा गया। बीकानेर शहर में जहां न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस के पार रहा, वहीं लूणकरनसर में न्यूनतम पारा 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। आने वाले दिनों में भी सर्दी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

लूणकरनसर में सुबह से ही घना कोहरा रहा, जिससे नेशनल हाइवे पर वाहनों की गति प्रभावित हुई। कस्बे के आसपास के क्षेत्रों में विजिबिलिटी महज पांच-दस मीटर के आसपास रही। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कुछ दिनों तक ठिठुरन बनी रहेगी। कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी का असर राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों में देखने को मिल रहा है। बीकानेर शहर से ज्यादा तापमान में गिरावट लूणकरनसर में हुई है, वहीं इससे ज्यादा गिरावट श्रीगंगानगर में है।

अलग-अलग मामलों में दो तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। पुर थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए नशे के नेटवर्क पर कार्रवाई की है। पुलिस ने जहां एक तरफ 15 हजार के इनामी वांटेड तस्कर को दबोचा है, वहीं दूसरी तरफ एमडीएमए ड्रग्स सप्लाई करने वाले आरोपी को उदयपुर से गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा की पुर थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने 15 हजार रुपये के इनामी अपराधी दिनेश खटीक (जटिया) को गिरफ्तार किया है। आरोपी दिनेश, चित्तौड़गढ़ के भादसोड़ा का रहने वाला है। मार्च 2025 में पुलिस ने एक ट्रक कंटेनर से 5 क्विंटल 64 किलो से ज्यादा डोडा-चूरा जब्त किया था। इस मामले में दिनेश लगातार फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, दिनेश एक शातिर तस्कर है, जो चूरू और तारानगर में भी हज़ारों किलो डोडा-चूरा तस्करी के मामलों में वांटेड है। डीएसटी टीम के कॉन्स्टेबल अमृत सिंह और राकेश भंडारी के विशेष तकनीकी सहयोग से पुलिस ने इसे धर दबोचा। वहीं, दूसरी कार्रवाई में पुलिस ने सिंथेटिक ड्रग्स के नेटवर्क को तोड़ा है। पुर थाना प्रभारी कन्हैया लाल की टीम ने उदयपुर से इसराइल उर्फ एसराइल मंसूरी को गिरफ्तार किया है। कुछ समय पहले मांडल पुलिस ने दो युवकों को खतरनाक मेथिलीन डाईऑक्सी एम्फेटामाइन ड्रग्स के साथ पकड़ा था। पूछताछ में सामने आया कि यह ड्रग्स मांडल निवासी इसराइल ने ही सप्लाई की थी। पुलिस ने जाल बिछाकर उसे उदयपुर से अरेस्ट कर लिया।

किराणा व्यापारी की मौत : उदयपुर शहर के सविना थाना क्षेत्र में किराणा व्यापारी की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार दादिया सलूम्बर हॉल हिरणमगरी सेक्टर 11 निवासी शंभूसिंह (53)पुत्र देवीसिंह की अकाल मौत हो गई। शंभूसिंह की टोल नाका के समीप किराणा दुकान थी। बुधवार को वह अचानक नीचे गिर पड़ा था। जिसे परिजनों ने उसे चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई अरविन्द ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

पिकअप पलटने से युवक की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले में एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई, जबकि पिकअप सवार एक युवक घायल हो गया। हादसे में ड्राइव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा अरजनसर-पल्लू मेगा हाइवे पर पिकअप पलटने से हुआ। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायल को महाजन हॉस्पिटल लेकर आए।

महाजन पुलिस के अनुसार रानीसर के पास देर रात एक पिकअप वाहन पलटने से ये हादसा हुआ। पल्लू से अरजनसर की ओर आ रही पिकअप बीच रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अनियंत्रित होकर पिकअप हाइवे पर पलट गई। इस हादसे में कालूराम पुत्र ओमप्रकाश जाट निवासी रतनीसर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं पिकअप में सवार जीतराम पुत्र हरिराम जाट घायल हो गया। राहगीरों ने ही उन्हें संभाला। घायल को तुरंत महाजन अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटना की सूचना पर महाजन पुलिस थाने से एएसआई ईश्वर सिंह मौके पर पहुंचे। शव का महाजन अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया, जबकि घायल की जीतराम जाट की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पैंथर की मौत, आरोपी हिरासत में

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के वन नाका प्रतापगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत झिरी गांव की शाखा का गुवाड़ा में दो वर्षीय पैंथर मृत अवस्था में पेड़ पर लटका मिला। प्रारंभिक जांच में पैंथर के पेट पर रस्सी का फंदा मिलने से मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। सूचना मिलने पर वनपाल रामवतार मीना टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। जांच में एक ग्रामीण पर संदेह गहराया। सख्त पूछताछ में आरोपी प्रभुदयाल मीना ने पैंथर के शिकार की बात स्वीकार की। आरोपी को हिरासत में ले लिया।

जोधपुर में कार सवार बदमाशों ने युवक का अपहरण किया

- महाराष्ट्र नंबर की पासिंग कार में हथियारों से लैस होकर आए थे बदमाश

जोधपुर, (कासं)। शहर में गुरुवार सुबह एक फ्लैश पेंटिंग कारीगर का अपहरण हो गया। वह अपने एक दोस्त के साथ चाय पीने जा रहा था। घटना सिवांची गेट रोड स्थित सुमेर पुष्टिकर कॉलेज के पास गली की है। एक कार में हथियारों से लैस होकर कुछ युवक उसे जबरन उठा ले गए। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। कार महाराष्ट्र पासिंग नंबर की है, जिसके लिए शहरभर में नाकाबंदी करवाई गई। देर शाम तक बदमाशों का उसका पता नहीं चला। आशंका है किसी विवाद के चलते यह अपहरण हुआ है।

खांडा फलसा थानाधिकारी बलवंतराम ने बताया कि मेड़ती गेट के बाहर रहने वाले मनन नाम के युवक का अपहरण किया गया है। वह फ्लैश पेंटिंग का काम करता है। सुबह वह अपने एक साथी संग सुमेर पुष्टिकर कॉलेज के सामने एक फर्नीचर की दुकान के पास गली में चाय पीने जा रहा था। तब सड़क पर ही एक सफेद रंग की कार में कुछ युवक आए और उसे कार में डालकर अपने साथ ले गए। घटना सीसीटीवी फुटेज में क़ैद हो गई है। इधर सूचना के साथ ही एसीपी सेंट्रल मंगलेश चूण्डावत, खुद थानाधिकारी बलवंतराम आदि मौके पर पहुंचे। बाद में कार की तलाश में नाकाबंदी करवाई गई। युवक के अपहरण का कारण आरंभिक तौर पर पता नहीं लगा है।

पोकरण : मरु महोत्सव में भव्य शोभायात्रा निकाली

- मटकी दौड़, साफा बांधो एवं रस्साकशी जैसी ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ
- महोत्सव में आयोजित प्रतियोगिता में मनीष कुमार सैन को मिस्टर पोकरण तथा लौहारकी की वर्षा भाटी को मिस पोकरण-2026 के खिताब से नवाजा

पोकरण, (निसं)। पोकरण में लोक परंपराओं, रंगीन संस्कृति और मरुधरा की आत्मा को जीवंत करने वाले विश्वविख्यात मरु महोत्सव-2026 का गुरुवार को परमाणु नगरी पोकरण में शुभारंभ हुआ। मरुभूमि की रेत पर लोक संगीत, नृत्य और परंपराओं का अदभूत संगम देखने को मिला।

चार दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ की शुरुआत जिला कलैक्टर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे एवं नगर पालिका अध्यक्ष मनीष पुरोहित द्वारा सालमसर सरोवर स्थित नेपालेश्वर महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ की गई। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और लोक वाद्यों की गूंज के बीच महोत्सव का आधिकारिक शुभारंभ हुआ। वहीं महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर पोकरण फोर्ट से निकली भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रही। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां, पारंपरिक वेशभूषा, सजे-धजे ऊंट, बीएसएफ का ऊंट दस्ता, सांस्कृतिक दल तथा मिस्टर-मिस पोकरण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों की उपस्थिति ने शोभायात्रा को चलता-फिरता सांस्कृतिक उत्सव बना दिया। शहर के प्रमुख मार्गो से गुजरती यह शोभायात्रा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पोकरण परिसर पहुंची, जहां नगरवासियों ने पुष्पवर्षा और जयकारों के साथ स्वागत किया।

मुख्य मंच पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात घूमर, भवाई, लेजियम, गैर नृत्य एवं पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। तगाराम एंड पार्टी, रेंवताराम भील एवं अणदाराम समदडी एंड पार्टी की प्रस्तुतियों के साथ छात्र-छात्राओं के कार्यक्रम विशेष आकर्षण रहे। महोत्सव के दौरान आयोजित मिस्टर पोकरण एवं मिस पोकरण प्रतियोगिता में मनीष कुमार सैन को मिस्टर पोकरण तथा लौहारकी की वर्षा भाटी को मिस पोकरण-2026 के खिताब से नवाजा गया। वही मटकी दौड, साफा बांधो एवं रस्साकशी जैसी ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।

पोकरण में मरु महोत्सव के तहत निकाली शोभायात्रा में कलाकारों ने नृत्य पेश किये।

हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल ने डेढ़ लाख की रिश्वत ली

जयपुर/डूंगरपुर। एसीबी की डूंगरपुर टीम ने गुरुवार को पुलिस थाना दोवड़ा, जिला डूंगरपुर में तैनात हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार और कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल को 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को शिकायत प्राप्त हुई थी कि परिवादी को ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के अनुसार 18 जनवरी को परिवादी को पुलिस वाहन में बैठा कर थाना दोवड़ा ले जाया गया, जहां उसके मोबाइल की जांच कर उस पर ठगी का आरोप लगाया गया। आरोपियों ने मुकदमा दर्ज नहीं करने और मोबाइल वापस देने की एवज में 2 लाख रुपये की मांग की। बाद में बातचीत के दौरान आरोपी 1.50 लाख रुपये लेने पर सहमत हो गए। 28 जनवरी 2026 को रिश्वत मांग का सत्यापन किया गया, जिसमें आरोप सही पाए गए। एसीबी डूंगरपुर टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को रिश्वत की राशि लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

ग्राम विकास अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा : एसीबी ने जोधपुर जिले में कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत केतु मदा, पंचायत समिति सेखाला के ग्राम विकास अधिकारी राजेन्द्र को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी जोधपुर ग्रामीण द्वारा कार्रवाई की गई। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि ब्यूरो को शिकायत प्राप्त हुई थी कि ग्राम विकास अधिकारी द्वारा परिवादी की फर्म, जिसका ग्राम पंचायत केतू मदा में निर्माण कार्यों के लिए मटेरियल सप्लाई का टेंडर स्वीकृत है, से भुगतान की एवज में 6 प्रतिशत कमीशन की मांग कर परेशान किया जा रहा है। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत के रूप में पहले ही प्राप्त कर लिए गए थे। इसके बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी राजेन्द्र को रिश्वत की राशि लेते हुए मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

‘पर्यावरण संरक्षण के लिए हर विद्यार्थी अपने घर के आस-पास पौधे लगावे’

■ राजकीय बालिका विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

फुलेरा । राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय फुलेरा में गुरुवार को विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) भंवरलाल बुगालिया के निर्देशन में तथा अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम संख्या-1) अरविन्द कुमार जांगिड, सांभरलेक के निर्देशानुसार विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट जयश्री लमोरिया ने छात्राओं को प्रारम्भिक गर्भावस्था एवं मातृ स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा तथा जबरन श्रम के दुष्प्रभावों के संबंध में विधिक जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु प्रत्येक विद्यार्थी को अपने घर के आस-पास पौधे लगाने चाहिए तथा वृक्षारोपण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चाहिए। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राज चौधरी ने प्रारम्भिक गर्भावस्था, मातृ स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य विषयों पर जानकारी देते हुए मुस्कान राजस्थान री, मुस्कान आयुष्मान री, मातृ वंदना योजना, मां वाउचर योजना, जननी सुरक्षा योजना सहित गर्भवती महिलाओं एवं महिलाओं की सामान्य व गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु लगाए जाने वाले मेडिकल कैम्पों की विस्तृत जानकारी दी। लीगल एड असिस्टेंट चान्दमल सांभरिया ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समय पर उपचार और सही दवाइयों का सेवन न होने से मानसिक रोगियों की स्थिति गंभीर हो जाती है तथा मानसिक रोग आनुवंशिक नहीं होता। जनप्रतिनिधि द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेल्पलाइन 15100, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं गरिमा हेल्पलाइन 1090 की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में समाजसेवी पूनम कुमावत, पैरा लीगल वॉलेंटियर्स शंकरलाल छंदवाल, विद्यालय प्रधानाचार्य नवीता वर्मा, विद्यालय स्टाफ अनीता पीटर्स, मनोहर सिंह, मीनाक्षी मीणा, सपना देवी, अर्जुन सिंह मीणा, ललितकुमार शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

फुलेरा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया ।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1241
चूंकि प्रार्थी श्री Seema Joshi, 503, HARIKRIPA APPARTMENT MEERA MARGH, OPP maharani school Banipark, Jaipur302016 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मौलिक फाउन्डेशन 1787,Jai lal munshi ka rasta dusara Churaha chandpol bazar, Jaipur के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 28.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 07.04.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैं, निशीकांत सोनी पुत्र श्री पुरूषोत्तम सोनी, निवासी प्लॉट-24 पटेलनगर रोड नम्बर-17 वीकेआई एरिया, जैसल्या आकेडा डूंगर, अखेपुरा जयपुर मैने अपना नाम निशीकांत से बदलकर निशीकांत सोनी रख लिया, मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

मैंने मेरा नाम उपाशना से बदलकर उपाशना शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावें। उपाशना शर्मा पुत्री श्री त्रिभवुन शर्मा 04, कस्बा खेतडी, जिला झुंझुंनू

मेरे बेटे का नाम ओमेनद्र सिंह से ओजस कुमार मीना रख लिया है,भविष्य में मेरे बेटे को नये नाम ओजस कुमार मीना से जाना पहचाना जाए। अजय सिंह निवासी- 6/163, मालवीय नगर, जयपुर

मैने अपना नाम कोमल कुमारी जैन से बदलकर कोमल जैन पत्नी अनंत जैन रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। प्लॉट नं- 10, एवरेस्ट कॉलोनी, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर

मै आर्मी न. 2701025X हवलदार (ऑपरेटर) अनिरूद्ध पटेल यूनिट 24 गार्ड (17 ग्रेनेडियर्स) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरी माताजी का नाम शकुन्तला देवी पटेल (SHAKUNTALA DEVI PATEL) और जन्मदिनाँक 01-07-1965 है जो की गलत है। मेरी माताजी का नाम शकुन्तला पटेल (SHAKUNTALA PATEL) और जन्मदिनाँक 01-01-1957 है।

I have changed my name from Vijay kumar Jain to Vijay Jain S/o Manohar Lal Jain for all purpose. Resi.: C12/103, Prithvi Apartment, F-17, Prithvi Raj Road, Near Bagadia Bhawan, C-Scheme, Jaipur.

i sudhir legally son of Rampal chanwel plot no 114 shiv ramdev nagar benad road jodhpur (raj) have change my name from SUDHIR Existing name of son as per change of next of kin por / service documents pension certificate To SUDHIR CHANWEL proposed adopted correct new name vide affidavit dated 27 jan 2026 before district notary jodhpur

नम्बर मिलाइए 9587884433

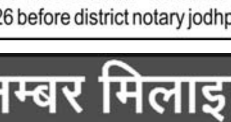

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उत्थान शिविर 31 से

दौसा । 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 में प्रगतिशील किसानों और पशुपालकों की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के क्रम में विभिन्न गिरदावर सर्किल पर 31 जनवरी एवं 1 फरवरी को ठाम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि 31 जनवरी को भांकरी, बांदीकुई, गुढा कटला, मानपुर, बालाहेडी, हल्दैना, श्यामपुर कलां, थूमडी, सोनड एवं बिशनपुरा गिरदावर सर्किल पर शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 1 फरवरी को कालाखो, धनावड, राणौली, साथां, देवली, लाडली का बांस एवं रामगढ पचवारा भू अभिलेख निरीक्षक मुख्यालय पर शिविर लगेंगे।

उचित मूल्य दुकान की जानकारी दी

दौसा। खाद्य विभाग के निर्देशों की अनुपालना में गुरुवार को जिले की तहसील स्तरीय खाद्य सुरक्षा सर्तकता समिति एवं उचित मूल्य दुकानदार आवंटन सलाहकार समिति के मनोनीत सदस्यों की बैठक जिला रसद अधिकारी मोहनलाल देव की अध्यक्षता में जिला कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में जिले की तहसील स्तरीय सतर्कता समिति एवं आवंटन सलाहकार समिति के खाद्य विभाग द्वारा मनोनित सदस्य, जिला रसद अधिकारी कार्यालय का प्रवर्तन स्टाफ, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रवर्तन अधिकारी सूरज बाई मीना ने किया। जिला रसद अधिकारी ने मनोनित सदस्यों के कार्य एवं कर्तव्यों के बारे में खाद्य विभाग के नियमों एवं निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उचित मूल्य दुकान आवंटन के लिए आवेदक की अर्हताएं, योग्यताएं आदि तथा चयन विधि के बारे में भी जानकारी दी गयी। आवंटन सलाहकार समिति के सदस्य पुष्पेन्द्र सिंह ने दुकान आवंटन के दिशा-निर्देश नियमावली आगामी बैठक में उपलब्ध करवाने के सुझाव दिए।

3 ट्रैक्टर ट्रॉलियां जब्त

निवाई । निवाई थाना पुलिस की तीन अलग-अलग टीमों ने तीन अलग-अलग स्थानों से अवैध बजरी से भरे हुए 3 ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जब्त किया है।

थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि गश्त के दौरान तीन टीमों ने अलग-अलग स्थानों से अवैध बजरी से भरे हुए 3 ट्रैक्टर ट्रॉलियों कोजब्त किया है।

उन्होंने बताया कि ट्रैक्टर चालक पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। तीनों वाहनों को जब्त कर पुलिस थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है तथा चालकों व मालिकों के विरुद्ध एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर, समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर:
DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1244
चूंकि प्रार्थी श्री Udai Kant Mishra, D-120, Kabir Marg, Banipark, Jaipur, Rajasthan-302016 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास रोज लैंड पब्लिक स्कूल सोसाइटी, 505, GEETA ENCLAVE, VINOBA MARG, C SCHEME, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा । आज दिनांक 28-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 07/04/2026
रतन लाल योगी
सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1173
चूंकि प्रार्थी श्री MAHENDRA PRATAP SINGH KUCHAWA, PLOT NO.. 31, HAHADEV NAGAR, VAISHALI NAGAR, NEAR AKSHAR DHAM MANDIR JAIPUR, VAISHALI NAGAR, JAIPUR, RAJASTHAN-302021 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास निम्फ अकादमी PLOT NO. 5, ANUPAM VIHAR, GANDHI PATH, 80 FEET BYEPASS, JAIPUR 302021 RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 23.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1260
चूंकि प्रार्थी श्री RAJESH KUMAR MEENA, A-37, SHANKAR VIHAR, SAWAI GAITOR, MALVIYA NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास जे.डी. शिक्षण सेवा समिति ALL RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 29.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 06.04.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय नगर निगम जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर।
क्रमांक :– जसअ/2025/455 दिनांक: 23.01.2026
ई– निविदा सूचना संख्या 262/2025–26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB02637
अधिशाषी अभियन्ता
मुरलीपुरा जोन
नगर निगम जयपुर।
राज.संवाद/सी/25/18712

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना
आवास संख्या 1/2, एन.ई.बी.82 योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री जगन्नाथ को आवंटन पत्रांक 400 दिनांक 08.05.1986 के द्वारा आवंटित किया गया था। इनके बेचान उपरान्त मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 2734 दिनांक 01.09.2001 को श्रीमती शीला परमार पत्नि श्री राम शिव शैलेन्द्र सिंह के पक्ष में जारी कर दिया गया था। श्रीमती शीला परमार द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 23.03.2002 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्रीमती शीला परमार द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 07.02.2004 को श्री सुनील कुमार जैन पुत्र श्री पूरणचन्द जैन को कर दिया गया। श्री सुनील कुमार जैन की मृत्यु दिनांक 10.02.2007 को हो जाने के उपरान्त उनकी उत्तराधिकारिणी पत्नि द्वारा मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत शपथपत्रों एवं अन्य प्रपत्र के आधार पर मण्डल द्वारा आवास का नाम हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 2881 दिनांक 23.12.2009 को श्रीमती सुनंदा जैन पत्नि स्व. श्री सुनील कुमार जैन के नाम जारी कर दिया गया। श्रीमती सुनंदा जैन द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 25.10.2013 को नीलाक्षी जैन पुत्री श्री सुशील कुमार जैन को कर दिया गया। नीलाक्षी जैन द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आग्रह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1/2, एन.ई.बी. 82 योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा नीलाक्षी जैन पुत्री श्री सुशील कुमार जैन के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

खोया पाया

मेरी दुकान नं.34/CS- 3/20 प्रताप नगर, जयपुर के मूल अलोटमेंट लैटर नं. 14722 पजेशन लैटर नं. 157561 No Dues Certificate कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें-विनोद चौधरी-9660608260

मेरा प्लाट नं. 525 पालडी परसा महेन्द्रासेज जयपुर में है। सोडाला से घर आते समय रास्ते में दिनांक 05.01.2026 को प्लाट के मूलदस्तावेज कहीं गिर गये। जिस किसी को मिले पहुंचाने का कष्ट करें। प्रवीण कुमार सैनी A-38, सूरजनगर (W) मेन अजमेर रोड, जयपुर (राजस्थान) मो. 9783308501

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1153
चूंकि प्रार्थी श्री नारायण लाल शर्मा H.N. 255, छोटा अखाडा नियर पावर हाऊस, ब्रह्मपुरी जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सर्व हिन्दु समाज संस्थान, जयपुर, दुकान नं. 9, लक्ष्मी नगर, मंगोडी वालो की बगीची, ब्रह्मपुरी, जयपुर के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के (ओ.21 रूल 22 जाब्ता दीवानी) अज अदालत किराया अधिकरण जयपुर मुकाम महानगर-द्वितीय दीपका बेनीवाल बनाम प्रतिभा सक्सैना डिग्री बाबत
मुकदमा नम्बर-Ex67/2025
बनाम-मुसम्मी प्रतिभा सक्सैना वल्द अजीत कुमार सक्सैना कौम...साकिन मकान नम्बर 12-ए, अंजने पथ, टैगोर नगर अजमेर रोड डीसीएम, साकिन जयपुर राज. व कार्तिकेय मेडिकल्स 6/1 नन्द विहार, आम्रपाली रोड, वैशाली नगर, जयपुर।
चूंकि डिक्रीदार दीपिका बेनीवाल ने डिग्री अदालत किराया अधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय मर्ख्रे...व मुकदमें नम्बर...सन्...की इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में... वार...तारीख 18.02.2026 को हाजिर होकर अगर कोई उजर वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिग्री रखते हो तो पेश करें।
आज ब तारीख 27.01.2026 ब सब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से-रीडर
किराया अधिकरण
जयपुर महानगर-द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 41/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम गिरीश कुमार जैन पुत्र स्व. श्री नारायण लाल जाति गर्ग विवाद स्थान 46, कृष्णा विहार-ए, मांग्यावास, मानसरोवर, जयपुर
मृतक श्री नारायण लाल गर्ग की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 27.03.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम नारायण लाल गर्ग पुत्र स्व. श्री भैरूप्रसाद जाति...निवासी 46, कृष्णा विहार-ए, मांग्यावास, मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 27 माह 03 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 21 माह 01 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायालय संख्या-10, जयपुर महानगर प्रथम न्यायालय सांगानेर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक/शहरी सेवा शिविर/न.नि.भ./2025-26/21810 दिनांक :- 29/01/2026

आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम भरतपुर शहरी क्षेत्र में निम्न आवेदकों द्वारा स्टेट ग्रान्ट एक्ट/नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत कच्ची बस्ती/स्टेट ग्रान्ट का पट्टा चाहने हेतु ऑनलाइन आवेदन कर पत्रावलियाँ प्राप्त हुई हैं। यदि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद अवधि के किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा बाद समस्त जाँच के आवेदक को स्टेट ग्रान्ट एक्ट/नगरपालिका अधिनियम 2009 की धारा 69ए के तहत/कच्ची बस्ती के तहत पट्टा जारी किये जाने की अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

क्र. स.	ऑनलाईन पत्रावली सं.	आवेदक का नाम	पति/पत्नि का नाम	वार्ड नं.	भूखण्ड जहां स्थित है	आवेदन का प्रकार
1	336945	श्री सुरेश चन्द वर्मा	श्री विशम्भर दयाल	36	नमक कटरा पाई बाग, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
2	315222	हुमा	मुईनुद्दीन	11	अनाह गेट भरतपुर	69-ए
3	339039	चेतन	लालसिंह	32	गोलबाग रोड मथुरा गेट बाहर, भरतपुर	69-ए
4	315608	सुभाष चन्द जाटव	सोहनलाल	39	जामा मस्जिद सुभाष पार्क के पीछे, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
5	325401	महेश बाबू	गौरी शंकर	27	सहयोग नगर भरतपुर	69-ए
6	326485	अतर सिंह	बदले सिंह	22	अटलबन्द धाऊ पायसा, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
7	327832	शशि देवी	हेमन्त कुमार	28	गोपालगढ भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
8	328091	चन्द्रपाल सिंह	किशन सिंह	31	अरोडा हॉस्पीटल के सामने भरतपुर	69-ए
9	330275	मुकुट बिहारी	मोतीलाल	23	खेरापति मौहल्ला आर्य समाज रोड भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
10	330944	शिव देई	मोहन सिंह	38	नदिया मौहल्ला पथवारी के पास, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
11	330977	राजकुमारी	फतेह सिंह	38	नदिया मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
12	331001	मुन्द्रा देवी	मदन सिंह	38	नदिया मौहल्ला, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
13	331627	मुकेश	पूरन	59	नगला दिगम्बर रणजीत नगर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
14	335060	श्रीनाथ	भगवानदास	32	नगर निगम के पीछे बैकरी वाली गली, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
15	335074	ओमवती	कमल	32	गुलालकुण्ड मथुरा गेट बाहर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
16	335082	शिव सिंह	सुरेन्द्र सिंह	9	सेवर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
17	335331	लीला वती तनेजा	रामचन्द तनेजा	18	वासन गेट, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
18	335412	हरी सिंह	रतन लाल	14	अटलबन्द गेट कंकड वाली कुईया, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
19	335424	नारंगी	शिव सिंह	9	सेवर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
20	335429	गम्भीर सिंह	विधि चन्द	47	बछामदी भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
21	335514	पूरन देवी लक्ष्मी गुप्ता प्रीति गर्ग राधा	विशन लाल पवन कुमार जैन नरेन्द्र जिन्दल रूपेश कुमार	24	मथुरा गेट गुलालकुण्ड भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
22	335697	दुलीचन्द	नत्थीलाल	14	नगला हीरादास भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
23	335718	गंगाराम	नत्थीलाल	14	नगला हीरादास भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
24	335734	सुरेन्द्र शर्मा सुनीता शर्मा	रामबाबू शर्मा सुरेन्द्र शर्मा	36	छीपी मौहल्ला खिरनी घाट वासन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
25	335949	वीरेन्द्र शर्मा सन्तोष शर्मा	रामबाबू वीरेन्द्र शर्मा	36	छीपी मौहल्ला खिरनी घाट वासन गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
26	335971	हेमेन्द्र गोयल	कुमर चंद गोयल	43	गोयल भवन ब्यानिया मौहल्ला, दही वाली गली	स्टेट ग्रान्ट
27	335973	हेमेन्द्र गोयल	कुमर चंद गोयल	43	गोयल भवन ब्यानिया मौहल्ला, दही वाली गली	स्टेट ग्रान्ट
28	336147	मोतीलाल	फकीर चंद	23	आर्य समाज रोड खेरापति मौ0 भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
29	336844	सौना	किशन	19	अनाह गेट रूपराम कुण्डा पत्थर की टाल भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
30	337741	प्रभा कुमारी	देवेन्द्र कुमार मित्तल	32	मथुरा गेट बाहर नगर निगम के सामने भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
31	337698	प्रहलाद सिंह	पूरन सिंह	58	त्यौंगा भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
32	337743	प्रभा कुमारी	देवेन्द्र कुमार मित्तल	32	मथुरा गेट बाहर नगर निगम के सामने भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
33	337830	समुन्दर सिंह	सतीश चन्द	22	बीनारायण गेट के पास छौंकरा वाली बाखर भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
34	337839	फूलेन्द्र पाल सिंह	सतीश चन्द	22	बीनारायण गेट माली मौहल्ला भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
35	337892	चंचल	तेज पाल	22	धीमर मौहल्ला बीनारायण गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
36	335043	सुशमा कमलेश	मुकेश कुमार पुरूषोत्तम	39	गुड की मण्डी, रेखा नानगा गली, भरतपुर	69-ए
37	338465	मनोज कुमार गुप्ता	शिवचरन लाल गुप्ता	63	वाणिज्यिक- स्टेशन रोड बजरिया भरतपुर	69-ए
38	338469	नवीन कुमार गुप्ता	शिवचरन लाल गुप्ता	63	वाणिज्यिक- स्टेशन रोड बजरिया भरतपुर	69-ए
39	337897	हरीश चन्द	मदन लाल	22	धीमर मौहल्ला बीनारायण गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
40	337694	प्रदीप गोयल	रामजीलाल	21	बीनारायण गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
41	311500	मुकेश सिंह	बृजलाल	32	कच्ची सराय मथुरा गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
42	339116	इन्दुबाला	संजय कुमार	29	मौ0 गोपालगढ, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
43	313260	अखिल लवानियां	अखलेश लवानियां	27	केतन गेट के पास गोपालगढ, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
44	324696	निर्भय सिंघल	रूपचन्द	41	पुराना गंगा मंदिर बुद्ध की हाट, भरतपुर	मिश्रित उपयोग 69ए
45	324707	धर्मेन्द्र सिंघल	रूपचन्द सिंघल	41	प्राचीन गंगा मंदिर बुद्ध की हाट, भरतपुर	मिश्रित उपयोग 69ए
46	340546	कैलाश चन्द	रमेश चन्द	23	रेखा नानगा गली, सर्राफा बाजार, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
47	340552	राजेन्द्र कुमार	रमेश चन्द	23	रेखा नानगा गली, सर्राफा बाजार, भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
48	337250	अनिल गोयल	ओमप्रकाश गोयल	24	गुदडी मौहल्ला कोतवाली भरतपुर	69-ए
49	314232	कुंवर वीरेन्द्र सिंह	गजपत सिंह	60	वाणिज्यिक-नई मण्डी स्टेशन रोड भरतपुर	69-ए
50	341041	दिनेश, किशन	जग्गो	30	नये हॉस्पीटल के सामने, सरकूलर रोड भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
51	341171	गुलाब सिंह	कमलाराम	30	जघीना गेट लोधा बस्ती, गोपालगढ भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
52	307879	राजू सिंह	लद्दा सिंह	32	गुलालकुण्ड मथुरा गेट भरतपुर	स्टेट ग्रान्ट
53	230390	भूपेन्द्र शर्मा	बलराम शर्मा	18	अनाह गेट बजरिया, भरतपुर	69-ए

प्राधिकृत अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

संक्षिप्त

मंत्री ने मुक्ति रथ को रवाना किया

निवाई । राष्ट्रभक्ति के गौरव के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिला प्रशासन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला बाल संरक्षण इकाई, सिकोईडिकोन संस्था एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह मुक्ति रथ को मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व सांसद सुखबीरसिंह जौनपुरिया, जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह, जिला कलेक्टर कल्पना अठावाल व पुलिस अधीक्षक राजेशकुमार मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने रथ को रवाना करते हुए समाज को बाल विवाह रूपी बेडियों से मुक्त करने का आ ान किया। सिकोईडिकोन संस्था से देवेंद्र कुमार जांगिड़, विमल कुमार बंडल, राजेंद्र कुमार, किरण शर्मा व ममता शर्मा ने रथ के माध्यम से गाँव-गाँव तक बाल विवाह मुक्ति का संदेश पहुँचाने का संकल्प लिया। सिकोईडिकोन संस्था से देवेंद्र कुमार जांगिड़ ने बताया कि यह रथ जिले के सुदूर क्षेत्रों में जन-जन को इस कुरीति के विरुद्ध एकजुट करेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में अतिथियों ने बच्चों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक नई उम्मीद जगाई।

मोबाइल चोरी का खुलासा

फुलेरा । फुलेरा थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी के एक मामले का त्वरित खुलासा करते हुए शातिर आरोपी को महज 4 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। फुलेरा थानाधिकारी राजेंद्रकुमार यादव ने बताया कि 28 जनवरी को पीड़ित द्वारा मोबाइल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तकनीकी व मुखबिर तंत्र की सहायता से कार्रवाई करते हुए आरोपी कमलेश बुनकर उर्फ कमल निवासी बुनकरों का मौहल्ला, बुगालिया पुनाना थाना कालवाड़ जिला जयपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने मोबाइल चोरी की वारदात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव के लिए आरओ नियुक्त

दौसा । जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलैक्टर देवेन्द्र कुमार ने राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में आगामी नगर परिषद एवं नगर पालिका चुनाव में वार्ड पार्षद, अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए निर्वाचन अधिकारी (आरओ) एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) की नियुक्ति की है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नगर परिषद दौसा के लिए उपखण्ड अधिकारी दौसा को रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार दौसा को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, नगर पालिका बांदीकुई के लिए उपखण्ड अधिकारी बांदीकुई को रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार बांदीकुई को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, महवा के लिए उपखण्ड अधिकारी महवा को रिटर्निंग अधिकारी एवं तहसीलदार महवा को सहायक रिटर्निंग अधिकारी, सिकराय के लिए उपखण्ड अधिकारी सिकराय को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया।

पावटा में यूजीसी के विरोध में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पैदल मार्च निकाला

पावटा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा हाल ही में जारी किए गए जातीय भेदभाव से जुड़े आदेशों को लेकर सामान्य वर्ग में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों व सामान्य वर्ग के प्रतिनिधियों द्वारा

पावटा रामलीला मैदान से उपखंड अधिकारी कार्यालय पावटा तक पैदल मार्च और आक्रोश प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोग पावटा स्थित उपखंड कार्यालय पहुंचे और यूजीसी एक्ट के खिलाफ जमकर नारेबाजी की व उपखंड अधिकारी पावटा साधना शर्मा के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक औपचारिक ज्ञापन सौंप यूजीसी कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान सवर्ण समाज के लोगों ब्राह्मण महासभा नगर पावटा पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, अठावाल महासभा पावटा अध्यक्ष बलदेव

यूजीसी के विरोध में सवर्ण समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी साधना शर्मा को ज्ञापन सौंपा।

गोयल ने कहा कि प्रस्तावित यूजीसी कानून शिक्षा व्यवस्था, विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और सामाजिक संतुलन के लिए घातक है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कानून को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सवर्ण समाज ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इक्वलिटी कमेटी में सभी वर्गों का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए, झूठी शिकायतों पर दंडात्मक प्रावधान पुनः जोड़े जाएँ, शिकायत निवारण प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध एवं निष्पक्ष बनाया जाएउपखंड अधिकारी साधना शर्मा ने

■ यूजीसी का यह आदेश जातीय विभाजन को बढ़ावा देने वाला : सुरेश शर्मा

ज्ञापन को उच्च स्तर तक भेजने का आश्वासन दिया। इस दौरान ब्राह्मण महासभा नगर पावटा पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, एडवोकेट विष्णु पटेल, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शर्मा, अग्रवाल महासभा पावटा अध्यक्ष बलदेव गोयल, अठावाल महासभा पावटा उपाध्यक्ष पंकज जिंदल, अठावाल महासभा पावटा कोषाध्यक्ष अमित पंसारी, पवन शर्मा, नितेश शर्मा, नितिन सिंह , दिनेश गौड, विकाश शर्मा, आशीष शर्मा , हिमांशु पटेल, राजू पटेल, कुनाल मुद्गल, रूपसिंह सहित बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे।

एक ही रात में ग्यारह जगह चोरी

दूदू । निकटवर्ती मोकमपुरा पुलिस थाना क्षेत्र में चोरों के गिरोह ने एक ही रात में 11 जगह चोरी की वारदात को अंजाम दिया । लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात चुरा कर ले जाने के साथ ही पालू गांव से 10 किसानों के कुओं पर लगी बोरिंग की केबल वी इलेक्ट्रिक कांटा ले जाने का मामला मोखमपुरा पुलिस थाने में दर्ज कराया । मोखमपुरा बस स्टैंड पर संचालित ज्वैलरी की दुकान मालिक ऋषभ सोनी ने रिपोर्ट दर्ज करवा कर अवगत कराया की चोरों के गिरोह ने दुकान का तारा तोड़कर पांच तोला सोने 4 किलो चांदी के गहने ले जाएं गये। थाना प्रभारी सुरेश कुमार मय पुलिस जाब्ते के पहुंचे पश्चात सीसीटीवी कैमरे खंगाले जाकर खोजबीन के साथ एफएसएल टीम को बुलाया । किसान रामस्वरूप लांबा कल्याण पटेल सरवन लंबा मूलचंद जांदू रामेश्वर पटेल भागीरथ बलाई राम सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवा कर अवगत कराया की एक ही रात में एक साथ वारदात को अंजाम दिया गया ।

टीबी मरीजों को निक्षय पोषण किट का वितरण

कोटपूतली। संभागीय आयुक्त पूनम गुरुवार को जिले के दौरे पर रहीं, इस दौरान उन्होंने राजकीय सरदार जानना अस्पताल कोटपूतली परिसर में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान और निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की कोटपुतली इकाई द्वारा सीएसआर के अंतर्गत आयोजित किए गए कार्यक्रम में मरीजों को पोषण किट का वितरण किया। संभागीय आयुक्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि टीबी को नियमित दवा एवं पौष्टिक आहार लेने से छः माह में खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोटपूतली में अब सिर्फ 1089 टीबी के मरीज हैं और नियमित दवा एवं पौष्टिक आहार लेने से इस बीमारी से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा सीएसआर में किए जा रहे कार्य की

संभागीय आयुक्त पूनम ने कोटपुतली में मरीजों को पोषण किट का वितरण किया।

■ सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेते हुए टीबी का पूर्ण इलाज करायें : संभागीय आयुक्त

सराहना की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों व कार्मिकों सहित मरीज भी टीबी से सावधानी एवं उपचार के बारे में आमजन को जागरूक करें जिससे कि इस बीमारी का जड़ से खात्मा हो सके, सरकार टीबी रोकथाम के लिए मुफ्त इलाज सहित विभिन्न जागरूकता अभियानों के साथ विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसका आमजन लाभ उठायें। इस दौरान उन्होंने टीबी का मुफ्त इलाज एवं निक्षय किट प्राप्त करने वाले मरीजों से संवाद कर फीडबैक प्राप्त किया साथ ही सरकार द्वारा प्राप्त हो रहे लाभों के बारे में आमजन को वॉलंटियर के रूप में कार्य कर जागरूक करने को कहा। एसएमएचओ ने बताया कि पोषण किट के अंदर चना, मूंगफली, राजमा, सोयाबीन की बड़ी एवं मिक्स दाल है जो कि मरीजों के लिए पौष्टिक आहार का काम करेगी। उन्होंने बताया कि टीबी की दवा का कोर्स छः माह का होता है और दवा के साथ-साथ यह किट मरीजों को प्रतिमाह दी जाएगी।

मतदाता जागरूकता रैली निकाली

दौसा। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचर ट्रेनिंग बनियाना के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को महाविद्यालय के शिक्षा-परिसर सभागार में मतदाता जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें श्री दामोदर प्रसाद खंडेलवाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बनियाना, राजकीय बालिका वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय बनियाना के बालक-बालिकाओं एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड के गाइड ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक एवं इंडियन इंस्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ. विजय प्रकाश शर्मा ने बताया कि मेरा भारत केंद्र, दौसा (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के जिला युवा अधिकारी दिनेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता, सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य भूपेंद्र कुमार चौहान के मुख्य अतिथ्य, हिंदुस्तान स्काउट गाइड के सी.ओ.सोनू शर्मा, संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह मीणा, मेरा भारत केंद्र, दौसा के रमाशंकर शर्मा, व्याख्याता भूपेंद्र कुमार मीणा एवं शारी.शि.फूलचंद बैरवा के विशिष्ट आतिथ्य में महाविद्यालय के सभागार में लगभग 700 शिक्षार्थियों का मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होने बताया कि मां भारती एवं सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्वलन, वंदे मातरम एवं अतिथियों के सम्मान के पश्चात प्रथम बार मतदान करने वाले लगभग 50 युवाओं को मेरा भारत की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये जिला युवा अधिकारी दिनेश जांगिड़ ने कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य एवं मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मतदाता पंजीकरण तथा मतदाता विवरण में सुधार हेतु प्रोत्साहित किये जाने के साथ जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को सुधार करना बताया। मुख्य अतिथि सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य भूपेंद्र सिंह चौहान ने विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणराज्य भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा मतदान द्वारा ही संभव बताते हुए मतदाता शपथ दिलवाकर निष्पक्ष मतदान तथा जिम्मेदार नागरिकता निर्वाण का संदेश प्रदान किया। विशिष्ट अतिथि मेरा भारत के रमाशंकर शर्मा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भूपेंद्र कुमार मीणा, फूलचंद बैरवा, हिंदुस्तान स्काउट गाइड के सी.ओ. सोनू शर्मा, इंडियन विशेष विद्यालय के प्रधानाचार्य गंगाराम महावर ने मतदान जागरूकता का संदेश प्रदान किया। मंचिय कार्यक्रम संपन्नता के पश्चात इंडियन कॉलेज के शिक्षा-परिसर से मतदाता जागरूकता पदयात्रा (रैली) निकाली गई।

'अधिवक्ताओं को बैठने के लिये पर्याप्त चैम्बर हो'

भरतपुर (निस)। राजस्थान विधान सभा में प्रश्नकाल के दौरान पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं की सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही उनके बैठने के लिये चौम्बर उपलब्ध कराने का मुद्दा जोरदारी के साथ उठाया। विधायक डॉ. गर्ग ने विधान सभा की पटल पर अधिवक्ताओं की सुविधाओं को लेकर प्रश्नकाल के दौरान कहा कि प्रदेश के सभी न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं को बैठने के लिये उचित व्यवस्थाओं की कमी है। भरतपुर संभाग मुख्यालय पर भी अधिवक्ताओं के लिये चौम्बरों का अभाव होने के कारण अधिवक्ताओं के साथ ही आगुन्तक मुवक्किलों को भी पर्याप्त स्थान बैठने के लिये नहीं है। भरतपुर में 144 अधिवक्ताओं के लिये मात्र 36 चौम्बर बने हुये हैं। जिनमें वे व आने वाले मुवक्किल बडी मुश्किल से बैठ पाते हैं। ऐसे में लगता है कि वह किसी अधिवक्ता का चौम्बर न होकर कोई थडी हो। उन्होंने आग्रह किया कि जिस तरह से न्याय पालिका अपने लिये निर्णय लेकर सरकार से सुविधायें उपलब्ध करा लेती हैं, उसी प्रकार एजी के माध्यम से उच्च न्यायालय में अपील कर अधिवक्ताओं के लिये भी चौम्बर उपलब्ध कराने की पहल की जाये।

'राज किसान गिरदवारी' एप से किसान स्वयं कर सकेंगे अपनी गिरदवारी

दौसा। राजस्व विभाग की ओर से रबी गिरदवारी संवत 2082 के तहत किसानों को सशक्त बनाने के लिए 'किसान गिरदावरी' की सुविधा शुरू की गई है। अब किसान अपनी फसल का विवरण स्वयं अपने मोबाइल के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे।

इस डिजिटल पहल का उद्देश्य गिरदावरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और किसानों को गिरदावरी के लिए पटवारियों पर निर्भरता से मुक्त करना है। भू अभिलेख प्रभारी एवं दौसा उपखंड अधिकारी संजू मीणा ने बताया कि किसान सरल चरणों का पालन कर अपनी फसल की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं।

सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से 'राज किसान गिरदवारी' की अधिकृत ऐप डाउनलोड करना होगा। इसके बाद अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉगिन कर अपनी जमाबंदी एवं खसरा नंबर का चयन करना होगा। खेत अथवा खसरा नंबर की जानकारी के अभाव में अपनी लोकेशन देखकर ऑप्शन द्वारा अपने खसरे की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इसके पश्चात् खेत में खड़े होकर फसल की लाइव फोटो तथा फसल के साथ जीपीएस लोकेशन के साथ सेल्फी खींचें। इसके साथ विवरण दर्ज करना

■ रबी गिरदावरी के तहत किसानों को सशक्त बनाने के लिए 'किसान गिरदावरी' की सुविधा शुरू की गई है।

होगा एवं जानकारी की जांच कर उसे सुरक्षित (सबमिट) करनी होगी। भू अभिलेख प्रभारी ने बताया कि स्वयं गिरदावरी से किसान अपनी फसल का सही एवं सटीक विवरण दर्ज कर सकेगा। तहसील या पटवार घर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, घर बैठे या खेत से ही काम संभव हो सकेगा जिससे समय की बचत होगी। प्राकृतिक आपदा या खराबे की स्थिति में स्वयं द्वारा की गई गिरदावरी बीमा क्लेम प्राप्त करने में सहायक होगी। फसल के प्रकार या किस्म को लेकर होने वाली गलतियों की संभावना खत्म हो जाएगी जिससे विवादों से मुक्ति मिलेगी। भू अभिलेख प्रभारी अधिकारी संजू मीना ने बताया कि स्वयं गिरदावरी दर्ज करने की निर्धारित समय सीमा 5 मार्च तक है। समय सीमा समाप्त होने के बाद यह पोर्टल बंद हो जाएगा और केवल पटवारी ही गिरदावरी कर सकेंगे।

सार-समाचार

मांगे नहीं मानने पर जयपुर कूच करेंगे किसान

टोंक । भगत सिंह सेना के प्रमुख एवं किसान नेता नरेश मीणा ने गुरुवार को मुख्यालय स्थित निजी होटल शीतल होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र के सोंप स्थित कोटडी मोड चौराहे पर होने वाले विशाल जन आंदोलन को लेकर सरकार के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का ऐलान किया। इस दौरान नरेश मीणा ने कहा कि यदि सरकार ने किसानों, युवाओं और आम जनता की मांगों को तय समय में नहीं माना, तो यह आंदोलन जयपुर कूच में परिवर्तित होगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। इस मौके पर नरेश मीणा ने बताया कि जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक के साथ लगभग दो घंटे तक विस्तृत वार्ता हुई, जिला स्तर के कई मुद्दों पर सहमति बनी है, जबकि राज्य सरकार से जुड़े विषयों को शासन के समक्ष रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को आज का समय दिया गया है, अन्यथा हजारों लोगों के साथ कोटडी मोड़ चौराहा सोंप से जयपुर कूच किया जाएगा। यह आंदोलन अहिंसात्मक और गांधीवादी तरीके से होगा, लेकिन सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई होगी, उन्होंने समरावता प्रकरण, 14 गांवों को उनियारा में जोड़ने, 60 युवाओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, मुआवजा वितरण, समर्थन मूल्य, फसल बीमा, सड़क, पानी, टोल, पुलिस उत्पीड़न और जल जीवन मिशन से जुड़ी मांगों को प्रमुखता से रखा। प्रेस वार्ता में नरेश मीणा ने हजारों करोड़ के बजरी घोटाले को लेकर कई बड़े नेताओं के नाम लेकर गंभीर आरोप लगाए।

कुष्ठ जागरुकता पखवाड़ा शुरु

टोंक । जिले में कुष्ठ निवारण दिवस के तहत आज स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान-पखवाडा चलाया जाएगा। जिसको लेकर सीएमएचओ डॉ शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने एवं कुष्ठ रोग मुक्त भारत करने की दिशा में आमजन को कुष्ठ रोग की जानकारी दी जाएगी। कुष्ठ रोग का निदान करना आसान है। इसका इलाज सम्भव है। किसी भी प्रकार के लक्षण प्रकट होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर परामर्श व इलाज निशुल्क करावे। सीएमएचओ चौधरी ने बताया कि जिले के समस्त नागरिकगण एवं अधिकारी ध्कर्मचारी गण विकसित भारत अभियान के अवसर पर मिलकर यह संकल्प करे कि हम अपने जिले को ष्कुष्ठ रोग मुक्तष बनाने में कोई कसर नही छोडेगे। कुष्ठ रोग का निदान करना आसान है और इसका इलाज सम्भव है। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग जिले में कुष्ठ रोग के सभी मामलों को यथाशीघ्र खोजने का प्रयास करेगें और अपने जिले में उपलब्ध सभी संसाधनों का पूर्ण उपयोग कर कुष्ठ रोग मुक्त लक्ष्य प्राप्त करने की हर सम्भव कोशिश करेंगें। उन्होंने आमजन से अपील की वे कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति एवं उनके परिवार के सदस्यों के साथ किसी तरह का भेदभाव नही करेगें और ना ही किसी ओर को करने देगें। हम व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से भी समाज में कुष्ठ रोग के प्रति कलंक, फैली भ्रान्तियों एवं भेदभाव को मिटाने के लिए काम करेगें एवं कुष्ठ रोग प्रभावित व्यक्तियो को समाज की मुख्यधारा मे जोड़ने का प्रयास करेंगें।

सर्वे कार्य जारी

दौसा। राज्य में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर (घरेलू पर्यटन व्यय सर्वेक्षण) के अन्तर्गत जिले के ठाामीण एवं शहरी क्षेत्रा में चयनित ग्राम एवं नगरीय खण्ड में सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। जून 2026 तक चलने वाला यह कार्य आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के अधीन जिला सांख्यिकी कार्यालय में पदस्थापित कार्मिकों की ओर से सम्पादित किया जा रहा है। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने सरपंचों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, समाज के प्रबुद्धजनों, व्यापार सोसाइटियों और उद्यमी संगठनों से अपने क्षेत्र में लोगों को एनएसएस सर्वेक्षणों के महत्त्व के बारे में जानकारी देने का आठाह करते हुए बताया कि यह सर्वे कार्य सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं के संबंध में जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष किया जाता है। इस अंतर्गत सांख्यिकी कार्यालय के कार्मिक सर्वे के लिए आते हैं और गांव, शहर, परिवारों या व्यवसायों से जानकारी लेते हैं। दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहती है और निजता का पूरा ख्याल रखा जाता है। इसका उपयोग केवल योजनाओं को बेहतर बनाने के लिए होता है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी कार्यालय के कार्मिक जब सर्वे के लिए आएं तो उन्हें सही और पूरी जानकारी दें, ताकि संकलित सूचनाओं का राष्ट्रीय योजनाओं के निर्माण एवं नीति-निर्धारण में उपयोग किया जा सके।

शल्य चिकित्सा शिविर शुरु

दूदू । नगर पालिका मुख्यालय पर एक निजी गार्डन परिसर में राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं आयुर्वेद विभाग जयपुर व क्षेत्र के संयुक्त तत्वाधान में 10 दिवसीय अंतरंग अर्श भगंदरक्षार सूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया जाकर 222 रोगियों का पंजीकरण किया गया शिविर प्रभारी डॉक्टर अंशुमान चतुर्वेदी ने बताया कि पंजीकरण के बाद 62 रोगियों की जांच की जाकर 32 रोगी ऑपरेशन योग्य पाए गए शिविर का समापन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा सरकार की मंशा के अनुरूप क्षेत्र की जनता के जो इस रोग से पीड़ित है को लाभान्वित किया जाएगा फोटो शिविर के दौरान जांच करते हुए चिकित्सक

लूट का आरोपी पकड़ा

दूदू । स्थानीय थाने की पुलिस ने हरसोली गांव में गत 15 जनवरी को अज्ञात बदमाशों द्वारा लापोडिया निवासी बिरदा राम की पत्नी की नाथ लूट कर ले जाने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने टीम गठित किया आरोपी करण सियोता निवासी दूदू को गिरफ्तार कर लिया । पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथी कृष्ण गोपाल के साथ मिलकर हरसोली व मौजमाबाद क्षेत्र में नाथ लूट की वारदात को अंजाम देना कबूल किया पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश मेंजुटी है ।

उन्नत बीज से सशक्त होगा किसान: डॉ. विजय वीर सिंह

भरतपुर (निस)। भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर द्वारा 'राई-सरसों में उन्नत बीज उत्पादन तकनीक एवं प्रबंधन' विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अखिल भारतीय समन्वित बीज अनुसंधान(फसलें) गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, मऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्त-पोषित थी।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ. विजय वीर सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन ही कृषि उत्पादन एवं किसानों की आय वृद्धि का आधार है। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्मों के साथ-साथ वैज्ञानिक पद्धितयों से उत्पादित बीज किसानों तक पहुँचाकर ही देश की तिलहन उत्पादन क्षमता को सुदृढ किया जा सकता है।

उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक स्तर पर अपनाने का आ ान किया। उन्होंने ने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से राई-सरसों के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा ।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों से आए 30 किसानों ने उन्नत बीज उत्पादनतकनीक के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षणके समन्वयक डा.भागीरथ राम, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर ने राई-सरसों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राई-सरसों फसलों का परिचय उन्नत किस्मों के चुनाव एवं बीज उत्पादन तकनीकी की जानकारी दी। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रभु दयाल मीना, डॉ अशोक कुमार शर्मा, डॉ. राम स्वरुप जाट, डॉ आर एल चौधरी, डॉ. हरिओम शर्मा एवं डॉ. मोहन लाल दोतानिया द्वारा राई-सरसों के जननद्रव्यों का फसल सुधर में उपयोगिता एवं महत्व, कीट. रोग प्रबंधन, राई-सरसों उत्पादन की सस्य क्रियाएं एवं पोषक तत्व प्रबन्धन, मधुमक्खी पालन का राई-सरसों फसल उत्पादन में योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से व्याख्यान दिए गए।

मोटर पार्ट्स की दुकान के बाहर रखा इंजन चोरी

पावटा । कस्बा क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताज़ा मामला पावटा स्थित अठावाल ट्रेडर्स मोटर पार्ट्स की एक दुकान के बाहर से सामने आया है, जहां अज्ञात चोर 28 जनवरी की रात 2 बजे दुकान के बाहर रखा भारी वाहन इंजन चोरी कर ले गए। हैरानी की बात यह रही कि चोर इंजन को पैदल ही कई किलोमीटर दूर तक ले गए, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। दुकान मालिक रूपनारायण पंसारी, नवीनत पंसारी के अनुसार मोटर पार्ट्स की दुकान के बाहर मरम्मत के लिए एक इंजन रखा गया था। रात के समय मौका पाकर अज्ञात चोर इंजन को उठा ले गए। सुबह जब दुकानदार दुकान पर पहुंचा तो इंजन गायब मिला। आस पास तलाश करने पर भी इंजन का कोई सुराग नहीं लग पाया। वही जब आस पास लगे कैमरों के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो इतना भारी इंजन पैदल ले जाना सुनियोजित चोरी की ओर इशारा करता है और इसमें एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। घटना के बाद व्यापारियों में रोष व्याप्त है ।

ड्रग की समस्या से निपटने में युवाओं और महिलाओं की भागीदार के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए : एडीएम

खैरथल। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सचिवालय खैरथल पर नार्को कोआर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी एवं जिला स्तरीय खनिज विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं अवैध खनन निगरानी समिति की बैठक का आयोजन हुआ । बैठक के दौरान जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी, अफीम या गांजे की अवैध खेती, ट्रामाडोल कोडिन आधारित खांसी की दवाई, भांग के वैध ठेको पर संचालित अवैध गतिविधियों की रोकथाम, पुलिस विभाग में अन्य विभागों द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही, एनडीपीएस अधिनियम और दवाइयां के हानिकारक प्रभाव के प्रावधान के बारे में जागरूकता साहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने बैठक में जिले में पुलिस विभाग को नशीले पदार्थों की तस्करी तथा बेचान के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एनडीपीएस एक्ट में खैरथल पुलिस 1 जनवरी 2026 से 28 जनवरी तक द्वारा 10 प्रकरणों में 10 मुलजिमों को

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने जिला सचिवालय पर नार्को कोऑर्डिनेशन केंद्र पर अधिकारियों की बैठक ली

■ जिला समिति की बैठक में पुलिस,खनन, चिकित्सा, आबकारी सहित विभाग अधिकारियों को दिए अवैध खनन व नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की रोकथाम को लेकर निर्देश।

गिरफ्तार कर 26 लीटर हथकड शराब जप्त कर कार्रवाई की गई। भिवाड़ी पुलिस द्वारा इस वर्ष 27 जनवरी तक एनडीपीएस एक्ट में मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई कर दो प्रकरणों में दो मुलजिम को गिरफ्तार कर 52 ग्राम गांजा एवं 73 शीशी 100 की (ऑन रेक्स कफ सिरप 100 मल कोडिंग फास्फेट नारकोटिक घटक) जप्त की गई । साथ ही 16 प्रकरणों में 16 मुलजिमों को गिरफ्तार कर 57 लीटर हथकड शराब एवं 34.56 लीटर देशी शराब जप्त की। आबकारी विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक 129 प्रकरण दर्ज कर 4.13 लाख लीटर वाश नष्ट की व 1285 लीटर हथकड जप्त कि एवं 877 फर्नेस को ध्वस्त किया गया।भिवाड़ी पुलिस द्वारा वर्ष 2025 में 32 प्रकरणों में 48 मुजरिम को गिरफ्तार कर 30.784 किलो गांजा, 445.02 ग्राम स्मेक, 86.8 ठााम चिट्टा, 13.65 किलो डोडा चूरा जप्त किया एवं खैरथल पुलिस वर्ष 2025 में द्वारा 28 किलो 743 ठााम गांजा पकड़ कर 10 प्रकरणों में 13 मुलजिमों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने मेडिकल विभाग के अधिकारियों को कोरेक्स कप सिरप की अवैध बिक्री पर मेडिकल संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिस पर सहायक औषधि नियंत्रक ने बताया कि मेडिकल स्टोर पर एनडीपीएस कैटेगरी की औषधियां का निरीक्षण में पाई गई कमियों के आधार पर मैसर्स एटीएस फार्मा मुंडावर रोड, हरसोली एवं मैसर्स सनलाईफ फार्मा, नियर बालाजी हॉस्टल, किशनगढ़बास पर लाइसेंस कैंसिल करने की कार्रवाई की गई। जिले में ड्रग की समस्या से निपटने में युवाओं और महिलाओं की भागीदार हेतु जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए तथा उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी स्कूलों में कार्यशाला आयोजित कर छात्र-छात्राओं को जागरूक करने की निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने पुलिस वन एवं खनिज विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की समीक्षा की। खनन अभियंता ने बताया कि संबंधित विभागों द्वारा अवैध खनन,निर्गमन, भंडारण के विरुद्ध 29 दिसंबर से 15 जनवरी तक 25 प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई।

मुझे खेल में मजा नहीं आ रहा था। मुझे लग रहा था कि जब मुझे क्रिकेट खेलने में मजा ही नहीं आ रहा तो मैं क्यों खेल रहा हूँ? और इससे मुझे तकलीफ हो रही थी। और जिस दिन मैंने खेलना बंद किया, मैं फिर से पहले जैसा हो गया। - **युवराज सिंह**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पवन रत्नायके

पवन रत्नायके को दो रात पहले तीसरे वनडे में 115 गेंदों पर 121 रन बनाने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका की टी-20 टीम में शामिल किया गया है। 23 साल के इस खिलाड़ी ने आखिरी बार नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 खेला था और वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी-20 मैचों के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। लेकिन उनकी पारी, भले ही हार का कारण बनी, ने एक बार फिर सिलेक्शन के दरवाजे खोल दिए हैं। वर्ल्ड कप को-होस्ट करने से पहले श्रीलंका की आखिरी सीरीज से पहले टीम में कुछ खास खिलाड़ी नहीं हैं।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट में कई वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं, लेकिन सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय रन (34,357) और 100 शतक (टेस्ट और वनडे मिलाकर) का रिकॉर्ड है।

सनत सांगवान का शतक, दिल्ली ने बनाये 221 रन

मुंबई, 29 जनवरी। सनत सांगवान (118) और वैभव कांडपाल की उनके साथ शतकीय साझेदारी की बदौलत दिल्ली ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मुंबई के खिलाफ 221 का स्कोर बनाया और उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई का दिन का खेल समाप्त होने के समय 13 रन पर एक विकेट झटक लिया। आज यहां टॉस जीतकर मुंबई ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने अपना पहला विकेट ध्रुव कौशिक (सात) के रूप में गंवा दिया। उन्हें तुषार देशपांडे ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वैभव कांडपाल ने सनत सांगवान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिय 100 रनों की साझेदारी हुई। 38वें ओवर में शम्स मुलानी ने वैभव कांडपाल (32) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मोहित अवस्थी ने तीन विकेट झटक कर दिल्ली को झकझोर दिया। आर्यन राणा (10), कप्तान आयुष डोसेजा (शून्य) और सुमित माथुर (दो) रन बनाकर आउट हुये। 70वें ओवर में शम्स मुलानी ने सनत सांगवान को आउटकर दिल्ली के बड़े स्कोर की उम्मीद को तोड़ दिया। सनत सांगवान ने 218 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 118 रनों की पारी खेली। प्रणव राजवंशी (39) ने कुछ देर संघर्ष किया। वह नौवें विकेट के रूप में आउट हुए। 77वें ओवर में मोहित अवस्थी ने मनी ग्रेवाल (शून्य) को आउट कर दिल्ली की पारी को 221 पर समेट दिया। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने पांच विकेट लिये। तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी को दो-दो विकेट मिले।

हर्ष दुबे का कमाल, विदर्भ ने यूपी को 237 पर रोका

नागपुर, 29 जनवरी। हर्ष दुबे (छह विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के पहले दिन उत्तर प्रदेश को 237 रनों के स्कोर पर रोकने के बाद स्टंप्स तक बिना कोई विकेट खोए 33 रन बना लिये। आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 109 के स्कोर तक अपने छह विकेट गंवा दिये थे। माधव कौशिक (चार), अभिषेक गोस्वामी (14), कप्तान आर्यन जुयाल (12), आदित्य शर्मा (18), सिद्धार्थ यादव (19) और शिवम शर्मा एक रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय ध्रुव जुरेल और शिवम मावी की जोड़ी ने पारी को संभाला और सातवें विकेट के लिए 92 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर की ओर ले गये। 59वें ओवर में यश कदम ने शिवम मावी 57 गेंदों में (47) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 63वें ओवर में हर्ष दुबे ने शतक की ओर बढ़ रहे ध्रुव जुरेल को आउटकर उत्तर प्रदेश को बड़ा झटका दिया। ध्रुव जुरेल ने 122 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 96 रनों की पारी खेली। इसके बाद उत्तर प्रदेश की पारी 68.5 ओवरो में 237 के स्कोर पर सिमट गई। कार्तिक यादव 17 रन बनाकर नाबाद रहे। विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने छह विकेट लिये। प्रफुल हिंगे, नचिकेत भूटे, पार्थ रेखड़े और यश कदम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी कंचन हुड्डा, अनाया गर्ग के आतिशी शतक, नव्या, वृंदा शर्मा के अर्द्धशतक

जयपुर, 29 जनवरी। आज से राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 23 वीमेन चैलेंजर ट्रॉफी के दूसरे दिन कंचन हुड्डा, अनायागर्ग के आतिशी शतक, नव्या, वृंदा शर्मा के अर्धशतक। **पहला मैच टीम सी - टीम ऐ** (टीम ऐ जीती), टीम ऐ पारी 241 / 3, टीम के लिए अनाया गर्ग 137, माहि सेठ 46 व अक्षिता24 रन। टीम सी की गेंदबाज उषा, तम्मना, ढुडी1-1 विकेट। टीम सी पारी 119 आल आउट। टीम के लिए तंशिका34 व प्रिया 22 रन। टीम ऐ की गेंदबाज यशस्वी कट्टा 15 / 2 व अंकिता मेहला 38 / 2 विकेट।

दूसरा मैच टीम बी - टीम डी (टीम डी जीती) टीम बी पारी 229 / 6, टीम के लिए कंचन हुड्डा नाबाद 151 व प्रतीक्षा 34 रन। टीम डीकी गेंदबाज अंजलि, याना, मनस्वी, ज्योति व नेहा 1 - 1 विकेट। टीम डी पारी 233 / 7, टीम के लिए नव्या 81 व वृंदा शर्मा 67 रन। टीम बी की गेंदबाज निशा, दर्ष्टिव निकिता1 - 1 विकेट।

राजस्थान-पॉन्डिचेरी रणजी : राजस्थान पहली पारी में 168 ऑल आउट

ज़यपुर, 29 जनवरी। पॉन्डिचेरी में आज से शुरू हुए राजस्थान - पॉन्डिचेरी रणजी मैच के पहले दिन का स्कोर :-राजस्थान पहली पारी 168 आल आउट।टीम के लिए दीपक चौधरी 64, दीपक हुड्डा 36, रामनिवास गोलाडा 31 रन। पॉन्डिचेरी के गेंदबाज करं 37/5 व सागर 54/3, पॉन्डिचेरी पहली पारी 77/2,राजस्थान के गेंदबाज दीपक चौधरी, मोहित छांगरा1-1 विकेट। इंदौर में खेली जा रही राज सिंह डूंगरपुर अंडर 14 ट्रॉफी के राजस्थान - यूपीसीएफाइनल मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-राजस्थान पहली पारी 218 आल आउट।टीम के लिए पुनीत यादव 71, मुकुल कौशिक 33, गौरव पुनिया 29, आयुष रविंद्र 22, अनमोल शर्मा 20, नलिन दुल्लर 19 रन। यूपीसीए के गेंदबाज अर्णव 40 / 3 विकेट। यूपीसीए पहली पारी 546/7, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक यूपीसीएटीम के लिए हर्ष 188, आयुष्मान 157 रनो की सहायता से 7 विकेट के नुकसान पर 546 रन बना लिए थे। राजस्थान के गेंदबाज अभिमन्यु चौधरी 99/3, अनमोल शर्मा 88/2 व भावेश बघेल 80/1 विकेट।

मैं अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट हूं : शिवम दुबे

विजाग, 29 जनवरी। भारत के ऑलराउंडर शिवम दुबे ने बुधवार को चौथे टी20 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ भारत की हार में जबरदस्त हाफ सेंचुरी बनाने के बाद कहा कि वह आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के मुताबिक, दुबे ने 15 गेंदों में फिफ्टी लगाई, जो पुरुष टी20 में किसी भारतीय की तीसरी सबसे तेज फिफ्टी है, उन्होंने नंबर 6 पर आने के बाद 65 रन बनाए, जो ब्लैक कैप्स से 50 रन से हारने के बावजूद मेजबान टीम के लिए सबसे शानदार परफॉर्मेंस थी।

खेल के बाद दुबे ने कहा, ''मैं अपनी सोच को बेहतर बना रहा हूं क्योंकि मैं अब ये सभी मैच खेल रहा हूं।मैं उन सिचुएशन में बैटिंग कर रहा हूं, इसलिए अब मुझे पता है कि क्या होने वाला है और कौन से बॉलर मुझ पर अटैक कर सकते हैं। यही मेरी बैटिंग और बॉलिंग के लिए भी खास बात है।'' 32 साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि मैच के हालात में मिले अनुभव ने उन्हें अपने काम को बेहतर बनाने में मदद की है। उन्होंने कहा, ''जब आप नेट्स में सच में बहुत मेहनत करते हैं तो एक बात होती है, लेकिन आपको इसे मैच में भी इस्तेमाल करना होता है। अनुभव मेरे पास आया है, और यह सही दिशा में जा रहा है।'' इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम कॉम्बिनेशन 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर चुना गया था।

सूर्यकुमार ने कहा, ''हमने आज जानबूझकर छह बैटर खिलाए। हम पांच सही बॉलर चाहते थे और खुद को चैलेंज करना चाहते थे।अगर हम 180 या 200 रन का पीछा कर रहे हैं और हम दो या तीन विकेट खो चुके हैं, तो हम देखना चाहते थे कि यह कैसा दिखता है। हम वर्ल्ड कप टीम के सभी खिलाड़ियों को खेलने का समय भी देना चाहते थे।''

यह जीत न्यूज़ीलैंड की पांच मैचों की सीरीज में पहली जीत थी, और कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा कि यह दौरा ग्लोबल इवेंट के लिए आइडियल तैयारी साबित हो रहा है। सेंटनर ने कहा, ''वर्ल्ड कप के लिए भारत में भारत के खिलाफ खेलने से बेहतर कोई तैयारी नहीं है।यह हमारे प्लान को सही करने और कप से पहले अपनी भूमिकाएं तय करने के बारे में है।'' भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच पांचवां और आखिरी टी20 शनिवार को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

बांग्लादेश को यू टर्न : क्रिकेट टीम को 'नो' के बाद अब शूटिंग टीम को दी इंडिया टूर की इजाजत

नई दिल्ली, 29 जनवरी। आगामी एशियाई एयर गन चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए बांग्लादेश का एक शूटिंग प्रतिनिधिमंडल भारत जा रहा है। बांग्लादेश शूटिंग फेडरेशन के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करने वाला एक छोटा समूह है। बांग्लादेश शूटिंग फेडरेशन की महासचिव अलेया फरदौसी ने बताया कि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल में एक शूटर और एक कोच शामिल हैं। शूटर का नाम रोबिउल इस्लाम और कोच का नाम शर्मिन अख्तर है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उन्हें भारत जाने और प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति दे दी है। फरदौसी ने आगे बताया कि बांग्लादेशी शूटिंग प्रतिनिधिमंडल 31 जनवरी को भारत के लिए रवाना होगा। इससे पहले, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, अब प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने शिकार प्रतिनिधिमंडल को भारत जाने की अनुमति दे दी है।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण अपनी टीम को भारत भेजने से इनकार करने के बाद आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी20 विश्व कप में शामिल किया।

महिला ताज के लिए भिडेंगी आर्यना सबालेंका और एलेना रायबाकिना

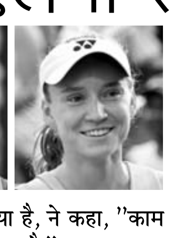

मेलबर्न, 29 जनवरी। गुरुवार को 12वीं सीड एलिना स्वितोलिना पर ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में आसान जीत के बाद दुनिया की नंबर एक आर्यना सबालेंका की मेलबर्न में वापसी की तलाश लगभग पूरी हो गई है।

सबालेंका का 76 मिनट में 6-2, 6-3 का मास्टरक्लास, रॉड लेवर एरिना में उनके पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया।

सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रायबाकिना के खिलाफ होगा,जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया। सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा, ''काम अभी खत्म नहीं हुआ है।''

स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया। नंबर 5 सीड एलेना रायबाकिना ने नंबर 6 सीड जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6(7) से हराकर अपने करियर के तीसरे ग्रैंड स्लेम फाइनल में जगह बनाई, और तीन साल में पहली बार फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने दूसरे सेट के टाईब्रेक में दो सेट पॉइंट बचाए।

रायबाकिना को पेगुला की आखिरी स्टेज में जबरदस्त वापसी की कोशिश को रोकना पड़ा, जो 30 साल की होने के बाद ओपन एरा में अपने पहले दो बड़े फाइनल में पहुँचने वाली पहली महिला बनने की कोशिश कर रही थीं। 2024 यूएस ओपन की रनर-अप ने दूसरे सेट में 5-3 से पिछड़ने पर तीन मैच पॉइंट बचाए, फिर कज़ाकिस्तान की खिलाड़ी ने 5-4 और 6-5 पर मैच के लिए सर्विस करते हुए दो बार रायबाकिना की सर्विस तोड़ी। हालाँकि, रायबाकिना ने क्लच टेनिस के साथ एक ज़बरदस्त टाईब्रेक जीता, और दिन के अपने छठे ऐस के साथ मैच के आखिरी दो पॉइंट जीते, फिर दिन का अपना छठा रिटर्न विनर।

भारत खिताब का सबसे बड़ा दावेदार : शास्त्री

नई दिल्ली, 29 जनवरी। 20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि मौजूदा चैंपियन भारत इस बार इतिहास रच सकता है और लगातार दो बार ख़िताब जीतने वाली पहली टीम बन सकता है। भारतीय टीम का मौजूदा प्रदर्शन बेहद ज़बरदस्त रहा है। 2024 में टी 20 विश्व कप का ख़िताब जीतने के बाद से टीम इंडिया ने कोई भी द्विपक्षीय सीरीज या टूर्नामेंट नहीं गंवाया है। आंकड़ों पर नज़र डालें तो भारत का जीत-हार का रिकॉर्ड 32-5 का है, जो किसी भी विरोधी टीम के लिए खतरे की घंटी है। टी 20 रैंकिंग में नंबर 1 पर काबिज़ भारतीय टीम के पास इस वक्त दुनिया का सबसे बेहतरीन दल है। टीम में नंबर 1 टी 20 बल्लेबाज़ अभिषेक शर्मा और नंबर 1 टी 20 गेंदबाज़ वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं, जो विरोधियों पर भारी पड़ रहे हैं। शास्त्री ने टीम की मजबूती पर बात करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि डिफेंडिंग चैंपियंस स्पष्ट रूप से जीत के प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेंगे। अगर आप एक-एक खिलाड़ी को देखें, उनकी मौजूदा फ़ॉर्म, मैच फ़िटनेस और हाल के दिनों में उन्होंने जितना क्रिकेट खेला है।

भारत ने सात विकेट से जीता पहला मुकाबला

ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश), 29 जनवरी। आज से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में शुरू हुई ऐतिहासिक पांच मैचों की भारत बनाम इंग्लैंड मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले मुकाबले में इंग्लैंड को 7 विकेट से पराजित किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 173 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड के कप्तान कैलम फ्लिन ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई, जबकि लियान ओ ब्रायन ने 41 गेंदों में 55 रनों की संयमित पारी खेलते हुए टीम को संभाला। उनकी पारी में चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे। विकेटकीपर बल्लेबाज एंगस ग्रांट ब्राउन ने अंतिम ओवरों में उपयोगी योगदान देते हुए 34 गेंदों में 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 170 रन के पार पहुंचने में सफल रहा। भारत की ओर से गेंदबाज़ों आकाश सिंह और विवेक कुमार ने महत्वपूर्ण विकेट झटकते हुए इंग्लैंड को बड़ी साझेदारियां बनाने से रोका और लक्ष्य को काबू में रखा। जवाब में भारत संयमित बल्लेबाजी करते हुए 18.5 ओवरों में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की जीत के नायक विकेटकीपर बल्लेबाज योगेंद्र भडोरिया रहे, उन्होंने 59 गेंदों में शानदार 94 रनों की पारी खेली। उनकी पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे, जिसने रनचेज को मजबूती और गति प्रदान की। योगेंद्र भडोरिया को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। योगेंद्र को आकाश सिंह का भरपूर साथ मिला, जिन्होंने मात्र 15 गेंदों में तेजतर्रार 36 रन बनाते हुए इंग्लैंड के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। अर्जुन गावरे ने 13 रन जोड़े, जबकि माजिद (12 नाबाद) और कप्तान रविंद्र सांते (11 नाबाद) ने बिना किसी और नुकसान के भारत को जीत दिलाई। इस जीत के साथ भारत ने श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। यह श्रृंखला शारीरिक, श्रवण और बौद्धिक दिव्यांग खिलाड़ियों को एक साथ एक अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में लाकर समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेली जा रही है।

भारत की सीमित ओवरों की टीम में जगह बनाने के लक्ष्य के साथ मेहनत कर रहा हूं : सरफराज

नई दिल्ली, 29 जनवरी। भारतीय बल्लेबाज सरफराज को टेस्ट क्रिकेट में खुद को साबित करने के लिए ज्यादा मौके नहीं मिले लेकिन उनका लक्ष्य वर्तमान में रहते हुए मेहनत कर सीमित ओवरों के क्रिकेट की राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का है। सरफराज दिल्ली के खिलाफ यहां खेले जाने वाले रणजी मैच की पूर्व संध्या पर बुधवार को मीडिया से कहा, मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करता हूं। मैं अतीत में कुछ नहीं कर सकता। मुझे नहीं पता कि कल क्या होगा। सरफराज घरेलू क्रिकेट में कुछ समय तक लय में नहीं थे लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और अपनी फिटनेस तथा।खेल पर काम किया। वह आत्मविश्वास हासिल करलाल गेंद के साथ सफेद गेंद के प्रारूपों में भी फिर से रन बनाने लगे। अपने पिछले मुकाबले में सरफराज ने हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में अपना पांचवां दोहरा शतक जड़ा और साथ ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 5,000 रन पूरे किए। टीम के अभ्यास सत्र के दौरान उन्होंने कहा, मुझे बस इतना पता है कि मैं घर जाऊंगा, घर पर बल्लेबाजी करूंगा, अपने पिता के साथ समय बिताऊंगा, होटल में सोऊंगा।

सैम अयूब का ऑलराउंड प्रदर्शन, पाक ने ऑस्ट्रेलिया को 22 रनों से दी शिकस्त

लाहौर, 29 जनवरी। प्लेयर ऑफ द मैच सैम अयूब (40 रन और दो विकेट) के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने पहले टी-20 मुकाबले पर ऑस्ट्रेलिया पर 22 रन से जीत दर्ज की। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। साहिबजादा फरहान का पहला विकेट जल्द गिरने के बाद अयूब ने सलमान आगा के साथ मिलकर 74 रन की साझेदारी की, जिससे पाकिस्तान पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 168 रनों का बड़ा सम्मानजक स्कोर बनाने में कामयाब रहा। फखर जमान और बाबर आजम को अपनी पारी शुरू करने में काफी संघर्ष करना पड़ा, बाबर ने 20 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हो गए। जमान 10 रन बनाए।उस्मान खान (18) रन बनाकर आउट हुये। मोहम्मद नवाज 15 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा ने चार विकेट लिये। महली बियर्डमैन और जेवियर बार्टलेट को दो-दो विकेट मिले। एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए, कप्तान ट्रैविस हेड का प्रदर्शन हमेशा अंतिम नतीजे में एक बड़ी भूमिका निभाने वाला था। उन्होंने पहले ओवर में छक्का लगाकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन एक छोटी, मनोरंजक पारी 23 रन पर खत्म हो गई जब अयूब ने उन्हें बाबर के हाथों कैच आउट करवाया। अयूब ने पहले ही मैट शॉर्ट को आउट कर दिया था, पाकिस्तान को सिर्फ मैट रेनशॉ और कैमरन ठीन की 40 रन की साझेदारी के तूफान को झेलना था, जिसके खत्म होने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी चुनौतियां भी प्रभावी रूप से खत्म हो गईं।

राजस्थान के उत्कर्ष की संघर्षपूर्ण जीत

जयपुर, 29 जनवरी। राजस्थान के उत्कर्ष सिंह राठौड ने संघर्षणूर्पण जीत दर्ज कर यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में चली रही योनेक्स सनराईज अखिल भारतीय सबजूनियर प्रतियोगिता के तीसरे दोर में प्रवेष किया। अंडर-15 बालक वर्ग के 40 मिनट तक चले मुकाबले में उत्कर्ष सिंह राठौड ने झारखण्ड के सुदीप कुमार को 15-7, 11-15, 15-11 से षिकस्त दी। अंडर-17 बालक वर्ग में देवाषीष प्रजापत ने दिल्ली के लक्ष्य चौधरी को तीन गेमों में 15-10, 10-15, 15-9 से हराया। राजस्थान के हर्षवर्धन ने हरियाणा के भरत कृष्णा को 15-5, 15-7 से हराया तथा निष्चित अग्रवाल ने कर्नाटक के फुरहान सय्यद से वॉक ओवर मिला।

कन्दर्प शर्मा ने केरल के आरिफ मोहम्मद को 15-10, 15-9 से चंडीगढ के अनुभव त्यागी को 15-9, 13-15, 15-8 से, जतिन ने तेलंगाना के निखिल वर्मा को 10-15, 15-5, 15-12 से, रूद्र देवंदा ने मध्यप्रदेष के अभ्यांष जैन को 15-5, 17-15, मानस गहलोत ने तेलंगाना के विहान प्रथम को 10-15, 17-15, 15-13 से, गर्वित बरवार ने तेलंगाना के विहान रेड्डी को 15-3, 15-5 से, दिव्यांष तोमर ने हरियाणा के आर्यन को 10-15, 15-11, 15-11 से, मयंक स्वामी ने मध्यप्रदेष के साकड दुबे को 15-11, 15-12 से, भव्य बंसल हरियाणा के मोक्ष भाटिया को 16-18, 15-5, 15-12 से, माधव शर्मा ने हरियाणा के हिमांषु को 15-7, 15-1 से, अक्षत शेखावत ने उत्तराखंड के क्षितिज कुषवाह को 15-6, 15-7 से, मानवेन्द्र चौधरी ने तमिलनाडु के के. सेलवामधन को हराकर अगले दोर मे प्रवेष किया।

राजस्थान बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष मनोज दासोत के अनुसार 450 मुकाबले होंगे। मैच सुबह 9 बजे से शुरू होंगे। अंडर-17 मिश्रित युगल में राजस्थान की गर्वित बरवार व देषना जैन की जोड़ी ने आंध्रप्रदेष के कार्तिक व सुषमा की जोड़ी को 15-2, 15-8 से परास्त किया। मिश्रित युगल अंडर-15 में श्रेयांष चौधरी व पदमजा सिंह की जोड़ी ने हरियाणा के विराज सिंह व कनिष्का सिंह की जोड़ी को 15-5, 15-6 से, लोकेष गुर्जर व मिराया फगेरिया की जोडी ने महाराष्ट्र की पृथ्वी जनवाड व धानी की जोड़ी को 15-7, 15-13 से, वाय शेखावत व के. शर्मा की जोडी ने उत्तरप्रदेष के सुषागर व अरनवी पाठक की जोड़ी को 16-14, 15-9 से हराया।

जूनियर नेशनल इक्वेस्ट्रियन चैम्पियनशिप जयपुर में

जयपुर, 29 जनवरी। नेशनल इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित जूनियर नेशनल इक्वेस्ट्रियन प्रतियोगिता (एंडोरेंस 40 किलोमीटर) 2025-26 का आयोजन 31 जनवरी से 1 फरवरी 2026 को सागर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स अकैडमी, गजाधरपुर, कालवाड़ रोड, जयपुर में किया जा रहा है। जयपुर जिला घुड़सवारी संघ के सचिव कैप्टन भागीरथ ने बताया कि 31 जनवरी को सभी घोड़ों की चिकित्सीय जांच होगी। जांच में फिट पाए गए घोड़े और राइडर 1 फरवरी को प्रातः 7:00 बजे से 40 किलोमीटर की दौड़ शुरू करेंगे।

राजस्थान पुलिस की माउंटेड टीम को मिले थौरो ब्रेड के दो घोड़े

जयपुर, 29 जनवरी। आर्मी से सेवानिवृत्त कर्नल कुलदीप सिंह गर्चा की से राजस्थान पुलिस को थौरो ब्रेड नस्ल के दो उत्कृष्ट घोड़े उपहार स्वरूप प्रदान किए जाने पर राजस्थान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव शर्मा ने उनका आभार व्यक्त किया। यह घोड़े 14 जनवरी 2026 को लगभग 11 लाख रुपये की लागत से राजस्थान पुलिस को भेंट किए गए। जिन्हें राजस्थान पुलिस की माउंटेड टीम में शामिल किया गया है। आरएसी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रुपिंदर सिंघ ने बताया कि 29 जनवरी 2026 को पुलिस मुख्यालय स्थित डीजीपी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी राजीव शर्मा ने कर्नल गर्चा के इस योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सहयोग से राजस्थान पुलिस की माउंटेड यूनिट को नई मजबूती मिलेगी तथा प्रशिक्षण व अनुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस की पोलो टीम के गठन एवं उसके भविष्य के विकास को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। अतिरिक्त पुलिय महानिदेशक रुपिंदर सिंघ ने कहा कि माउंटेड पुलिस बल एवं खेल गतिविधियां राजस्थान पुलिस की गौरवशाली परंपरा का अभिन्न अंग हैं। जिन्हें आगे बढ़ाया जाना आवश्यक है।

बॉटल फॉर चेंज की पहल के तहत 1175 किलोग्राम के प्लास्टिक का उपयोग कर बनाई 15 बेंचेज

जयपुर, 29 जनवरी। जयपुर में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित हुए खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के दौरान बिसलेरी टीम की ओर से 1175 किलोग्राम के प्लास्टिक की बोतलों को एकत्रित कर रिसाईकिलिंग के माध्यम से 15 बेंचेंज का निर्माण कर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सुपुर्द की गई। शासन सचिव-युवा मामले एवं खेल विभाग तथा अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद डॉ. नीरज कुमार पवन ने बिसलरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह हरित खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में हमारी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके अलावा यह कोशिश बेंच ऑफ ड्रीम्स कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में मदद करते हुए पुनर्चक्रमण और सतत् जीवनशैली की संस्कृति को प्रेरित करेगा। इस मौके पर सीएसआर एक्जीक्यूटिव वीनी भारद्धाज को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के द्वारा इस पहल की सराहना करते हुए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कैंडलविक क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 29 जनवरी। वनडे कप सीजन -1 में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 410 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं। ओशनिक ग्रोवर ने 121, अली हसन ने 54, अनिकेत श्रीवास्तव ने 51 रनों का योगदान दिया। आरसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से जय कुमार और यश कुमावत ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीसी क्रिकेट एकेडमी 27 ओवर में 68 रन पर ऑल आउट हो गई।

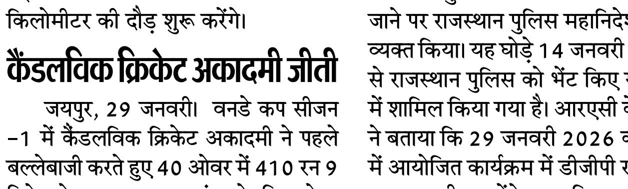

5वीं सॉफ्ट हॉकी नेशनल चैम्पियनशिप 2025-26 का भव्य उद्घाटन

जयपुर, 29 जनवरी। एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड, सवाई मानसिंह स्टेडियम में 29 जनवरी 2026 को 5वीं सॉफ्ट हॉकी नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य उद्घाटन समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के खेल राज्य मंत्री के.के. विश्नोई रहे। समारोह की अध्यक्षता डॉ. अशुतोष पंत ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आईजी संदीप सिंह चौहान, शिखा पंत एवं डॉ. आदित्य नाग उपस्थित रहे। साथ ही अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि के. के. विश्नोई ने स्वयं सॉफ्ट हॉकी खेलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और सॉफ्ट हॉकी खेल की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जयपुर पोलो सीजन 2026 : टीम जिंदल बेदला, वी पोलो और जयपुर ने जीते मैच

जयपुर, 29 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे पोलो कप के लिए गुरुवार को तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहला मैच पीपीसी ग्राउंड पर टीम जिंदल बेदला और थंडरबोल्ट के बीच आयोजित हुआ। इसके पश्चात, दूसरा मुकाबला पीपीसी ग्राउंड पर टीम वी पोलो और टीम अरावली के बीच खेला गया। वहीं, दिन का तीसरा मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर टीम जयपुर और चांदना पोलो के बीच आयोजित हुआ।

टीम जिंदल बेदला और थंडरबोल्ट के बीच मुकाबला - इस मैच के दौरान टीम जिंदल बेदला ने शानदार जीत दर्ज की। जिंदल बेदला ने 11-2.5 के स्कोर के साथ थंडरबोल्ट की शिकस्त देकर मैच जीत लिया। विजेता टीम जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए अकेले 8 गोल किए। वहीं, सिमरन शेरगिल ने 2 गोल और वैंकटेश जिंदल ने 1 गोल किया। टीम से राव हिम्मत सिंह बेदला भी खेले। टीम थंडरबोल्ट की ओर से कर्नल विशाल

सिंह ने चौहान ने 1 गोल किया। टीम को 1.5 गोल का एडवांटेज मिला। टीम से अन्य खिलाड़ियों में रविंद्र मांग, मृत्युंजय सिंह चौहान और समीर सुहाग शामिल थे।

टीम वी पोलो और टीम अरावली के बीच टक्कर - यह मैच वी पोलो ने 7.5-6 के स्कोर से टीम अरावली को हराकर अपने नाम कर लिया। वी पोलो से सैंटियागो मारम्बियो ने 5 गोल किए। वहीं, मुकेश सिंह और सलीम आजमी प्रत्येक ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से विवान मेहता भी खेले। यहां टीम वी पोलो को आधे गोल का एडवांटेज प्राप्त हुआ। दूसरी ओर टीम अरावली से मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे ने 4 गोल और कुलदीप सिंह राठौड़ ने 2 गोल किए। टीम से देवेंद्र सिंह और रघुराम हरि भी खेले।

टीम जयपुर और चांदना पोलो के बीच टक्कर - दिन के आखिरी मैच में टीम जयपुर ने 9.5-5 के स्कोर से चांदना पोलो को पराजित किया। टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 4 गोल हासिल किए। वहीं, भवानी सिंह कालवी ने 3 गोल और लांस वॉटसन ने 2 गोल किए। टीम से मिर्जा मोहम्मद बेग भी खेले। इस मुकाबले में टीम जयपुर को आधे गोल का एडवांटेज भी मिला। टीम चांदना पोलो से अलेजो अरामबुरु ने 2 गोल किए। अशोक चांदना और डीनो धनखड़ ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम में आरके धनंजय सिंह भी शामिल थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार जताया

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राजस्थान को मटीरियल कंपोनेंट के तहत 825 करोड़ रूपए की राशि जारी की थी

नई दिल्ली/जयपुर, 29 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार देर रात को नई दिल्ली में केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस अवसर पर शर्मा ने राजस्थान के लिए मटेरियल कंपोनेंट के अंतर्गत 825 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी किए जाने पर केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री का आभार व्यक्त किया। चौहान ने मुख्यमंत्री को इस संबंध में अग्रिम किश्त का शीघ्र भुगतान करने के लिए आश्वासन भी दिया। इस दौरान, प्रदेश में कृषि एवं ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न विषयों और कृषक कल्याण को समर्पित विभिन्न योजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

- **शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को इस मद में अग्रिम राशि जारी करने का भी आश्वासन दिया है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तृत चर्चा की।

समीर वानखेडे का मुकदमा खारिज

नयी दिल्ली, 29 जनवरी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी समीर वानखेड़े द्वारा नेटफ्लिक्स सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में कथित रूप से चित्रित किए जाने के संबंध में दायर मानहानि के मुकदमे को क्षेत्राधिकार के अभाव का हवाला देते हुए खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने फैसला सुनाया कि उच्च न्यायालय इस मामले का निर्णय करने के लिए उपयुक्त मंच नहीं है और वानखेड़े को सक्षम क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय में जाने की स्वतंत्रता दी।

- **भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी समीर वानखेड़े ने नैटफिलक्स सीरीज़ ''द बैड्स ऑफ बॉलीवुड'' के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में अपील की थी। जिसे कोर्ट ने क्षेत्राधिकार का अभाव बताकर खारिज कर दिया।**

पुनः आयोजित जेई भर्ती 2021 का पेपर भी लीक हुआ था

जाँच में सामने आया कि निरस्त परीक्षा के सफल अभ्यर्थी पुनः आयोजित परीक्षा में भी संदिग्ध रूप से सफल हुए

जयपुर, 29 जनवरी। कनिष्ठ अभियंता (जेई) संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 के पेपर लीक होने के बाद निरस्त की गई परीक्षा के पुनः आयोजन में भी गंभीर अनियमितता सामने आई हैं। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की जांच में यह खुलासा हुआ है कि 12 सितंबर 2021 को पुनः आयोजित कनिष्ठ अभियंता (सिविल) भर्ती परीक्षा-2021 का पेपर भी लीक कर दिया गया था।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि दिसंबर 2020 में आयोजित कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा-2020 को पेपर लीक होने के कारण निरस्त किया गया था, जिस संबंध में सांगानेर थाने में केस दर्ज किया गया था। उसी केस की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि निरस्त परीक्षा में सफल अभ्यर्थी पुनः आयोजित परीक्षा में भी संदिग्ध रूप से सफल हुए।

- **एसओजी की जाँच में उजागर हुआ कि पुनः आयोजित परीक्षा में भी संगठित पेपर माफिया सक्रिय था तथा उसने परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र अभ्यर्थियों को उपलब्ध करा दिया था।**

जांच में यह उजागर हुआ कि पुनः आयोजित परीक्षा में भी पेपर माफिया सक्रिय था और पेपर लीक हुआ था। इस संबंध में 19 जनवरी 2026 को थाना एसओजी में नया केस दर्ज किया गया।

एसओजी ने इस मामले में जगदीश विश्नोई निवासी सांचौर जिला जालौर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर परीक्षा से पहले पेपर लीक किया। जांच में यह भी सामने आया कि गणपतलाल बिश्नोई निवासी सांचौर जिला जालौर, जो वर्तमान में सार्वजनिक निर्माण विभाग में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत है, को भी अवैध तरीके से परीक्षा उत्तीर्ण कराई गई। वह इस भर्ती में मेरिट क्रमांक 12 पर चयनित हुआ तथा बाद में उसे पदोन्नत भी किया गया।

एसओजी ने बताया कि इससे पहले सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक होने के तथ्य भी सामने आ चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भर्ती परीक्षाओं की शुचिता को प्रभावित करने वाला एक संगठित गिरोह सक्रिय है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड लिया गया है। एसओजी द्वारा पूरे नैटवर्क की पहचान, अन्य संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी तथा अवैध रूप से अर्जित लाभ को निरस्त कराने की कार्रवाई जारी है।

'अमेरिका और नाटो के बीच ग्रीनलैंड को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ'

डेनमार्क की प्र.मंत्री मेटे फ्रैडरिकसेन ने फ्रांस के टीवी चैनल से वार्ता के दौरान दावा किया

पेरिस, 29 जनवरी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है। जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, ''यह कोई समझौता नहीं है।'' फ्रेडरिकसेन ने साक्षात्कार में कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि ''यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं।'' फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं।

- **फ्रैडरिकसेन ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स फ्रैडरिक नील्सन के साथ फ्रांस की यात्रा पर आयी हैं।**

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिये एक रणनीतिक चेतावनी है। साथ ही उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ फ्रांस की एकजुटता की बात दोहराई।

बब्बर खालसा के दो आतंकवादी गिरफ्तार

चंडीगढ़ 29 जनवरी। पंजाब पुलिस ने हिमाचल प्रदेश की पुलिस के साथ एक बड़ी कार्रवाई में हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ पुलिस स्टेशन धमाके के सिलसिले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के ऑपरेटिव हरविंदर रिंडा और पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा समर्थित एक नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि मॉडयूल के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक आइईडी बरामद किया गया है। यह ऑपरेशन हिमाचल प्रदेश की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमशेर सिंह उर्फ शेरू और प्रदीप सिंह उर्फ दीपू, दोनों निवासी राहों, के तौर पर हुई है।

एसआईआर की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

सुप्रीम कोर्ट इस बात की जांच कर रहा है कि क्या चुनाव आयोग के पास संविधान के तहत एसआईआर आयोजित करने का अधिकार है

नयी दिल्ली, 29 जनवरी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उन याचिकाओं के समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिनमें चुनाव आयोग (ईसीआई) के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वैधता को चुनौती दी गई थी।

न्यायालय इस बात की जांच कर रहा है कि क्या चुनाव आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 326, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत यह अधिकार है कि वह एसआईआर को वर्तमान स्वरूप में संचालित कर सके।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने नवंबर 2025 से चल रही व्यापक सुनवाई के बाद मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

- **इस मामले में नवम्बर 2025 से ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है।**

अधिकांश याचिकायें पिछले वर्ष जून में तब दायर की गयी थीं, जब चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया आरंभ करने का निर्णय किया था। गैर-सरकारी संगठनों, राजनीतिक नेताओं और व्यक्तिगत कार्यकर्ताओं सहित 13 से अधिक याचिकाकर्ताओं ने न्यायालय का रुख किया है। इनमें मुख्य याचिकाकर्ता के रूप में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), पीयूसीएल, योगेंद्र यादव, महुआ मोइत्रा (तृणमूल कांग्रेस सांसद), मनोज झा (आरजेडी सांसद), के.सी. वेणुगोपाल (कांग्रेस सांसद) और सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी) आदि शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि एसआईआर एक अप्रत्यक्ष ''एनआरसी जैसी प्रक्रिया'' है, जो प्रभावी रूप से चुनाव आयोग को नागरिकता सत्यापन के लिए एक वास्तविक प्राधिकरण में बदल देती है। उन्होंने तर्क दिया कि मतदाता पात्रता संबंधी शंकाओं का समाधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 के अनुसार ही किया जाना चाहिए, जिसमें मतदाता सूची से अयोग्य घोषित किए जाने के विशिष्ट आधार बताए गये हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, डॉ. ए.एम. सिंघवी, गोपाल शंकरनारायणन, शादान फरासत, पी.सी. सेन और राजू रामचंद्रन, साथ ही अधिवक्ता प्रशांत भूषण, वृंदा ग्रोवर, निज़ाम पाशा और शाहरुख आलम विभिन्न याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुये। याचिकाओं का विरोध करते हुये, चुनाव आयोग ने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया को केवल चुनावी उद्देश्यों के लिए ही देखा जाना चाहिये, न कि निर्वासन या अन्य परिणामों के लिए नागरिकता निर्धारित करने की प्रक्रिया के रूप में। आयोग ने एसआईआर को एक ''उदार, सौम्य'' प्रक्रिया बताया, जिसमें किसी भी प्रकार की कठोर या दबावपूर्ण जांच शामिल नहीं है।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वास्तव में एक स्वतंत्र व्यक्ति राज्यसभा सांसद बने, जो किसी भी गुट, समूह या नेता से जुड़ा न हो।

क्या उनका इशारा पवन खेड़ा की ओर था, जो राज्यसभा जाने की कोशिश कर रहे हैं और अशोक गहलोत के क़रीबी माने जाते हैं, हालाँकि स्वयं गहलोत भी राज्यसभा नामांकन के लिए प्रयासरत हैं?

आख़िरकार, राज्यसभा के लिए चयन का फ़ैसला पार्टी नेतृत्व के हाथ में है और यह उसका विशेषाधिकार है।

पार्टी जल्द ही नगर निकाय और स्थानीय निकाय चुनावों का सामना करने जा रही है और राज्य नेतृत्व का कहना है कि वे इन चुनावों में जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं।

इकोनॉमिक सर्वे ने भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नियंत्रण रखना चाहिए।

अर्थशास्त्र की भाषा में इसका मतलब है कि बेहतर भविष्य और आगे चलकर अधिक उपभोग के लिए आज की खपत को कम कर बचत बढ़ाई जाए।

अगर इस तरह के सुझाव को अमल में लाया जाता है, और जब मुख्य आर्थिक सलाहकार खुद ऐसा कह रहे हैं तो ऐसा क्यों न हो, लेकिन इसका नतीजा विकास नहीं, बल्कि मौजूदा समय में मंदी होगा।

खुद सीईए ने दिखाया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ती घरेलू खपत के सहारे आगे बढ़ रही है, जो मांग और आर्थिक गतिविधियों को गति दे रही है। उस पर ब्रेक लगाना विनाश और मंदी को बुलावा देना होगा।

अगर कुछ करना ही है तो घरेलू खपत को बनाए रखा जाना चाहिए, ताकि निर्यात में होने वाली किसी भी कमी की भरपाई की जा सके। बेशक, सीईए के तर्क के पीछे की सोच साफ है। विकास के लिए निवेश चाहिए और निवेश बचत से ही आ सकता है।

लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में घरेलू बचत की कमी को विदेशी बचत से पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। यानी, ज्यादा फॉरेन डायरैक्ट इन्वैस्टमैंट, घरेलू कैपिटल, मार्केट में ज्यादा फंड का फ्लो, विदेशी इन्वैस्टर्स के लिए सरकारी ट्रैज़री मार्केट खोलना, ये सब घरेलू बचत की कमी को पूरा कर सकते हैं।

इसके अलावा, अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन और कम महंगाई दर को देखते हुए सरकार के पास विस्तारवादी नीतियां अपनाने की गुंजाइश है। यह बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोग्राम और इन क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश के जरिए होना चाहिए।

इस तरह के कदम से न केवल कुल डिमांड बढ़ेगी, बल्कि जमीनी स्तर पर ज्यादा रोजगार पैदा होने से ग्रोथ और इन्कम जैनरेशन का मल्टीप्लायर इफैक्ट भी शुरु हो सकता है।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से पार्टी को राजनीतिक नुकसान होता दिख रहा है, क्योंकि ऊंची जातियों में नाराज़गी बढ़ी, और वह सड़कों पर प्रदर्शन के रूप में सामने आई है।

इस मामले की अगली सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 19 मार्च को होगी।

अजित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उल्लेखनीय है कि जिस समय हादसा हुआ उस समय बारामती में मौसम साफ था और दृश्यता 3,000 मीटर थी। हवा शांत थी।

बारामती एयरफील्ड पर उतरते समय पहले दो बार पायलट ने रनवे नजर नहीं आने की बात कही थी जिसके कारण विमान उतर नहीं पाया। तीसरी बार में पायलट ने कहा कि उसे रनवे दिख रहा है और विमान को सुबह 8.43 पर उतरने की अनुमति प्रदान कर दी गयी। इसके बाद 8.44 बजे एटीसी ने रनवे 11 के एक छोर पर आग की लपटें देखीं।

कमांड पायलट के पास 1,500 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव था। को-पायलट के पास भी लगभग 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव था।

बांग्लादेश के 99 विस्थापित हिंदू परिवारों का यूपी में पुनर्वास होगा

लखनऊ, 29 जनवरी। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित 99 हिंदू परिवारों के पुनर्वास को स्वीकृति प्रदान की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक के बाद, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने पत्रकारों को बताया कि ये परिवार फिलहाल मेरठ जिले के मवाना क्षेत्र के नंगला गोसाई गांव में रह रहे थे और यह पुनर्वास राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के अनुपालन में किया जा रहा है।

- **उत्तर प्रदेश सरकार ने कैबिनेट मीटिंग में इस फैसले पर मोहर लगाई**
- **इन परिवारों को कानपुर देहात के रसूलाबाद व ताजपुर तरसौली गाँव में बसाया जाएगा।**

खन्ना ने बताया कि पुनर्वास योजना के तहत 50 परिवारों को कानपुर देहात जिले की रसूलाबाद तहसील के भैंसाया गांव में 11.1375 हेक्टेयर (27.51 एकड़) भूमि पर बसाया जाएगा, जबकि शेष 49 परिवारों को ताजपुर तरसौली गांव में 10.530 हेक्टेयर (26.01 एकड़) भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। यह भूमि पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज है।

प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि 30 वर्ष की लीज पर दी जाएगी, जिसे दो बार 30-30 वर्षों के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार अधिकतम 90 वर्षों तक लीज की व्यवस्था होगी, जो निर्धारित प्रीमियम अथवा लीज रेंट के भुगतान पर प्रदान की जाएगी।

शशि थरूर, राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनने, को पूरा करने के लिए किस तरह की भूमिका निभा रहे हैं, तो यह चिंता का विषय है।

उदाहरण देते हुए शशि थरूर ने राहुल गांधी को बताया कि जब उन्होंने केरल में एक बैठक को संबोधित किया, तो उन्होंने उनका नाम तक नहीं लिया, जबकि वे मंच (डायस) पर मौजूद थे। इस पर राहुल गांधी ने जवाब दिया कि उन्हें एक पर्ची दी गई थी, जिसमें कुछ नाम लिखे थे, और उन्होंने वही नाम पढ़ दिए। नेताओं का कहना है कि यह वेणुगोपाल की शरारत थी।

सूत्रों के मुताबिक, शशि थरूर ने राहुल गांधी से केवल दो बातें कहीं। पहली, राहुल को उन पर भरोसा होना चाहिए; और दूसरी, उन्हें संसद में बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। दोनों ही मांगों पर राहुल गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि ऐसा किया जाएगा।

इसके साथ ही, राहुल गांधी ने वेणुगोपाल को निर्देश दिया कि वे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को सूचित करें कि शशि थरूर को प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की सभी बैठकों में आमंत्रित किया जाए।

इतना ही नहीं, आगामी विधानसभा चुनावों के लिए केरल में कांग्रेस की अभियान समिति और प्रचार समिति की ज़िम्मेदारी भी शशि थरूर को सौंप दी गई है।

राहुल गांधी ने थरूर की शिकायतों को ध्यान से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि उनका समाधान किया जाएगा।

- **राहुल गांधी ने तुरंत प्रभाव से थरूर को आगामी चुनाव के लिए गठित अभियान समिति व प्रचार समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया।**
- **थरूर ने एक आग्रह यह भी किया कि उन्हें संसद में बोलने का मौका दिया जाए।**

इस बैठक को शशि थरुर की एक तरह की जीत के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, इस उम्मीद के साथ कि यह समझ आगामी विधानसभा चुनावों तक बनी रहेगी।

नालों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलग उच्च न्यायालयों के इस मामले पर अलग-अलग विचार थे कि कितना मुआवजा दिया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले में 10 लाख रुपये दिए, जबकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने दूसरे मामले में 30 लाख रुपये दिए।

नफरती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलती और इसके लिए तीन साल तक की सजा हो सकती है। कांग्रेस की राज्य इकाई ने इस मामले में पहले ही याचिका दायर कर दी है। याद दिलाना जरूरी है कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे को दिसंबर 1999 से दिसंबर 2005 तक छह वर्षों के लिए मतदान करने और चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। यह बैन चुनाव आयोग की सिफारिश पर लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने धर्म के नाम पर वोट मांगकर गलत काम किया था। हालांकि, वह समय अलग था, जब संस्थानों को सत्तारूढ़ व्यवस्था से इतना जुड़ा हुआ नहीं माना जाता था। हाल के महीनों और वर्षों में इस तरह की आपत्तिजनक बातें सामान्य होती दिखाई दे रही हैं।

नीरजा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीबीएसई की ओर से कहा गया कि स्कूल में सीसीटीवी कैमरे हैं, लेकिन उनकी निगरानी करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। यदि सीसीटीवी की लाइव मॉनिटरिंग होती तो शायद घटना नहीं होती। स्कूल में एंटी बुलिंग सहित, कई अन्य कमेटियां केवल कागजों में ही काम कर रही थी। मृतका लंबे समय से बुलिंग की शिकार हो रही थी, लेकिन शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

एन सी पी के भविष्य पर सवालिया निशाल लगा दिया है अजित पवार की अचानक मौत ने

पर, इसे एन सी पी का अंत मान लेना अभी जल्दबाज़ी होगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जनवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की श्रद्धांजलि लिखना अभी जल्दबाज़ी होगी, लेकिन विमान दुर्घटना में अजित पवार की अचानक हुई मृत्यु निस्संदेह पार्टी के दोनों गुटों के साथ-साथ, उस परिवार के लिए भी लगभग घातक झटका है, जिसने पिछले चार दशकों से पश्चिमी महाराष्ट्र की शुगर बैल्ट और उसकी समृद्ध सहकारी संस्थाओं की राजनीति पर नियंत्रण रखा है।

इससे बदतर समय नहीं हो सकता था। अजित पवार का निधन ऐसे समय में हुआ है। वर्ष 2023 में हुए विभाजन के बाद, एनसीपी गंभीर दौर से गुजर रही है। उक्त विभाजन ने पार्टी को ही नहीं बल्कि, महाराष्ट्र के प्रमुख राजनीतिक परिवारों में से एक को भी विभाजित कर दिया था, जहाँ भतीजा, चाचा के आमने-सामने आ गया और पार्टी के पितामह शरद पवार की सावधानी से बनाई गई उत्तराधिकार योजना उलट गई थी।

- **अजित की मौत ऐसे समय में हुई है, जब 2023 में विभाजित हुई पार्टी बड़े नाज़ुक दौर से गुज़र रही थी।**
- **अगर राजनीति के धुरंधर शरद पवार अपनी पार्टी को इस भारी क्षति से उबारने के लिए कोई चमत्कारिक समाधान नहीं कर पाए तो एन सी पी के खाली स्थान पर भाजपा कब्जा कर लेगी।**
- **अभी सबसे बड़ा मुद्दा अजित पवार गुट के 41 विधायकों का है, यह भी चर्चा है कि भाजपा नेतृत्व उन सभी को अपनी पार्टी में शामिल कर सकता है।**

यदि अजित पवार जैसी बड़ी क्षति के बाद, शरद पवार अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने के लिए आख़िरी बार भी कोई चमत्कार नहीं कर पाते, तो भाजपा की मशीनरी निश्चित रूप से एनसीपी द्वारा खाली किए गए स्थान पर कब्ज़ा करने आगे बढ़ेगी।

पहली बात, दोनों गुट (एक अजित पवार के नेतृत्व में और दूसरा शरद पवार के नेतृत्व में) हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ जैसे अपने गढ़ों में लगभग सफ़ाए के सदमे से अब तक उबर नहीं पाए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दोनों पर कब्ज़ा कर लिया और उसकी जबरदस्त जीत दोनों एनसीपी गुटों के लिए, और संभवतः पवार परिवार के लिए भी, अस्तित्व का संकट खड़ा करता है।

दूसरी बात, दोनों गुटों के पुनर्मिलन की योजनाएँ अब अधर में लटक गई हैं। सीट-बँटवारे को लेकर भाजपा से मतभेदों के बाद, नगर निगम चुनावों से पहले विलय के लिए अजित पवार ही अपने चाचा के पास गये थे। दोनों ने चरणबद्ध तरीके पर सहमति जताई थी। पहला कदम नगर निगम चुनावों के लिए गठबंधन बनाना था। अगला कदम आगामी ज़िला परिषद चुनाव एक ही चुनाव चिन्ह पर लड़ना था। चाचा-भतीजे इस पर सहमत थे कि वे ''घड़ी'' का चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करेंगे, जिसे चुनाव आयोग ने शरद पवार से लेकर अजित पवार की पार्टी को दे दिया था।

इसके बाद, पुनर्मिलन महज़ औपचारिकता रह जाना था, जिसे स्थानीय चुनाव पूरे होने के बाद किया जाना था। अब यह कहना मुश्किल है कि यह प्रक्रिया पूरी होगी या नहीं।

बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले हफ्तों में अजित पवार के 41 विधायक किस दिशा में जाते हैं। अजित के प्रभावशाली नेतृत्व के बिना वे लगभग अनाथ और दिशाहीन हो गए हैं। वर्ष 2022 से महाराष्ट्र की पार्टियों में जिस तरह टूट-फूट हुई है, उसे देखते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि वे या तो अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाएँ या फिर भाजपा उन्हें अपने में समाहित कर ले।

अजित पवार के अप्रत्याशित निधन से भाजपा के सामने अवसर भी हैं और चुनौतियाँ भी। उनकी एनसीपी, एकनाथ शिंदे की सेना के मुक़ाबले संतुलनकारी शक्ति के रूप में उपयोगी साबित हुई थी। वस्तुतः, अजित पवार के बिना शर्त समर्थन के चलते ही, शिंदे की नाराज़गी और दबाव की राजनीति के बावजूद, देवेन्द्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ़ हुआ था। इसके बाद जब-जब शिंदे ने सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, अजित पवार उन्हें लाइन पर लाने के काम आए। एक अर्थ में, फडणवीस और भाजपा ने एक क़ीमती सहयोगी खो दिया है।

फिर भी, अजित पवार की मृत्यु को महाराष्ट्र में भाजपा के दीर्घकालिक लक्ष्य, एकमात्र प्रभुत्वशाली शक्ति बनने और अगले विधानसभा चुनाव में अपने दम पर सरकार बनाने, को हासिल करने के लिहाज से अनुकूल भी माना जा सकता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908